रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | श्रावण शुक्ल पक्ष 05, संवत 2081 | रांची, शुक्रवार, 09 अगस्त 2024, वर्ष-25, अंक- 188, पृष्ठ-16 ₹3.00 रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

विश्व आदिवासी दिवस की हार्दिक बधाई और **शुभकामनाएं**

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

मुख्य आकर्षण

- रीझ रंग शोभा यात्रा
- सांस्कृतिक कार्यक्रम
- झारखण्ड की चित्रकला शैलियां
- आदिवासी पुस्तक मेला
- आदिवासी कवि सम्मेलन
- वृत्तचित्र स्क्रीनिंग
- कला-शिल्प प्रदर्शनी
- परिधान फैशन शो
- खान-पान
- लेजर शो

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

उद्घाटन समारोह

झारखण्ड आदिवासी महोत्सव 2024

मुख्य अतिथि

श्री संतोष कुमार गंगवार

माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री शिबू सोरेन

माननीय अध्यक्ष, राज्य समन्वय समिति
सह सांसद, राज्यसभा

अध्यक्षता

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

तथा

माननीय मंत्रीगण, माननीय सांसदगण,
माननीय विधायकगण एवं अन्य गणमान्य अतिथियों
की गरिमामयी उपस्थिति में

शुक्रवार 9 अगस्त, 2024 | अपराह्न 12:00 बजे से

बिरसा मुण्डा स्मृति उद्यान, जेल चौक,
रांची में आयोजित है

समारोह में आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थित है

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

PR No. 332291 (IPRD) 2024-25

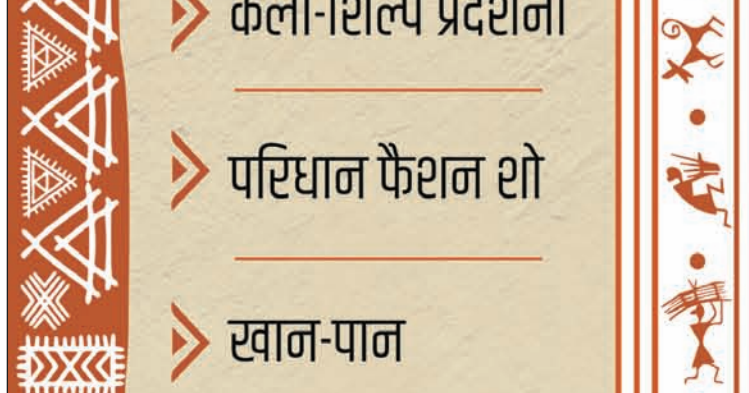

श्री संतोष कुमार गंगवार
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

त्योहार बताते हैं कितनी समृद्ध है झारखंड की सांस्कृतिक विरासत

झारखंड में रह रहीं 32 जनजातियां आपस में मिलजुल कर रहती हैं। सब मिलजुल कर उल्लास के साथ पर्व-त्योहार मनाते हैं। इसमें गैर आदिवासी भी उत्साह के साथ भाग लेते हैं। झारखंड के सभी पर्व-त्योहार यहां के समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की जानकारी देते हैं।

जावा पर्व

अविवाहित आदिवासी लड़कियों जावा पर्व मनाती हैं। इसमें अलग तरह के गीत और नृत्य होते हैं। यह अच्छी प्रजनन क्षमता और बेहतर घर की उम्मीद के लिए मनाया जाता है। अविवाहित लड़कियां अंकुरित बीजों से एक छोटी टोकरी सजाती हैं। अनाज के अच्छे अंकुरण से माना जाता है कि प्रजनन क्षमता बढ़ती है। इस पर्व के दौरान झारखंड का जनजातीय क्षेत्र उल्लास में डूबा रहता है।

भगता पर्व

यह पर्व वसंत और गर्मियों की अवधि के बीच में आता है। झारखंड के आदिवासी लोगों के बीच भगता पर्व, बूढ़ा बाबा की पूजा के रूप में जाना जाता है। लोग दिन में उपवास रखते है और पुजारी पहान को उठा कर सर्ना मंदिर कहे जाने वाले आदिवासी मंदिर ले जाते है। शाम को पूजा के बाद भक्त बहुत गतिशील और जोरदार छऊ नृत्य में भाग लेते हैं। अगले दिन बहादुरी का आदिम खेल खेला जाता है। यह पर्व तमाड़ क्षेत्र में अधिक लोकप्रिय है।

मागे पर्व

मागे पर्व झारखंड के आदिवासी समुदाय का एक पारंपरिक पर्व है। मागे शब्द का अर्थ माता होता है। यह झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के हो जनजाति का एक पारंपरिक पर्व है। यह त्यौहार माघ महीने की शुरुआत (जनवरी-फरवरी) में मनाया जाता है। यह आदि धर्म व संस्कृति एवं सृष्टि रचना पर्व है। इसकी कोई तिथि निर्धारित नहीं है। अलग-अलग गांवों में अलग-अलग तिथियों पर मागे पर्व मनाया जाता है। मागे पर्व आठ दिनों में संपन्न होता है। पहले दिन अनादेर पर्व, दूसरे दिन लोयो-गुरि, तीसरे दिन ओते इलि, चौथे दिन गौ महरा, पांचवें दिन हेःसकम, छठे दिन मरंग पोरोब, सातवें दिन बसि (जतरा) और आठवें दिन हर मगेया। कहीं-कहीं टुउमुटू पर्व भी मनाया जाता है।

सरहुल पर्व

वसंत के मौसम में सरहुल पर्व मनाया जाता है। इस समय साल वृक्ष की शाखाओं पर नए फूल खिले रहते हैं। सरहुल में साल के पेड़ के नीचे गांव के देवता की पूजा साल की फूलों से की जाती है। ये देवता जनजातियों के रक्षक माने जाते हैं। इस पर्व में लोग खूब नाचते-गाते हैं और एक तरह से वसंतोत्सव मनाते हैं। यह त्योहार छोटानागपुर के इस क्षेत्र में लगभग सप्ताह भर मनाया जाता है। मुंडा, भूमिज और हो जनजाति इस पर्व को विशेष रूप से मनाते हैं।

सरहुल पूजा में गांव के पुजारी या पहान कुछ दिनों के लिए व्रत रखते हैं। सुबह में वह स्नान कर कच्चे धागे से बने नए धोती पहनते हैं। सरहुल के एक दिन पूर्व शाम में तीन नए मिट्टी के बर्तन में ताजा पानी भरा जाता है। अगली सुबह इन मिट्टी के बर्तन के अंदर, पानी का स्तर देखा जाता है। अगर पानी का स्तर कम होता है, तो अकाल या कम बारिश की भविष्यवाणी की जाती है। यदि पानी का स्तर सामान्य रहता है, तो इसे अच्छी बारिश का संकेत माना जाता है। पूजा शुरू होने से पहले, पहान की पत्नी, पहान के पैर धोती हैं और उनसे आशीर्वाद लेती हैं।

सरहुल पूजा में पहान तीन अलग-अलग रंग के युवा मुर्गा प्रदान करते हैं-पहला ईश्वर के लिए, दूसरा गांव के देवताओं के लिए और तीसरा गांव के पूर्वजों के लिए। इस पूजा के दौरान ग्रामीण सरना की जगह को घेर कर खड़े रहते हैं। पूजा के दौरान ढोल, नगाड़ा, मांदर और तुरही जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्र भी बजाए जाते हैं। पूजा समाप्त होने पर, गांव के लड़के पहान को अपने कंधे पर बैठाते है और गांव की लड़कियां रास्ते भर आगे-पीछे नाचती गाती उन्हे उनके घर तक ले जाती है, जहां उनकी पत्नी उनके पैर धोकर स्वागत करती है। वहां पहान अपनी पत्नी और ग्रामीणों को साल के फूल भेट करते हैं। इन फूलों को पहान और ग्रामीण के बीच भाईचारे और दोस्ती का प्रतिनिधि माना जाता है। गांव के पुजारी हर ग्रामीण को साल के फूल वितरित करते है। और तो और वे हर घर की छत पर इन फूलों को डालते है, जिसे फूल खोसी भी कहा जाता है। पूजा समाप्त होने के बाद हंड़िया नामक प्रसाद ग्रामीणों के बीच वितरित किया जाता है। यह चावल से बनाया जाता है। पूरा गांव गायन और नृत्य के साथ सरहुल का त्योहार मनाता है।

टुसू पर्व

टुसू पर्व सर्दियों के दौरान मकर संक्रांति पर आयोजित होने वाला एक फसल कटाई का त्योहार है। यह एक लोक उत्सव है। टुसू पर्व को तीन प्रमुख नामों से जाना जाता है - टुसू पर्व, मकर पर्व और पौष पर्व। उत्सव के अंत में, टूसू देवी की छवि का विसर्जन टुसू गीतों के साथ विशद रूप से किया जाता है। त्योहार के दौरान ग्रामीण मेलों का भी आयोजन किया जाता है। टुसू पर्व ज्यादातर झारखंड के दक्षिण पूर्व क्षेत्रों में मनाया जाता है। टूसू एक धर्मनिरपेक्ष पर्व है और सभी जातियों और धर्मों के लोग इसे मनाते हैं। यह पर्व मुख्य रूप से भूमिज, कोरा, मुंडा, संथाल, खड़िया, हो, गोंड, चिक बड़ाइक, उरांव, खेरवार, माहली, लोहरा, सबर, करमाली, कुड़मी महतो, लोधा, बागाल, भुइंया, गोंझू द्वारा मनाया जाता है।

करम पर्व

करम पर्व भादपद की शुक्ल पक्ष एकादशी को मनाया जाता है। यह झारखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, असम और ओडिशा मनाया जाता है। यह एक फसल उत्सव है। यह शक्ति, यौवन और युवावस्था के देवता करम देवता की पूजा के लिए समर्पित है। यह अच्छी फसल और स्वास्थ्य के लिए मनाया जाता है। इसे भाई-बहन का त्योहार भी माना जाता है। करम पर्व पर एक विशेष नृत्य भी किया जाता है। इसे करम नाच कहते हैं। करम पर्व पर श्रद्धालु उपवास के पश्चात करम वृक्ष की शाखा को घर के आंगन में रोपित करते हैं तथा मिट्टी से हाथी और घोड़े की मूर्तियां बनाकर करम देवता की पूजा करते हैं। पूजा-अर्चना करने के बाद महिला-पुरुष नगाड़ा, मांदर और बांसुरी के साथ करम शाखा के चारों ओर करम नाच-गान करते हैं। दूसरे दिन कुल देवी-देवता को नवान्न (नया अन्न) देकर ही उसका उपभोग शुरू होता है। करम नृत्य को नई फसल आने की खुशी में लोग नाच-गाकर मनाया जाता है। करम पर्व बैगा, भूमिज, उरांव, खड़िया, मुंडा, कुड़मी, कोरवा, भुईयां घटवाल, बागाल, घटवार, बिंझवारी, करमाली, लोहरा विशेष रूप से मनाते हैं। ।

जनी शिकार

जनी शिकार भी शिकार का पर्व है। यह हर 12 साल में एक बार आयोजित किया जाता है। महिलाए पुरुषों के कपड़े पहनती हैं और जंगल में शिकार के लिए जाती है। जनी शिकार कुड़ुख महिलाओं द्वारा बख्यिार खिलजी (अलाउद्दीन खिलजी का सेनापति) को भगा देने की याद में मनाया जाता है। बख्यिार खिलजी रोहतास गढ़ में त्योहार के नववर्ष के अवसर पर किले का कब्जा करना चाहता था। 12 वर्ष में किले पर 12 बार कब्जा करने की कोशिश की गई और हर बार कुड़ुख महिलाओं ने उन्हें भगा दिया। महिलाएं युद्ध के क्षेत्र में पुरुषों के कपड़े पहनती थीं।

सेंदरा पर्व

सेंदरा का अर्थ शिकार होता है। ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले आदिवासी हर साल अपनी परंपरा के अनुसार सेंदरा खेलने का पर्व मनाते हैं। इस पर्व में पहले आदिवासी समाज के पुरुष सेंदरा करने जंगल की ओर जाते हैं। सेंदरा से लौटने पर उनका इंतजार करने वाली महिलाएं पैर धोकर उनका स्वागत करती हैं और पानी से ही होली खेलती हैं।

बंदना पर्व/सोहराय

कार्तिक अमावस्या को मनाया जाने वाला बंदना पर्व राज्य के प्रसिद्ध त्योहारों में से एक है। यह पर्व मुख्य रूप से पशुओं के लिए हैं। इस त्योहार में लोग अपनी गायों और बैलों को धोते है, साफ करते है, और सुंदर गहने से सजाते है। इस त्योहार के गीत को ओहिरा कहा जाता है, जो पशुओ को समर्पित होते हैं। पशुओं को सजाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला रंग प्राकृतिक रंग होता है। इसे सोहराय भी कहते हैं।

आखांइन जतरा

आखांइन जतरा, हिंदू पंचांग के माघ महीने की पहली तिथि को मनाया जाता है। यह कृषि उत्सव है। झारखंड में आखांइन को नववर्ष के रूप में मनाते हैं। जनजातीय लोग वर्ष की शुरुआत मानकर इस दिन से सारे शुभ कार्य शुरू कर देते हैं। किसान परंपरा के अनुसार, इस दिन से ही खेत में पहला हल चलाकर खेती की शुरुआत की जाती है। वर्तमान समय में इसे जनजातीय और गैर जनजातीय किसान दोनों समुदायों द्वारा मनाया जाता है। आखांइन जतरा के साथ ही टुसू पर्व का आगाज हो जाता है।

कौन झारखंडी है यह आज तक निर्णय नहीं हुआ, विकास क्या होगा : डॉ भगत

रांची। विश्व आदिवासी दिवस पर देश और राज्य में जनजातियों की स्थिति पर ध्यान जाना स्वाभाविक है। जनजातियों की बड़ी आबादी अब भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। इन्हीं मुद्दों को लेकर हमारे प्रतिनिधि रजनीश ने आजसू पार्टी के महासचिव डॉ देवशरण भगत से बात की। डॉ भगत झारखंड के आदिवासी समुदाय के बौद्धिक चेहरे का प्रखर प्रतिनिधित्व करते हैं।

डॉ देवशरण भगत से बातचीत के प्रमुख अंश -

प्रश्न : झारखंड अलग राज्य जिन मुद्दों पर बना था, आज भी वही मुद्दे हैं। इसे आप कैसे देखते है?

उत्तर : जिन विषयों के लेकर झारखंड अलग राज्य बना था, जिन विषयों के लिए हमारे पूर्वजों ने अपनी प्राणों तक की आहुति दी थी, आज उन विषयों को ही अनदेखा कर दिया गया है। झारखंड क्यों अलग राज्य बना था? यह इसलिए बना था, क्योंकि हम अपना निर्णय खुद ले सकें। अबुआ दिशुम अबुआ राज हो सके। जल, जंगल, जमीन, पहाड़, पर्वत, रीति-रिवाज, संस्कृति, भाषा, स्वाभिमान,

और स्वशासन हो सके। राज्य में जमीन संरक्षण के लिए सीएनटी-एसपीटी जैसे कानून बने हुए हैं, लेकिन उन कानूनों के रहते हुए भी आदिवासियों की जमीन को लूटा जा रहा है। यूएन ने विश्व आदिवासी दिवस इसलिए मनाने की घोषणा की थी, ताकि आदिवासियों के जल जंगल जमीन, संस्कृति, सभ्यता, भाषा को बचाया जा सके, उसे संरक्षित किया जा सके।

प्रश्न : झारखंड में स्थानीय कौन है?

उत्तर : झारखंड में आज तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि स्थानीय कौन है। हम किसे स्थानीय कहें, इस बात का अब तक कोई कंफर्मेशन नहीं हो पाया है। हम किसे नियोजित करें, नियोजन नीति नहीं बनी है। झारखंड में न तो नियोजन नीति बनी और न ही स्थानीय नीति बनी। कौन कहां जाएगा और यह कैसे तय होगा, आज भी एक बड़ा प्रश्न ही बन कर रह गया है।

प्रश्न : आज जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाएं कहां हैं?

उत्तर : आज जनजातीय व क्षेत्रीय भाषा के लिए विश्वविद्यालय में शिक्षक नहीं हैं। तो, इसके शोध कार्य कैसे होंगे और इसे संरक्षित कैसे किया जाएगा। और, हम कहते हैं कि केजी से लेकर पीएचडी तक की पढ़ाई हम जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा में करेंगे। हम झारखंड की जनजातीय संस्कृति को सहेज कर कैसे रखेंगे और क्या पढ़ाएंगे? प्राइमरी स्कूल में बच्चों को सिलेबस नहीं मिला है, शिक्षक नहीं हैं, पुस्तकें नहीं मिली हैं। इस पर काम करने की जरूरत है। हमारे पूर्वज सिदो-कान्हू, बिरसा मुंडा, नीलांबर पीतांबर जैसे कई वीर योद्धा झारखंड में रहे हैं। वे क्यों लड़ रहे थे, क्योंकि वे चाहते थे कि अपनी धरती का सब कुछ बचा के रखें। अपनी भाषा और संस्कृति बची रहे।

प्रश्न : आजसू सरकार में थी, तब आपने क्या किया?

उत्तर : सुदेश महतो जब मंत्री थे, उस वक्त उन्होंने जनजातीय और क्षेत्रीय भाषा शोध के लिए कई रिसर्च सेंटर बनवाए थे। यह अलग-अलग जिलों में है। वहां रिसर्च होते थे। प्रयास होता था कि इन रिसर्च सेंटर में किसी भाषा को कैसे विकसित किया जाए? इस पर काम चलता था। लेकिन, आज वह किस परिस्थिति में है, यह कहना मुश्किल है। सुदेश महतो ने आदर्श गांव की स्थापना की थी, क्योंकि वह उस गांव को आदर्श बनना चाहते थे, जहां के महापुरुष ने अपनी शहादत आजादी की लड़ाई के लिए दी हो या अलग राज्य बनाने की लड़ाई में दी हो, जिनका एक अलग तरह का योगदान रहा हो। वहां के लोगों को यह पता चलना चाहिए कि हमारे गांव के ही एक बुजुर्ग या एक युवक ने अपनी भाषा, संस्कृति एवं सभ्यता के लिए लड़ाई लड़ी थी। आज उस आदर्श गांव का क्या हुआ

झारखंड की प्रमुख जनजातियां

झारखंड विभिन्न जनजातियों का निवास स्थान है। इसलिए झारखंड की संस्कृति पर इसका मिश्रित प्रभाव पड़ा है। राज्य की कुछ जनजातियां सनातन धर्म से प्रभावित हैं, तो कुछ बौद्ध और जैन धर्म से। कुछ ईसाई धर्म से भी प्रभावित है।

संथाल

राज्य की सबसे बड़ी जनजातियों में से एक है संथाल जनजाति। ये मुख्य रूप से हिंदू धर्म, ईसाई धर्म और सरना धर्म का पालन करते हैं। वे संथाली भाषा बोलते हैं। सोहराय इस समुदाय का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है।

मुंडा

झारखंड और भारत में सबसे बड़ी अनुसूचित जनजातियों में से एक मुंडा हिंदू धर्म (सनातन धर्म), ईसाई धर्म आदि का पालन करते हैं। वे मुंडारी भाषा बोलते हैं। इनके कई नृत्य, कला और संगीत प्रसिद्ध हैं। मुंडा समुदाय द्वारा मनाए जाने वाले प्रमुख त्योहार में मागे पर्व, सरहुल, सोरहाई, फागु और करम शामिल हैं।

हो

हो जनजाति झारखंड में अनुसूचित जनजातियों का लगभग 10.7 प्रतिशत है। हो समुदाय झारखंड के अलावा ओडिशा, बिहार और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में भी पाए जाते हैं। यह जनजाति हो भाषा बोलती है।

बैगा

झारखंड की बैगा जनजाति छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में भी पाई जाती हैं। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, झारखंड में बैगा समुदाय के लगभग 3585 लोग रहते हैं। यह जनजाति प्रकृति को मां मानती है और प्रकृति की शक्ति में दृढ़ता से विश्वास करती है। इसलिए इस जनजाति समुदाय में भोजन प्राप्त करने के लिए हल चलाने पर रोक है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस जनजाति के ज्यादातर लोग बांग्ला भाषा बोलते हैं।

असुर

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार झारखंड में असुर समुदाय के लगभग 33,000 लोग रहते हैं। इस जनजाति के लोग बिरजा भाषा बोलते हैं।

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | श्रावण शुक्ल पक्ष 05, संवत 2081 | रांची, शुक्रवार, 09 अगस्त 2024, वर्ष-25, अंक- 188, पृष्ठ-16 ₹3.00 रजिस्ट्रेशन नंः BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

विश्व आदिवासी दिवस की हार्दिक बधाई और **शुभकामनाएं**

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

वर्ष 2024 का थीम : 'स्व-निर्णय के लिए परिवर्तन के एजेंट के रूप में स्वदेशी युवा' विश्व आदिवासी दिवस 2024 का थीम है। यह थीम परिवर्तनकारी कार्यों को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है। यह जनजातीय समुदायों के भीतर और बाहर आत्मनिर्णय के अपने अधिकार पर जोर देने में 'स्वदेशी' युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल देता है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसंबर 1994 में पहली बार विश्व आदिवासी दिवस के संबंध में घोषणा की थी। 23 दिसंबर 1994 के प्रस्ताव 49/214 द्वारा, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने निर्णय लिया कि विश्व के आदिवासी लोगों के अंतरराष्ट्रीय दशक (1995-2004) के दौरान आदिवासी या स्वदेशी लोगों का अंतरराष्ट्रीय दिवस हर वर्ष 9 अगस्त को मनाया जाएगा। और, तब से हर वर्ष 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है।

आदिवासी 'आदि' और 'वासी' शब्द से मिलकर बना है। यानी, किसी भी क्षेत्र में आदि काल या शुरु से रहने वाला व्यक्ति। इसे 'आदिम' भी कहा जा सकता है। क्योंकि, 'आदिम' का अर्थ है, जो शुरु से है या पहले से है। यह आदिवासी समुदाय को समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से परिभाषित करता है। इसमें आदिवासियों को समुदाय की भाषा, संस्कृति, वंश परंपरा, निश्चित भौगोलिकता आदि से परिभाषित किया जाता है। वहीं, मानव शास्त्री आदिवासियों को वंश एवं रक्त के तत्व के आधार पर शेष मानव समुदाय से अलग करते हैं। भारत में आदिवासी समुदाय की पहचान के लिए पांच तत्वों को अनिवार्य माना गया है। इन पांच तत्वों में एक खास क्षेत्र में सिमटे रहना, अनूठी सांस्कृतिक परंपरा, आदिम प्रवृत्तियां, आर्थिक पिछड़ापन और बाहरी लोगों से मिलने में हिचकिचाहट शामिल हैं।

ऋग्वेद का एक सूत्र है 'ऋतस्य यथा प्रेत।' इसका अर्थ है प्राकृतिक नियमों के अनुसार जीएं। आदिवासी जीवन इसी दार्शनिक सूत्र पर आधारित है और वास्तव में पृथ्वी पर निवास करने वाले सभी जीवों सहित प्रत्येक मनुष्य पर यह लागू होता है। आदिवासी समुदाय प्रकृति के तत्वों को संरक्षित करते हुए व मानव जीवन से अलग जीवजगत के प्रति सह अस्तित्व का दृष्टिकोण हमेशा से अपनाता रहा है। अपने को सभ्य व विकसित समझने वाले मनुष्य आज न केवल पृथ्वी, बल्कि संपूर्ण सृष्टि के लिए खतरनाक सिद्ध हो रहे हैं। उस समय विश्व आदिवासी दिवस मनाते हुए जनजातीय समुदाय के प्रकृति प्रेम को समझना आवश्यक है। तब ही यह पृथ्वी बचेगी और हम बचेंगे। आइए, संकल्प लें कि प्रकृति के नियमों के अनुसार जीवन बिताएंगे, 'तमसो मा ज्योतिर्गमय।'

भारतीय जनजातीय समुदाय के नायक थे धरती आबा बिरसा मुंडा

धरती आबा बिरसा मुंडा न केवल भारतीय जनजातीय समुदाय के महानायक थे, बल्कि महान स्वतंत्रता सेनानी भी थे। झारखंड, बिहार, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के जनजातीय इलाकों में बिरसा मुंडा को भगवान की तरह पूजा जाता है। भगवान बिरसा का जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड (उस समय बंगाल प्रेसीडेंसी) के खूंटी जिले के अड़की प्रखंड के उलिहातू गांव में एक गरीब किसान परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम सुगना पुर्ती (मुंडा) और माता का नाम करमी पुर्ती (मुंडा) था। उनकी प्रारंभिक पढ़ाई साल्गा गांव में हुई थी। इसके बाद वे चाईबासा के गोस्नर इवेंजेलिकल लुथरन चर्च से जुड़े विद्यालय में पढ़ाई करने चले गए। धरती आबा ने 1895 में अंग्रेजों की लागू की गई जमींदारी प्रथा, राजस्व व्यवस्था के खिलाफ लड़ाई शुरू की। उन्होंने जंगल-जमीन बचाने के लिए सभी आदिवासियों को संगठित किया और फिर अंग्रेजों के खिलाफ 'उलगुलान' छेड़ दिया। इसे 'आदिवासी विद्रोह' कहा जाता है, लेकिन यह वास्तव में जनजातीय अस्मिता और संस्कृति को बचाने के लिए एक महाविद्रोह था।

20 वर्ष की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते बिरसा मुंडा वैष्णव धर्म की ओर मुड़ गए। जो आदिवासी किसी महामारी को दैवीय प्रकोप मानते थे, उनको वे महामारी से बचने के उपाय समझाते और लोग बड़े ध्यान से उन्हें सुनते और उनकी बात मानते थे। जनजातीय समुदाय के लोग उस समय हैजा, चेचक, को ईश्वर की मर्जी मानते, लेकिन बिरसा उन्हें समझाते कि चेचक-हैजा से कैसे लड़ा जाता है। वे आदिवासियों को अपने धर्म एवं संस्कृति से जुड़े रहने के लिए कहते। जनजातीय समुदाय के लोग धीरे-धीरे बिरसा मुंडा पर विश्वास करने लगे। बिरसा मुंडा आदिवासियों के भगवान हो गए और उन्हें 'धरती आबा' कहा जाने लगा। लेकिन, आदिवासी पुनरुत्थान के नायक बिरसा मुंडा अंग्रेजों से जुड़े कुछ लोगों की आंखों खटकने लगे। एक बड़ी साजिश कर 3 मार्च 1900 को बिरसा मुंडा को पकड़ लिया गया। उनके किसी अपने ने ही 500 रुपये के लालच में उनके गुप्त ठिकाने के बारे में प्रसाशन को सबकुछ बता दिया था। उनके साथ करीब 400 लोग भी पकड़े गए थे। बिरसा मुंडा पर क्रिमिनल प्रोसीजर कोड की बहुत-सी धाराओं में केस दर्ज किया गया था। पर, वे जानते थे कि उन्हें सजा नहीं होगी। 9 जून 1900 की सुबह में बंदीगृह में उन्हें उल्टियां होने लगीं। कुछ ही क्षण में वे बेहोश हो गए। डॉक्टर को बुलाया गया, उसने बताया कि बिरसा मुंडा की नब्ज नहीं चल रही थी। अंग्रेज सरकार ने कहा कि उनकी मौत हैजे से हो गई। लेकिन, लोगों का मानना है कि उन्हें विषैला पदार्थ दे दिया गया था, जिससे उनकी मृत्यु हो गई।

भारत में 10 करोड़ से ज्यादा है जनजातीय आबादी : *वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार देश में अनुसूचित जनजातियों की आबादी 10.42 करोड़ से ज्यादा है। झारखंड में आदिवासियों की आबादी 86.45 लाख से अधिक है। यहां 32 जनजातियां निवास करती हैं। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या का कुल आबादी का 8.6 प्रतिशत है। अनुसूचित जनजातियां ग्रामीण इलाकों की कुल आबादी का 11.3 प्रतिशत है। शहरी क्षेत्रों में जनजातीय आबादी का मात्र 2.8 प्रतिशत हिस्सा निवास करता है। जनगणना 2011 के अनुसार, देश में अनुसूचित जनजातियों के कुल 9,38,19,162 लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं। वहीं, 1,04,61,872 लोग शहरी क्षेत्रों में रहते हैं। 2001-2011 के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों की दशकीय वृद्धि दर कम 21.3 प्रतिशत थी। शहरी क्षेत्रों में यह 49.7 प्रतिशत थी।*

अनुसूचित जनजातियों के अधिकतम अनुपात वाले राज्य और केंद्र शासित प्रदेश

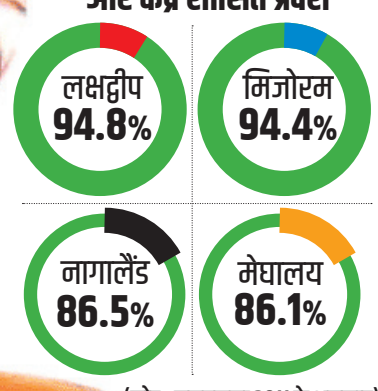

(नोट : जनगणना 2011 के अनुसार)

अनुसूचित जनजातियों के न्यूनतम अनुपात वाले राज्य और केंद्र शासित प्रदेश

उत्तर प्रदेश : **0.6 प्रतिशत**

तमिलनाडु : **1.1 प्रतिशत**

बिहार : **0.3 प्रतिशत**

केरल : **1.5 प्रतिशत**

उत्तराखंड : **2.9 प्रतिशत**

(नोट : जनगणना 2011 के अनुसार)

इन राज्यों में नहीं है अनुसूचित जनजातियों की आबादी : **पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पुडुचेरी।**
(नोट : यहां कोई अनुसूचित जनजाति अधिसूचित नहीं है।)

यहां अनुसूचित जनजाति के लोग बहुसंख्यक हैं : **झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, अंडमान-निकोबार, सिक्किम, त्रिपुरा, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, नागालैंड और असम।**

यहां अनुसूचित जनजाति के लोग अल्पसंख्यक हैं : **गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, बिहार, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल।**

कौन हैं आदिवासी

- आदिवासी प्रकृति की पूजा करते हैं। ये जंगल, पेड़, पौधों प्रेम करते हैं। इन्हें जड़ी-बूटियों और औषधियों का ज्ञान पर्याप्त ज्ञान होता है।
- इनका मुख्य हथियार तीर-धनुष है। ये शिकार में माहिर होते हैं, लेकिन इनकी जीवनशैली सादा व पारंपरिक है। पूर्वजों की परंपरा का ये आज भी पालन करते हैं।
- अपने लोगों के बीच रहना इन्हें पसंद है। अपनी भूमि, भाषा और संस्कृति से इन्हें विशेष लगाव होता है। ये पारंपरिक कला को जीवित रखे हुए हैं। गीत-संगीत से इन्हें खास प्रेम होता है।

झारखंड की अनुसूचित जनजातियों की खास बातें

- झारखंड में 32 अनुसूचितजनजातियां निवास करती हैं।
- अनुसूचित जनजाति की आबादी के हिसाब से झारखंड देश में छठे स्थान पर है। यह देश की कुल आबादी का 8.6 प्रतिशत है।
- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, झारखंड में जनजातियों की संख्या 86,45,042 है, जो राज्य की आबादी का 26.2 प्रतिशत है। इसमें आदिम जनजाति 1,92,425 हैं, जो कुल आबादी का 0.72 प्रतिशत है।
- संताल राज्य की सबसे बड़ी जनजाति है। इनकी कुल जनसंख्या 27.54 लाख है। इसके बाद उरांव की जनसंख्या 17.16 लाख है। मुंडा जनजाति की संख्या 12.29 लाख है।
- राज्य में 91.7 प्रतिशत आदिवासी आबादी आज भी गांवों में रहती है।
- झारखंड विधानसभा की 81 सीटों में 28 सीटें अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित हैं। वहीं, 14 लोकसभा में पांच सीटें इनके लिए सुरक्षित हैं।
- झारखंड की जनजातियां श्रीलंका की बेद्दा और ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों से काफी हद तक मिलती हैं।
- प्रजातीय तत्व के आधार पर झारखंड की सभी जनजातियों को 'प्रोटो-ऑस्ट्रोलॉयड' वर्ग में रखा गया है।
- अधिसंख्य जनजातीय भाषाएं आस्ट्रिक समूह की हैं। केवल उरांव जनजाति की कुड़ुख भाषा और माल पहाड़िया व सौरिया पहाड़िया की मालतो भाषा द्रविड़ समूह से संबंध रखती हैं।

1951 में अविभाजित बिहार में आदिवासियों की संख्या 36.02 प्रतिशत थी।

भारत में जनजाति समुदाय

- भारत में 500 से ज्यादा जनजातीय समूह हैं। इनमें लगभग 75 विशेष रूप से कमजोर हैं।
- 1961 की जनगणना के अनुसार, देश में अनुसूचित जनजाति की आबादी करीब 3.1 करोड़ (कुल जनसंख्या का 6.9 प्रतिशत) थी।
- 2011 की जनगणना के अनुसार, देश में अनुसूचित जनजाति की आबादी लगभग 10.45 करोड़ थी, जो कुल आबादी का लगभग 8.6 प्रतिशत है। यानी, अनुसूचित जनजाति की आबादी में 1.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

झारखंड में निवास करती हैं 32 जनजातियां

भारत में 500 से ज्यादा जनजातीय समूह हैं। वहीं, 461 अनुसूचित जनजातियां हैं। इनमें से 32 जनजातियां झारखंड में निवास करतीं हैं। इनमें 24 प्रमुख जनजातियों की श्रेणी में हैं, जबकि आठ को आदिम जनजातियों की श्रेणी में रखा गया है। आदिम जनजाति की श्रेणी में बिरहोर, कोरवा, असुर, परहिया, विरजिया, सौरिया पहाड़िया, माल पहाड़िया और सबर शामिल किए गए हैं। दो जनजातियों की आबादी 500 से भी कम है। दो की 5,000 से कम है। चार जनजातियों की आबादी पांच हजार से 10 हजार के बीच है। किसी की आबादी 10 हजार नहीं है। यहां हमें 'जनजाति' और 'अनुसूचित जनजाति' का अंतर समझ लेना चाहिए। किसी क्षेत्र के मूल निवासियों के लिए सामान्य शब्द 'आदिवासी' है। अब 'आदिवासी' के लिए 'जनजाति' शब्द का प्रयोग ज्यादा होता है। जबकि, भारत में 'अनुसूचित जनजाति' एक कानूनी और संवैधानिक शब्द है। हर राज्य और क्षेत्र में 'अनुसूचित जनजाति' में अलग-अलग जनजाति के लोग सम्मिलित किए गए हैं। 'जनजाति' के लिए 'स्वदेशी' शब्द का भी प्रयोग किया जाता है। अंग्रेजी में जनजाति के लिए 'ट्राइब' और स्वदेशी के लिए 'इंडीजेनस' शब्द का प्रयोग किया जाता है। 'इंडीजेनस' शब्द का प्रयोग व्यापक अर्थ में होता है।

विश्व में आदिवासी समुदाय

विश्व में आदिवासी समुदाय की जनसंख्या करीब 37 करोड़ है। यह विश्व की कुल जनसंख्या का पांच प्रतिशत है।

दुनिया में लगभग 5000 आदिवासी समुदाय हैं। ये आदिवासी समुदाय करीब सात हजार भाषाएं बोलते हैं।

इन राज्यों में ये प्रमुख जनजातियां हैं

राज्य - प्रमुख जनजातियां

झारखंड - संथाल, मुंडा, उरांव, हो, पहाड़िया, बिरहोर, खरिया, तमरिया आदि।
पश्चिम बंगाल - असुर, बिरहोर, मालपहाड़िया, भूमिज, लोधा, माघ, महली, लेप्चा, पोलिया आदि।
ओडिशा - खोंड, कंध, जुआंग, करिया, सवारा आदि।
मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ - भील, गोंड, बैगा, कोरवा, पहाड़ी मारिया, मुरिया, परजा, भट्टरा, दंडामी, अगरिया, सहरिया, हल्बा आदि।
उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड - थारू, भाटिया, खरवार, भुइया, कोल, मांझी, जौनसारी, भोक्शा, राजी, खासा आदि।
हिमाचल प्रदेश - गुज्जर, गद्दी, किन्नर आदि।
राजस्थान - भील, मीना, गरासिया, कथोरिया आदि।
अरुणाचल प्रदेश - मिशमी, मिरी, डफला, आका, सिंफो, अपतानी, खामती आदि।
असम - बोरा, चकमा, कचारी, मिकिर आदि।
मेघालय - गारो, जयंतिया, खासी, हमार आदि।
नगालैंड - अंगामी, लोथा, कोनयाक आदि।
मणिपुर - कुकी, मुघ, लेप्चा आदि।
त्रिपुरा - कुकी, गारो, भूटिया, चकमा आदि।
मिजोरम - मिजो, लाखेर आदि।
जम्मू और कश्मीर - बकरवाल, गद्दी आदि।
आंध्र प्रदेश और तेलंगाना - कुरुम्बा, चेंचू, बागाटा, यांडई, बगदाज, कोया, खोंड, गदाबा आदि।
केरल - कुरुम्बा, कादर, इरुला, पुलियान आदि।
तमिलनाडु - कुरुम्बा, बडगा, कोटा, टोडा आदि।
अंडमान और निकोबार - ग्रेट अंडमानी, निकोबारी, जारवा, सेंटेनेलीज, ओंगे, शोंपेन आदि।

अमेरिका से व्याख्याता का पद छोड़कर लौटे डॉ राम दयाल मुंडा झारखंड के रवींद्रनाथ टैगोर थे

सुनील बादल

अलग राज्य के लिए झारखंड आंदोलन के मध्यकाल में जब क्रांति उग्र और हिंसक रूप ले चुकी थी, तब तत्कालीन सरकारें इसे अस्वीकार करने से लेकर दबाने तक में लगीं थीं। तब बौद्धिक और बहुत हद तक सांस्कृतिक वर्ग इससे जुड़ने से बचता था। 1980 में अमेरिका के मिनेसोटा विश्वविद्यालय में भाषा विज्ञान के व्याख्याता के आकर्षक पद को छोडकर रांची आए डॉ रामदयाल मुंडा ने इसे समझा और छोटानागपुर राज परिवार के दामाद, आइएएस अधिकारी और लेखक डॉ कुमार सुरेश सिंह के सहयोग से जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग की स्थापना कराई। इसमें तत्कालीन दक्षिण बिहार की उपेक्षित नौ भाषाओं की पढ़ाई पहली बार शुरू हुई। डॉ मुंडा के नेतृत्व में डॉ बीपी केशरी, डा. गिरिधारी राम गौंझू, डॉ बीपी पिंगुआ और डॉ कुमारी बासंती जैसे विद्वानों ने इस विभाग को ऊंचाई प्रदान की। आजसू के संस्थापक सूर्य सिंह बेसरा तब विभाग के छात्र हुआ करते थे। एक पुरानी बुलेट मोटरसाइकिल में शॉर्ट कुर्ता और जींसधारी लंबे बालों वाले विलक्षण प्रतिभावान व्यक्ति डॉ मुंडा को पहचानने वाले लोग कम ही थे। राम दयाल ने जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग की स्थापना अपने अथक प्रयासों से की। तब डॉ बीपी केशरी, कुमार सुरेश सिंह, गिरिधारी राम गौंझू और डॉ कुमारी बासंती जैसे विद्वानों और संस्कृति प्रेमियों के साथ मिलकर उन्होंरने एक अलख जगाई। यह आज भी रांची विश्वविद्यालय के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग के सार्वजनिक त्योहारों सरहुल और कर्मा में देखने को मिलता है, जब सभी नौ भाषाओं के लोग पद और आर्थिक पृष्ठभूमि की चिंता किए बगैर एक अखरा में इकठ्ठा होते हैं। पहिल पिरितिया उनका प्रसिद्ध गीत है और दर्जनों बांसुरियों की मीठी तान से लोग खींचे चले आते थे। उनपर भारत सरकार के फिल्म्स डिवीजन ने नाची से बांची फिल्म बनाई है, जो उनकी विचारधारा थी। फिल्मकार मेघनाथ उन्हें झारखंड का टैगोर मानते हैं। डॉ राम दयाल मुंडा झारखंड के रवींद्रनाथ टैगोर थे। जिस तरह टैगोर ने सामाजिक-सांस्कृतिक क्रांति के लिए बिगुल बजाया था, उसी तरह डॉ मुंडा ने भारत के आदिवासी आंदोलन को आगे बढ़ाया। झारखंड में सामाजिक-सांस्कृतिक-राजनीतिक क्रांति का बिगुल फूंका। वे दो भाषाओं नागपुरी और मुंडारी में गीत लिखते थे। वे तमाड़ के पास के गांव के थे। पंचपरगनिया और कुरमाली सहित कई विदेशी भाषाओं पर उनकी पकड़ थी। 90 के दशक के अंत में भारत सरकार द्वारा बनाई गई कमेटी ऑन झारखंड मैटर के वे प्रमुख सदस्य थे। उसी दौरान उन्होंने द झारखंड मूवमेंट रेट्रोसपेक्ट एंड प्रोस्पेक्ट नामक आलेख लिखा। वे रांची विश्वविद्यालय के कुलपति और राज्य सभा के सदस्य भी रहे। 23 अगस्त 1939 को तमाड़ के दिउडी में जन्मे डॉ मुंडा की 30 सितंबर 2011 को कैंसर से असामयिक मृत्यु के साथ ही झारखंड की जनजातीय क्षेत्रीय समाज का सपना अधूरा रह गया।

देश में ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है 90 प्रतिशत आदिवासी आबादी

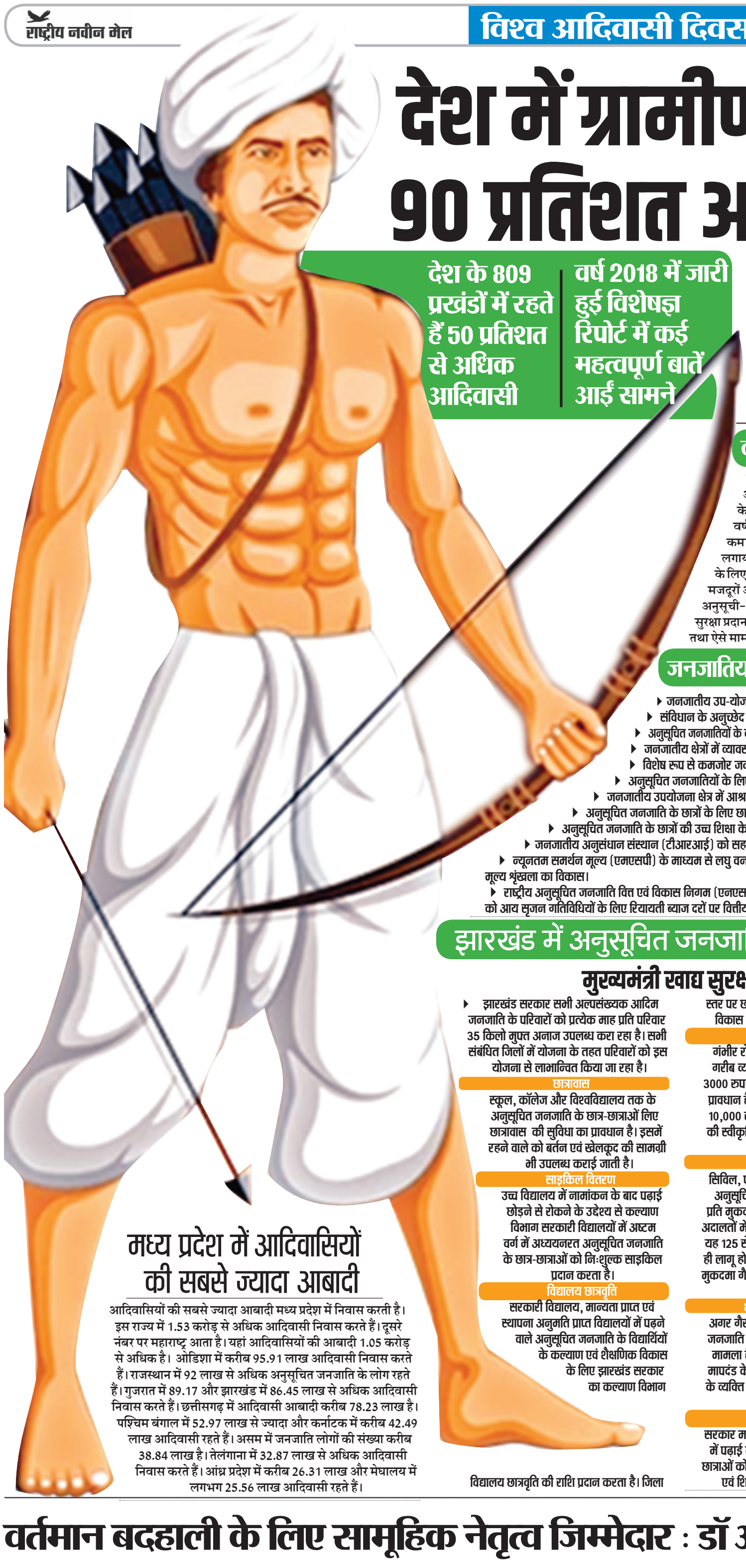

देश के 809 प्रखंडों में रहते हैं 50 प्रतिशत से अधिक आदिवासी

वर्ष 2018 में जारी हुई विशेषज्ञ रिपोर्ट में कई महत्वपूर्ण बातें आईं सामने

आदिवासी स्वास्थ्य पर वर्ष 2018 में विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट जारी की गई थी, जिसका नाम था 'भारत में आदिवासी स्वास्थ्य : अंतर को पाटना और भविष्य के लिए एक रोडमैप।' इसके अनुसार, भारत में 104 मिलियन आदिवासी रहते हैं। ये मुख्य रूप से दस राज्यों और पूर्वोत्तर में केंद्रित हैं। रिपोर्ट के अनुसार, देश की लगभग 90 प्रतिशत आदिवासी आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। देश में 90 जिले या 809 प्रखंड ऐसे हैं, जिनमें 50 प्रतिशत से अधिक आदिवासी आबादी हैं। वे देश में अनुसूचित जनजाति (एसटी) की लगभग 45 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। यानी, करीब 55 प्रतिशत आदिवासी आबादी इन 809 आदिवासी बहुल प्रखंडों से बाहर रहती है।

दो-तिहाई से अधिक आबादी प्राथमिक क्षेत्र में कर रही काम

दिसंबर 2018 की इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2011 की जनगणना के अनुसार दो-तिहाई से अधिक जनजातीय आबादी प्राथमिक क्षेत्र में काम कर रही है और वे या तो कृषक के रूप में, या कृषि मजदूर के रूप में कृषि पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं। जनजातीय लोग तेजी से कृषक से कृषि मजदूर बनते जा रहे हैं। वर्ष 2001 और 2011 की जनगणना के बीच की तुलना से पता चलता है कि कृषकों का अनुपात 10 प्रतिशत से अधिक कम हो गया है, जबकि कृषि मजदूरों का अनुपात अनुसूचित जनजाति की आबादी में 9 प्रतिशत बढ़ गया है। यह अनुमान लगाया गया है कि पिछले दशक में लगभग 3.5 मिलियन जनजातीय लोगों ने अनौपचारिक श्रम बाजार में प्रवेश करने के लिए कृषि और कृषि संबंधी गतिविधियों को छोड़ दिया है। विस्थापन और जबरन पलायन से निर्माण उद्योग में ठेका मजदूरों और प्रमुख शहरों में घरेलू कामगारों के रूप में काम करने वाले अनुसूचित जनजातियों की संख्या में वृद्धि हुई है। अनुसूची-5 के अंतर्गत संवैधानिक प्रावधान भूमि अधिग्रहण आदि के कारण जनजातीय आबादी के विस्थापन के विरुद्ध सुरक्षा प्रदान करते हैं। अनुसूचित क्षेत्र वाले राज्य के राज्यपाल को आदिवासियों से भूमि के हस्तांतरण को प्रतिबंधित करने तथा ऐसे मामलों में अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों को भूमि के आवंटन को विनियमित करने का अधिकार है।

जनजातियों के पलायन कम करने और उनके उत्थान के लिए योजनाएं

- जनजातीय उप-योजना के लिए विशेष केंद्रीय सहायता (एससीए से टीएसएस)।
- संविधान के अनुच्छेद 275 (1) के तहत सहायता अनुदान।
- अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के लिए कार्यरत स्वैच्छिक संगठनों को अनुदान सहायता योजना।
- जनजातीय क्षेत्रों में व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना
- विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) का विकास।
- अनुसूचित जनजातियों के लिए बालिकाओं एवं बालकों के छात्रावास की योजना।
- जनजातीय उपयोजना क्षेत्र में आश्रम विद्यालयों की योजना।
- अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति योजनाएं।
- अनुसूचित जनजाति के छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फेलोशिप और छात्रवृत्ति।
- जनजातीय अनुसंधान संस्थान (टीआरआई) को सहायता।
- न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के माध्यम से लघु वन उपज (एमएफपी) के विपणन के लिए तंत्र और एमएफपी के लिए मूल्य श्रृंखला का विकास।
- राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम (एनएसटीएफडीसी) अनुसूचित जनजातियों को आय सृजन गतिविधियों के लिए रियायती ब्याज दरों पर वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

कानून

- केंद्र सरकार ने कई कानून बनाए हैं, जिनमें जनजातीय लोगों के विस्थापन, पुनर्वास और पुनर्स्थापन के संबंध में विशिष्ट प्रावधान हैं।
- अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006।
- भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013।

झारखंड में अनुसूचित जनजातियों के लिए कल्याणकारी योजनाएं

मुख्यमंत्री खाद्य सुरक्षा योजना

- झारखंड सरकार सभी अल्पसंख्यक आदिम जनजाति के परिवारों को प्रत्येक माह प्रति परिवार 35 किलो मुफ्त अनाज उपलब्ध करा रहा है। सभी संबंधित जिलों में योजना के तहत परिवारों को इस योजना से लाभान्वित किया जा रहा है।

छात्रावास

स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय तक के अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं लिए छात्रावास की सुविधा का प्रावधान है। इसमें रहने वाले को बर्तन एवं खेलकूद की सामग्री भी उपलब्ध कराई जाती है।

साइकिल वितरण

उच्च विद्यालय में नामांकन के बाद पढ़ाई छोड़ने से रोकने के उद्देश्य से कल्याण विभाग सरकारी विद्यालयों में अष्टम वर्ग में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं को निःशुल्क साइकिल प्रदान करता है।

विद्यालय छात्रवृत्ति

सरकारी विद्यालय, मान्यता प्राप्त एवं स्थापना अनुमति प्राप्त विद्यालयों में पढ़ने वाले अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के कल्याण एवं शैक्षणिक विकास के लिए झारखंड सरकार का कल्याण विभाग विद्यालय छात्रवृत्ति की राशि प्रदान करता है। जिला स्तर पर छात्रवृत्ति का वितरण ग्राम शिक्षा समिति, विकास समिति के माध्यम से किया जाता है।

चिकित्सा अनुदान

गंभीर रोग से पीड़ित अनुसूचित जनजाति के गरीब व्यक्तियों के इलाज के लिए अधिकतम 3000 रुपये तक चिकित्सा सहायता राशि देने का प्रावधान है। अत्यन्त गंभीर मामले में यह राशि 10,000 रुपये तक हो सकता है। इन अनुदानों की स्वीकृति की शक्ति जिलों के उपायुक्त को दी गई है।

विधिक सहायता

सिविल, फौजदारी एवं राजस्व मुकदमों के लिए अनुसूचित जनजाति के गरीब लोगों के लिए प्रति मुकदमा पर सुनवाई के लिए अलग-अलग अदालतों में अलग-अलग दर निर्धारित की गई है। यह 125 से 1250 रुपये तक है। लेकिन, यह तब ही लागू होगा, जब एक पक्ष सरकार नहीं हो। जब मुकदमा गैर अनुसूचित जनजाति से होगा, तब भी यह लागू नहीं होगा।

शोषण एवं अत्याचार से राहत

अगर गैर अनुसूचित जनजाति द्वारा अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति पर अत्याचार या शोषण का मामला है, तो विभिन्न श्रेणियों में सरकार के मापदंड के अनुसार पीड़ित अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति को राज्य का कल्याण विभाग आर्थिक सहायता प्रदान करता है।

प्रवेशिकोत्तर छात्रवृत्ति

सरकार मान्यता प्राप्त महाविद्यालय एवं संस्थानों में पढ़ाई कर रहे अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं को पोस्ट मैट्रिक योजना के तहत छात्रवृत्ति एवं शिक्षण शुल्क का भुगतान करती है।

मध्य प्रदेश में आदिवासियों की सबसे ज्यादा आबादी

आदिवासियों की सबसे ज्यादा आबादी मध्य प्रदेश में निवास करती है। इस राज्य में 1.53 करोड़ से अधिक आदिवासी निवास करते हैं। दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र आता है। यहां आदिवासियों की आबादी 1.05 करोड़ से अधिक है। ओडिशा में करीब 95.91 लाख आदिवासी निवास करते हैं। राजस्थान में 92 लाख से अधिक अनुसूचित जनजाति के लोग रहते हैं। गुजरात में 89.17 और झारखंड में 86.45 लाख से अधिक आदिवासी निवास करते हैं। छत्तीसगढ़ में आदिवासी आबादी करीब 78.23 लाख है। पश्चिम बंगाल में 52.97 लाख से ज्यादा और कर्नाटक में करीब 42.49 लाख आदिवासी रहते हैं। असम में जनजाति लोगों की संख्या करीब 38.84 लाख है। तेलंगाना में 32.87 लाख से अधिक आदिवासी निवास करते हैं। आंध्र प्रदेश में करीब 26.31 लाख और मेघालय में लगभग 25.56 लाख आदिवासी रहते हैं।

वर्तमान बदहाली के लिए सामूहिक नेतृत्व जिम्मेदार : डॉ अरुण उरांव

रांची। मृदुभाषी डॉ अरुण उरांव के पिता बंदी उरांव बिहार सरकार के मंत्री रहे और झारखंड के आदिवासियों के हितों के लिए आवाज उठाते रहे। अपने पिता की ही तरह ये भी आइपीएस अधिकारी रहे, झारखंड में भी एसपी रहे। पंजाब में आईजी पद से स्वैच्छिक सेवा निवृति ली। अरुण उरांव पेशे से डॉक्टर हैं, जो प्रधानमंत्री की मेडिकल टीम के सदस्य रहे। अभी पूरी तन्मयता से रात्रि पाठशालाओं का बड़ी संख्या में संचालन कर रहे हैं। संप्रति कोल इंडिया के निदेशक हैं। राष्ट्रीय नवीन मेल के कार्यकारी संपादक **सुनील बादल** ने उनसे बातचीत की। प्रस्तुत हैं बातचीत के प्रमुख अंश-

प्रश्न : 24 साल का झारखंड कहां है?

उत्तर (डॉ अरुण उरांव) : जिन उम्मीदों से झारखंडियों ने इसका सृजन किया था, आज भी उससे बहुत दूर हैं। रोजगार, पलायन के सवाल या विस्थापन रोकने और खेती की खुशहाली जो मिलनी थी, उससे निम्नवर्ग अभी भी दूर है। एकमात्र फसल धान कटने के बाद सदियों से काम के लिए गांव के गांव बाहर निकल जाते थे, यह आज भी जारी है।

प्रश्न : इसका कारण आप क्या मानते हैं?

उत्तर : इसका सबसे बड़ा कारण नेतृत्व की असफलता है, जो किसी मुख्यमंत्री की नहीं, सभी जनप्रतिनिधियों की अक्षमता के कारण है। छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड इसके साथ ही अस्तित्व में आए थे। दोनों कहां पहुंच गए। अभी हम छोटे स्वार्थों में ही उलझे हुए हैं। अभी भी लोगों को आस है कि स्पष्ट और ईमानदार सोच वाले लोग आएं और राज्य को सही दिशा में गति मिले।

प्रश्न : बाबूलाल जी ने एक शुरुआत की थी, आपका आकलन?

उत्तर : उन्हें समय बहुत कम मिला। आंकड़े हैं, जो बताते हैं कि उन्होंने सड़क, पुल-पुलिया जैसी बुनियादी आधारभूत ढांचा पर काम किया। काम सही दिशा

में चल भी रहा था। अगर अपना कार्यकाल निर्बाध पूरा कर पाते, तो बहुत कुछ कर सकते थे।

प्रश्न : पहले बिहार को दोषी मानते थे। अब तो झारखंडियों का राजपाट है, तब भाषा-संस्कृति तक की कमी क्यों?

उत्तर : विडंबना है कि ज्यादातर मुख्यमंत्री आदिवासी ही रहे, पर टीम के कैप्टेन की तरह काम नहीं हुआ। सामूहिक नेतृत्व को योग्य नौकरशाही से ईमानदारी से काम लेना चाहिए था। पर, इस मानसिकता से काम हुआ कि योजनाओं से चार पैसा मुझे भी मिल जाए, जिससे ईमानदार अधिकारी हतोत्साहित हुए। कुछ विभागों में जरूर अच्छा काम हुआ, जैसे सड़क। खास तौर पर ग्रामीण सड़कों ने झारखंड की जीवनरेखा की तरह काम किया। लोग इलाज से लेकर अनाज-सब्जी की बिक्री के लिए शहरों के बाजार तक ऑटो से आसानी से पहुंच जा रहे हैं। पर, जिस पर फोकस करना था, किसानों पर, वह सबसे उपेक्षित और भ्रष्टाचार का शिकार है। सिंचाई की कुछ योजनाएं अच्छी थीं, जैसे डोभा निर्माण। इससे सिंचाई के साधन और भूगर्भ जल की समस्या दूर हो सकती थी। पर, सबसे अधिक पलायन किसान कर रहे हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। रांची के निकट नगड़ी में कभी एक समुदाय विशेष के लोग ही खेती करते थे, पर आज सिंचाई के साधन मिलने से आदिवासी सहित सभी लोग अच्छी खेती कर रहे हैं।

प्रश्न : आप स्वयं पुलिस के उच्चाधिकारी रहे हैं। माओवाद जैसी गतिविधियों में आदिवासियों के जुड़ाव को किस रूप में देखते हैं?

उत्तर : शुरुआती दिनों में इससे पढे-लिखे लोग भी जुड़े, यह सोचकर कि हमारे पूर्वज भी भूखे-नंगे रहे और अभी भी व्यवस्था उन्हीं पूंजीपतियों के हाथों में है। युवा जो बेरोजगार थे, दो-तीन हजार रुपये में बंदूक ढोने पर राजी हो गए, क्योंकि उन्हें बंदूक की ताकत का अंदाजा हो गया था। बाद में उन्हें अहसास हुआ कि उन्हें छला गया है। और, पुलिस या प्रशासन भले भ्रष्ट हो, पर ऊपर के अधिकारियों तक बात पहुंचाने के रास्ते खुले थे, जबकि माओवादी निरंकुशता से काम करते थे। सरेंडर पॉलिसी भी अच्छी आई और पारामिलिट्री, कोबरा बटालियन जैसे संगठनों ने उनकी कमर तोड़ दी और अब वे अपने अस्तित्व की अंतिम लड़ाई लड़ रहे हैं।

प्रश्न : होना क्या चाहिए, आप को अवसर मिले तो क्या करेंगे?

उत्तर : झारखंड में शिक्षा और स्वास्थ्य पर विशेष काम करने की आवश्यकता है। सरकारी स्कूलों का यह हाल है कि स्नातक एक आवेदन पत्र ठीक से लिख नहीं पाता। प्राथमिक कक्षाओं की पढ़ाई का स्तर भी बहुत खराब है। मैंने पंजाब में देखा है कि चंडीगढ़ के सरकारी स्कूलों की पढ़ाई किसी भी निजी स्कूल से बेहतर थी, जिसमें बड़े-बड़े प्रशासनिक अधिकारी भी अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए प्रयासरत रहते थे। यहां प्रखंडों में बिचौलियों की फौज खड़ी रहती है, जो लोगों से अंगूठा लगवाकर योजनाओं का काम कराती है और आधे पैसे आपस में बांट लिए जाते हैं। इसी प्रकार, सरकारी स्वास्थ्य सेवा बदहाल है। इससे माताएं शारीरिक ही नहीं, मानसिक रूप से कमजोर बच्चों को जन्म दे रही हैं, जिससे अगली पीढ़ी तक बर्बाद हो रही है। अंधविश्वास के मूल में भी यही है और नशाखोरी के भी, क्योंकि यहां के सरकारी स्कूलों में पढ़कर बच्चे उन लोगों से मुकाबला नहीं कर पाते और बाहरी लोगों की नियुक्ति सरकारी पदों पर होती है।

भारतीय संविधान में अनुसूचित जनजातियों के लिए हैं खास प्रावधान

भारतीय संविधान में अनुसूचित जनजातियों के संरक्षण और कल्याण के लिए कई प्रावधान किए गए हैं। शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण का प्रावधान अनुच्छेद 15 (4) में किया गया है। पदों एवं सेवाओं में आरक्षण का प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 16 (4), 16 (4क) और 16 (4ख) में है। अनुच्छेद 46 में शैक्षणिक और आर्थिक हितों का प्रावधान है। ये सभी प्रावधान अनुसूचित जनजातियों के अलावे अन्य वंचित वर्गों पर भी लागू हैं। इसके अतिरिक्त, अन्य क्षेत्रों में भी अनुसूचित जनजातियों के हितों एवं अधिकारों को संरक्षण के लिए भारतीय संविधान में प्रावधान किए गए हैं।

अन्य प्रावधान

- **अनुच्छेद 164 (1) :** यह अनुच्छेद उपबंध करता है कि झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा और मध्य प्रदेश में जनजातियों के कल्याण के लिए एक मंत्री होगा, जो अनुसूचित जातियों और पिछड़े वर्गों के कल्याण का या किसी अन्य कार्य का भी इंचार्ज हो सकेगा।
- **अनुच्छेद 243 (घ) :** यह अनुच्छेद पंचायतों में अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटों के आरक्षण का उपबंध करता है।
- **अनुच्छेद 330 :** यह अनुच्छेद लोकसभा में अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटों के आरक्षण का उपबंध करता है।
- **अनुच्छेद 332 :** यह अनुच्छेद विधानसभाओं में अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटों के आरक्षण का उपबंध करता है।

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | श्रावण शुक्ल पक्ष 05, संवत 2081 | रांची, शुक्रवार, 09 अगस्त 2024, वर्ष-25, अंक- 188, पृष्ठ-16 ₹3.00 रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

विश्व आदिवासी दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

एक नजर

प. बंगाल के पूर्व सीएम बुद्धदेव का निधन पीएम ने जताया शोक

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य का

गुरुवार को सुबह 8:20 बजे 80 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने अपने आवास पर अंतिम सांस ली। वे पिछले लंबे समय से विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य दुश्वारियों से जूझ रहे थे। चिकित्सक उनके उपचार में जुटे थे। स्वास्थ्य की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए जुलाई में उन्हें अस्पताल में भी भर्ती करवाया गया था। पीएम ने उनकी मौत पर शोक जताया।

ईडी का सहायक निदेशक 20 लाख घूस लेते गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली के लाजपत नगर इलाके से घूस लेते हुए प्रवर्तन निदेशलय (ईडी) के एक सहायक निदेशक संदीप सिंह यादव को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने गुरुवार को यह जानकारी दी। सीबीआई ने कहा है कि सहायक निदेशक संदीप सिंह यादव को एक ज्वेलर्स के बेटे से 20 लाख रुपये लेते हुए मौके पर रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई के मुताबिक ज्वेलर्स के खिलाफ ईडी ने एक मामला दर्ज किया था। उस मामले में बचाव के एवज में घूस की राशि ली जा रही थी। सीबीआई इस गिरफ्तार ईडी के सहायक निदेशक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करेगी।

हॉकी में भारत ने फिर किया कमाल, स्पेन को हरा कांस्य जीता

एजेंसी

पेरिस। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कमाल कर दिया है और टोक्यो के बाद पेरिस ओलंपिक में भी अपना परचम लहराते हुए कांस्य पदक जीत लिया है। भारतीय हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक में जर्मनी को मात देकर कांस्य पदक जीता था। इस बार स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक जीता। यह ओलंपिक के इतिहास में भारतीय पुरुष हॉकी टीम का 13वां पदक था। टोक्यो ओलंपिक ने भारतीय हॉकी की कहानी बदलकर रख दी है। इस ओलंपिक से पहले भारतीय पुरुष हॉकी टीम 2016 के रियो ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी। 2012 में लंदन में हुए ओलंपिक खेलों में हॉकी टीम ने क्वालीफाई किया, लेकिन ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई। भारतीय हॉकी टीम के लिए सबसे खराब पल 2008 में हुई बीजिंग ओलंपिक में आया, जब यह टीम क्वालीफाई तक नहीं कर पाई। इससे पहले भारत ने हॉकी में मास्को में ओलंपिक खेलों में गोल्ड मेडल जीता था। यह मेडल 1980 में जीता था। इसके बाद भारत को 41 साल तक मेडल का इंतजार करना पड़ा। टोक्यो में मेडल का यह सूखा समाप्त होने के बाद पेरिस में भी एक बार फिर कांस्य पदक जीतकर भारतीय हॉकी टीम पदक की गाड़ी पर सवार हो गई है।

विनेश ने लिया संन्यास, ताऊ महाबीर बोले फैसला वापस लेने को मना लेंगे

चरखी दादरी। भारत की महिला पहलवान विनेश फोगाट ने बुधवार को महज सौ ग्राम से ओवर वेट होने के कारण 50 किग्रा फाइनल मुकाबले से डिस्क्वालिफाई होने के बाद कुश्ती से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। इससे भारतीय खेल प्रेमी काफी निराश हुए। वहीं विनेश के ताऊ और द्रोणाचार्य अवार्डी महावीर फोगाट ने गुरुवार को कहा कि जब वह घर आएगी तो हम उसे संन्यास वापस लेने के लिए समझाएंगे। उम्मीद है वह हमारी बात मान जाएगी। महावीर फोगाट ने कहा कि जब कोई खिलाड़ी देश के लिए खेलता है, तो वह देश के लिए मेडल जीतना चाहता है। विनेश भी इसी मानसिकता के साथ पेरिस ओलंपिक में गई थीं। जब वजन ज्यादा होने के कारण उन्हें फाइनल की दौड़ से बाहर होना पड़ा, तो स्वाभाविक है कि किसी का भी मन टूट जाता है। वैसे ही मनोस्थिति में विनेश ने संन्यास की घोषणा कर दी।

विपक्ष के विरोध के बीच वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक पेश

जेडीयू-टीडीपी ने किया वक्फ बिल का समर्थन, बिल को जेपीसी में भेजा जाएगा

बिल किसी धर्म के खिलाफ नहीं है, संविधान के किसी अनुच्छेद का उल्लंघन नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। विपक्षी दलों के भारी विरोध के बीच सरकार ने गुरुवार को लोकसभा में 'वक्फ (संशोधन) विधेयक-2024' और 'मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक-2024' को पेश कर दिया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा नाम पुकारे जाने पर अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू जब सदन में 'वक्फ (संशोधन) विधेयक-2024' को पेश करने के लिए खड़े हुए तो राहुल गांधी और अखिलेश यादव सहित पूरा विपक्ष विरोध में सदन में खड़े हो गए। विपक्षी दलों की तरफ से बोलते हुए कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल एवं इमरान मसूद, सपा से अखिलेश यादव एवं मोहिब्बुल्लाह, टीएमसी से सुदीप बंदोपाध्याय, एनसीपी (शरद पवार) से सुप्रिया सुले और एआईएमआईएम से असदुद्दीन ओवैसी के अलावा डीएमके, आईयूएमएल, सीपीआई, सीपीआई (एम), आरएसपी, वीसीके सहित अन्य कई विपक्षी दलों के सांसदों ने इसे संविधान और मुसलमान विरोधी बताते हुए इसे पेश करने का विरोध किया। वहीं, एनडीए से जेडीयू, टीडीपी और शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) ने सरकार का साथ देते हुए इस बिल का समर्थन किया।

राम जी कर रहे सबका कल्याण

-कृष्णमोहन सिंह

नई दिल्ली। लोकसभा में केंद्र सरकार ने वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक पेश किया। इस पर चर्चा के दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बिल का विरोध करते हुए इशारों-इशारों में अयोध्या के विवादित बाबरी केस का मुद्दा भी उठा दिया। उन्होंने कहा- 'यह बिल बहुत सोची समझी रणनीति के तहत लाया जा रहा है। वक्फ बोर्ड में गैर मुस्लिम को शामिल करने का औचित्य क्या बनता है? इतिहास के पन्नों को यदि हम पलटे तो देखेंगे कि यूपी के एक जिलाधिकारी को इतना अधिकार दे दिया गया, जिसकी वजह से आने वाली पीढ़ी को भी भुगतना पड़ा। मैं सदन में उन जिलाधिकारी का नाम नहीं लेना चाहता हूं।' अखिलेश यादव ने लोकसभा में उस जिलाधिकारी का नाम तो नहीं लिया, लेकिन जानने वाले व राजनेता जान ही गये कि उन्होंने अयोध्या के बाबरी मुद्दे पर चर्चा की है।

शेष पेज 11 पर

भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में नहीं किया बदलाव

6.5 प्रतिशत पर रखा बरकरार

रेपो रेट	• जिस ब्याज पर आरबीआई बैंकों को लोन देता है
रिवर्स रेपो रेट	• जिस ब्याज पर आरबीआई बैंकों से लोन लेता है

एजेंसी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) के फैसलों का ऐलान किया है। एमपीसी ने रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। दास ने कहा कि महंगाई 5 प्रतिशत से अधिक होने के कारण एमपीसी ने 4:2 के बहुमत से रेपो रेट में बदलाव नहीं करने का फैसला किया है। हमारा लक्ष्य महंगाई को 4 प्रतिशत के नीचे लाना है। उन्होंने आगे कहा कि महंगाई अप्रैल और मई में 4.8 प्रतिशत थी, लेकिन खाद्य उत्पादों की कीमतें उच्च स्तर पर होने के कारण जून में यह 5.1 प्रतिशत पर आ गई। कीमतों में स्थिरता लाए बिना विकास ज्यादा समय तक टिक नहीं सकता। इस कारण हमने कीमतों को कम करने का रुख जारी रखा है। गवर्नर ने आगे कहा कि देश में महंगाई तीसरी तिमाही में कम होने की उम्मीद है। घरेलू स्तर पर ग्रोथ बनी हुई है।

शेष पेज 11 पर

मुख्य कार्यक्रम

9 अगस्त 2024

शुभारंभ समारोह

अपराह्न 12:10 से 06:45 तक

- रीझ-रंग शोभा यात्रा
- मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों का आगमन
- आदिवासी दिव्यांग बच्चों द्वारा परिधान प्रदर्शन
- मिजोरम, आसामी, छत्तीसगढ़ और ओड़िशा का आदिवासी नृत्य
- छात्रों द्वारा चारित्रिक गुणों पर आधारित नाटक
- अखड़ा दर्शन 8 जनजातियों का गीत नृत्य
- पद्मश्री मुकुंद नायक द्वारा नागपुरी गीत नृत्य
- संथाली बैंड की प्रस्तुति
- लोक कला वाद्ययंत्र एवं परिधान की प्रस्तुति

10 अगस्त 2024

सांस्कृतिक कार्यक्रम

पूर्वाह्न 11:00 बजे से 03:30 तक

- आधुनिक नागपुरी और कुड़ुख गीत
- त्रिपुरा, मिजोरम, झारखण्ड, महाराष्ट्र, आसामी, उत्तर प्रदेश और राजस्थानी आदिवासी नृत्य की प्रस्तुति
- झारखण्ड का आदिवासी पांता झूमर नृत्य
- आधुनिक नागपुरी गीत
- पद्मश्री मधुमंसूरी का गायन
- छात्र - छात्राओं द्वारा आरोहण गीत की प्रस्तुति
- झारखण्ड रंगारंग महोत्सव
- मानभूम छउ नृत्य

समापन समारोह

सांय 05:00 बजे से 07:30 तक

- मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों का आगमन
- आसाम बैंड की प्रस्तुति
- "फ्लेम ऑफ दी फारेस्ट" वादन कार्यक्रम
- आदिवासी परिधान प्रदर्शन प्रस्तुति
- लेजर एवं फायर शो (VFX)

PR No. 332321 (IPRD) 2024-25

झारखण्ड सरकार

झारखण्ड आदिवासी महोत्सव 2024

9 एवं 10 अगस्त 2024

बिरसा मुण्डा स्मृति उद्यान, रांची

आप सभी इस महोत्सव में सादर आमंत्रित हैं

कार्यक्रम स्थल

हेमन्त सोरेन

मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

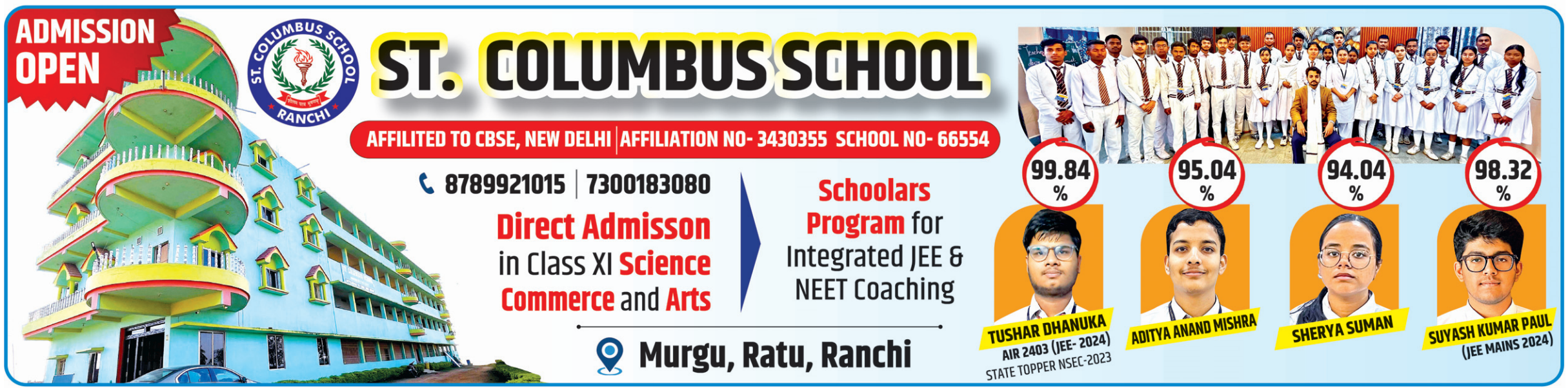

एक नजर

जियाडा के पीसीसी की बैठक 9 प्रोजेक्ट्स को मिली स्वीकृति

रांची। जियाडा के पीसीसी की बैठक गुरुवार को जियाडा भवन में क्षेत्रीय निदेशक सुधीर कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में 11 नए प्रोजेक्ट के लिए प्रस्तुत किए गए आवेदनों पर विचार करते हुए 9 प्रोजेक्ट्स के आवेदनों को स्वीकृति प्रदान की गई। 2 प्रोजेक्ट के आवेदकों की अनुपस्थिति के कारण उन्हें होल्ड पर रखा गया है। स्वीकृत किए गए प्रोजेक्ट्स सहेर, टाटीसिलवे, गेतलसूद, बरही, तुपुदाना इंडस्ट्रीयल एरिया में लगाए जाएंगे। बैठक में चैंबर के अध्यक्ष किशोर मंत्री शामिल हुए। उन्होंने कहा कि बैठक में प्रस्तुत किए गए आवेदन महत्वपूर्ण हैं। स्वीकृत प्रोजेक्ट्स में मुख्यतःस्टोरेज ऑफ ऑक्सीजन सिलेंडर्स, सेल ऑफ स्पेयर पार्ट्स ऑफ ऑटोमोबाइल से जुड़े हैं।

शहीद निर्मल महतो की प्रतिमा पर किया गया माल्यार्पण

सिल्ली। जेबीकेएसएस/ जेएलकेएम के द्वारा सिल्ली विधानसभा में शहीद निर्मल महतो के शहादत दिवस पर झारखंड मोड़ स्थित उनके आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। मौके पर रांची जिला महामंत्री नीतिश कुमार महतो ने कहा निर्मल महतो का त्याग, बलिदान एवं संघर्ष सदियों तक याद रखे जाएंगे। उनके प्रयास से ही झारखंड में सूदखोरों के खिलाफ आंदोलन चलाए गए थे। संयुक्त बिहार से झारखंड राज्य अलग हुआ और सूदखोरों एवं सामंतों से ग्रामीणों को राहत मिली है तो इसमें इनकी मुहिम का असर है। मौके पर युवा मोर्चा के वरीय उपाध्यक्ष विनोद कुम्हार एवं सक्रिय सदस्य रमेश मुंडा, संजय महतो, गुहीराम स्वासी, चांडीचरण मांझी आदि शामिल हुए।

मंईयां सम्मान योजना शिविर का डीसी ने किया निरीक्षण

दस्तावेज में किसी तरह की कमी हो तो आवेदक को बताएं : डीसी

नवीन मेल संवाददाता। रांची झारखंड मुख्यमन्त्री मंईयां सम्मान योजना को लेकर रांची जिला के विभिन्न पंचायत/वार्ड एवं आंगनबाड़ी में सुबह 8:00 बजे से रात 08:00 तक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। 08 अगस्त को उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने नामकुम प्रखंड के खिजरी पंचायत भवन, प्रज्ञा केंद्र नामकुम, ललखटंगा, रांची शहरी क्षेत्र के वार्ड संख्या 49, 45, दर्जी मोहल्ला, सेठ सीता राम विद्यालय डोरंडा, बिहार क्लब में आयोजित शिविरों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने योजना अंतर्गत आवेदन प्राप्त करने और पोर्टल में अपलोड करने की प्रक्रिया का बारीकी से जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने वीएलई के पास जाकर आवेदन पोर्टल में अपलोड करने की प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि आज से योजना अंतर्गत आवेदन की प्रक्रिया को और आसान कर दिया गया है, अब ऑफलाइन आवेदन प्राप्त किये जा रहे हैं। योजना के लाभ के लिए अब सिर्फ 4 दस्तावेज की आवश्यकता है। एक पासपोर्ट साईज फोटो, आधार, बैंक पासबुक और राशन कार्ड की छायाप्रति की जरूरत है। राशन कार्ड में नाम नहीं होने पर आवेदिका के पिता/पति का राशन कार्ड मान्य होगा। उन्होंने बताया कि अब वोटर क्ळ की जरूरत नहीं है।

हिंडालको मुरी फुटबॉल प्रीमियर लीग का हुआ उद्घाटन

सिल्ली/मुरी। हिंडालको मुरी फुटबॉल मैदान में गुरुवार को हिंडालको मुरी फुटबॉल प्रीमियर लीग का भव्य उद्घाटन किया। इस आयोजन का शुभारंभ कंपनी के बिजनेस हेड सौरभ खेड़ेकर ने किया। इस लीग में कुल 11 टीमों ने हिस्सा लिया है। उद्घाटन समारोह से पूर्व खेडेकर ने सभी खिलाड़ियों का परिचय लिया और प्रत्येक टीम के उत्साहवर्धन के लिए प्रेरणादायक शब्द से संबोधित किया। इस मौके पर प्लांट हेड रोहित चौरसिया, एचआर हेड अरुण राय और सैकड़ों दर्शक भी मौजूद थे। खेड़ेकर ने इस लीग के आयोजन को हिंडालको के कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक अवसर बताया। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता न केवल खेल के प्रति उत्साह को बढ़ावा देगी, बल्कि टीम स्पिरिट और एकता को भी प्रोत्साहित करेगी। इस लीग का आयोजन कंपनी की खेलकूद और सामुदायिक गतिविधियों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सभी टीमों ने अपनी पूरी ताकत के साथ खेल का उम्दा प्रदर्शन किया और दर्शकों ने भी पूरे उत्साह के साथ मैचों का आनंद लिया। हिंडालको मुरी फुटबॉल प्रीमियर लीग के सफल आयोजन की उम्मीद के साथ, हम सभी टीमों को शुभकामनाएं देते हैं और खेल के माध्यम से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित करने की आशा करते हैं।

न्यूज बॉक्स

आजसू पार्टी ने निर्मल महतो को दी श्रद्धांजलि

सिल्ली /मुरी। निर्मल महतो शहादत दिवस पर सिल्ली स्थित निर्मल महतो की आदमकद प्रतिमा पर आजसू पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव जयपाल सिंह ने कहा कि शोषणविहीन समाज का निर्माण और राज्यवासियों को समान अवसर दिलाने के लिए जीवनपर्यंत संघर्ष करने वाले निर्मल महतो के मूल्यों की रक्षा करते हुए उनके सपनों का झारखंड बनाना होगा। उनके साहस से राज्य के युवाओं को प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। निर्मल दा हमारी सोच और संकल्प को ऊर्जा प्रदान करते हैं। निर्मल दा हम सभी के प्रेरणास्रोतह हैं।

पूर्व मंत्री ददई दुबे ने डीजीपी से की मुलाकात

रांची। पूर्व मंत्री ददई दुबे व कांग्रेस के जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष सह वरीय नेता रमेश पांडेय ने पुलिस मुख्यालय में डीजीपी अनुराग गुप्ता से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान ददई दुबे व रमेश पांडे ने डीजीपी से राज्य में बढ़ते अपराध को लेकर ठोस कदम उठाने की बात कही। उन्होंने कहा कि जिस तरह से राज्य में अपराधियों द्वारा आए दिन घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। पुलिस की सतर्कता से अपराध पर काबू पाया जा सकता है। रमेश पांडे ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में एंटी क्राइम चेकिंग व पुलिस पेट्रोलिंग करने की बात कही।

शिव भक्तों का जत्था देवघर रवाना

सिल्ली। गुरुवार को सिल्ली प्रखंड के विभिन्न गांवों के शिव भक्त मुरी रेलवे स्टेशन पर इकट्ठा हुए व रेल मार्ग से देवघर के लिए रवाना हुए। भक्तों ने बताया कि वे सबसे पहले सुल्तानगंज जाएंगे और वहां से गंगा नदी स्नान ध्यान कर जल लेकर डाक बम के रूप में बाबा धाम जाकर बाबा भोले को जलाभिषेक करेंगे। जत्था में लखीराम मांझी, बबलू साव, नवीन कुमार महतो , सचिन महतो, सुनील नायक, मंटू महतो, विष्णु प्रजापति, दीपक महतो, चरकू महतो, कुंजू महतो, दिनेश महतो, प्रदुम महतो, विमल महतो, आकाश साव, रिंकू साव, रवि साव, केशव महतो, कालीचरण महतो शामिल रहे।

पढ़-लिखकर खूंटी का नाम रोशन करें विद्यार्थी : ज्योति कुमारी

खूंटी। खूंटी प्रखंड कार्यालय परिसर मे गुरुवार को प्रखंड स्तरीय साइकिल वितरण समारोह का आयोजन किया गया। खूंटी प्रखंड को मिली 279 साइकिलों में से उच्च विद्यालय अनिगाड़ा के छात्र-छात्राओं को 124 साइकिलें दी गई। मध्य विद्यालय चालम को 25, मध्य विद्यालय उलीडीह को चार, मध्य विद्यालय खटंगा को 11, मध्य विद्यालय रेवा को 15, मॉडल स्कूल खूंटी के विद्यार्थियों को 22 साइकिलें दी गई। साइकिल वितरण समारोह में प्रखंड विकास पदाधिकारी खूंटी ज्योति कुमारी,प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी धीरेंद्र कुमार, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी खूंटी राजन कुमार, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी खूंटी अजय कुमार राम आदि उपस्थित थे।

अनुशासनहीनता भी एक प्रकार का नशा सफलता का है बाधक : सिस्टर जयंती

नवीन मेल संवाददाता। खलारी उसुलाईन कान्वेंट स्कूल खलारी में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कक्षा नौ व दस के विद्यार्थी शामिल हुए। ब्रह्माकुमारी संस्था की ओर से प्रीति दीदी तथा उनके सहयोगियों ने बच्चों को हर तरह के नशा से दूर रहने और उससे होने वाले शारीरिक, मानसिक व आर्थिक दुष्प्रभावों और उसके समाधान के बारे में विस्तार से चर्चा किया। विद्यार्थियों को नशा मुक्त रहने के लिए शपथ दिलाया गया।इसके अतिरिक्त बच्चों की एकाग्रता को बढ़ाने के लिए ध्यान कराया गया तथा इसे प्रतिदिन सुबह शाम करने की सलाह दी गई। उन्होंने बताया कि आत्मा के तीन रूप होते हैं, मन, बुद्धि तथा संस्कार। मन सोचता है, बुद्धि निर्णय लेता है तथा जिस प्रकार मन और बुद्धि कार्य करता है संस्कार भी उसी तरह हो जाते हैं। बताया कि आत्मा के सात गुण होते हैं जो सुख, शांति, पवित्रता, प्रेम, आनंद, ज्ञान और संतुष्टि है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने अंदर की नकारात्मक सोच को निकाल कर नई और सकारात्मक सोच भरने की सलाह और प्रक्रिया बताई। इसके बाद उन्होंने सभी शिक्षक - शिक्षिकाओं को रक्षा सूत्र बांधा और उपहार के रूप में अपने जीवन से एक बुराई त्यागने और एक अच्छाई अपनाने का वचन लिया। विद्यालय की प्राचार्या सिस्टर जयन्ती ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए कहा कि अनुशासनहीनता भी एक प्रकार का नशा है जो हमारे शरीर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है और हमारी सफलता का बहुत बड़ा बाधक है।

समाहरणालय संवर्ग धरना स्थल पर मानयेंगे विश्व आदिवासी दिवस

रांची। झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ समाहरणालय संवर्ग के प्रदेश संयुक्त सचिव मोजाहिदुल इस्लाम ने कहा कि झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ समाहरणालय संवर्ग अपनी नौ सूत्री मांगों को लेकर विगत 22 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल में है। सरकार ने बातचीत के लिए अबतक कोई सकारात्मक पहल नहीं की है। 09 अगस्त को सभी जिला के कर्मी धरना स्थल पर विश्व आदिवासी दिवस मानयेंगे। इस आशय का पत्र प्रदेश महासचिव वीरेंद्र कुमार यादव एवं राज्याध्यक्ष राजेश रंजन दुबे ने संघ के सभी जिला अध्यक्ष एवं जिला सचिव को निर्गत किया है। इस पत्र में विश्व आदिवासी दिवस धरना स्थल पर ही मनाने का निर्देश दिया गया है।

भाजपा जितना वादा करती है उससे ज्यादा करती है : डॉ नीरा यादव

रांची/ कोडरमा। भाजपा जितना वादा करती है उससे ज्यादा करती है परंतु हेमन्त सरकार सिर्फ सत्ता के लिए लालच देकर पलटना इनकी आदत है। कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव ने गुरुवार को भाजपा महिला मोर्चा के धरना प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए उक्त बातें कही। कोडरमा विधायक सह पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ नीरा यादव के नेतृत्व में समाहरणालय के समक्ष दोपहर में झारखंड सरकार के खिलाफ महिला आक्रोश प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। रैली कोडरमा हनुमान मंदिर से पैदल मार्च करते हुए समाहरणालय कोडरमा के समक्ष पहुंची जो कि वहां सभा में तब्दील हो गई। रैली में भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री सीमा सिंह उपस्थित रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यक्रम संयोजक सुनीति सेठ एवं मंच संचालन महिला मोर्चा जिला महामंत्री सबिता कुमारी ने किया। कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव ने सभा के संबोधन में कहा अपने हक, अधिकारों, सुरक्षा के लिए झारखंड सरकार के खिलाफ आवाज को बुलन्द करने की आवश्यकता है। हम महिलाएं एक चट्टानी एकता के साथ झूठ फरेब छलावा और धोखे वाली सरकार को विधानसभा चुनाव में उखाड़ फेंकेंगे।

समाहरणालय संवर्ग धरना स्थल पर मानयेंगे विश्व आदिवासी दिवस

रांची। झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ समाहरणालय संवर्ग के प्रदेश संयुक्त सचिव मोजाहिदुल इस्लाम ने कहा कि झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ समाहरणालय संवर्ग अपनी नौ सूत्री मांगों को लेकर विगत 22 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल में है। सरकार ने बातचीत के लिए अबतक कोई सकारात्मक पहल नहीं की है। 09 अगस्त को सभी जिला के कर्मी धरना स्थल पर विश्व आदिवासी दिवस मानयेंगे। इस आशय का पत्र प्रदेश महासचिव वीरेंद्र कुमार यादव एवं राज्याध्यक्ष राजेश रंजन दुबे ने संघ के सभी जिला अध्यक्ष एवं जिला सचिव को निर्गत किया है। इस पत्र में विश्व आदिवासी दिवस धरना स्थल पर ही मनाने का निर्देश दिया गया है।

समय पर कार्य नहीं करने वाले ठेकेदारों को ब्लैक लिस्ट में डालें : नीलकंठ सिंह मुंडा

नवीन मेल संवाददाता। खूंटी झारखंड विधानसभा की लोक लेखा समिति अपने दो दिवसीय दौरे पर गुरुवार को खूंटी पहुंची। लोक लेखा समिति के सभापति और खूंटी के विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा की अध्यक्षता में परिसदन भवन के सभागार में सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारियों के साथ हुई बैठक में उपायुक्त लोकेश मिश्रा द्वारा झारखण्ड विधानसभा की लोक लेखा समिति के सभापति और सदस्यों का स्वागत किया। बैठक की कार्रवाई प्रारंभ करते हुए सभापति मुंडा ने विभागों द्वारा संचालित कार्यों और योजनाओं की गहन समीक्षा की और प्राप्त अद्यतन प्रगति प्रतिवेदन के आधार पर विभागीय पदाधिकारियों से जानकारी ली तथा आवश्यक सुझाव और निर्देश दिये। बैठक में मुख्य रूप से वन विभाग, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पथ निर्माण विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, नगर पंचायत, कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, भूमि संरक्षण समेत अन्य विभागों की समीक्षा की गई। वन विभाग की समीक्षा करते हुए पूर्व कंडिका में दर्ज किए गए मामलों के अनुसार वर्ष 2004-5 के पौधारोपण से जुड़े लंबित मामले पर जानकारी वन प्रमंडल पदाधिकारी से ली गई।

इंडिया

सबके दावे आदिवासी उनके पर उनका कोई नहीं

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

झारखंड से लेकर देश के आदिवासियों को सभी अपना बताते हैं कोई उनके साथ खाना खाता है कोई फोटो खिंचवाता है कोई उन्हें पढ़ाता है इलाज करता है कोई उनके पर्व त्योहार में आर्थिक सहायता करता है फिर सवाल उठता है कि झारखंड में उनकी आबादी 10 प्रतिशत कम कैसे हो गई ? मूल सनातन संस्कृति के सच्चे वाहक आस्थावान और प्रकृति प्रेमी यह समुदाय विस्तारवादी मानसिकता के निशाने पर सदा रहा है । इतिहास के पन्नों में दबी इनकी सच्ची कहानियां भी राजनीति और वोट बैंक के हिसाब इस्तेमाल की जाती रहीं हैं जबकि निर्माण,विकास और कला संस्कृति के संरक्षण का इतिहास इनके बिना अधूरा है ।असम के चाय बागान,अंडमान निकोबार यानी पुराने काला पानी को विकसित करने से लेकर देश के अनेक राज्यों में कठोर परिश्रम और कम भुगतान पर भी संतोष करने वाले ये श्रमजीवी आज भी अपनी मेहनत और ईमानदारी के कारण सबसे अधिक प्राथमिकता वाले मजदूर हैं ।इनकी इसी विशेषता के कारण झारखंड की जनजातीय महिलाएं मानव व्यापार की शिकार हैं या धूर्त लोगों द्वारा शादी के नाम पर छली जाती हैं जिनके नाम पर आदिवासी भूमि की हेराफेरी होती है ।झारखंड के गौरवपूर्ण विकास के इतिहास की नींव दुर्लभ त्याग और उच्च राजनीतिक आदर्शों पर टिकी है जब लगभग दो हजार साल पूर्व राजा मदरा मुंडा ने अपने पुत्र के बजाय पोष्यपुत्र फणिमुकुट राय को राज्यहित में सत्ता सौंपी थी जो गैर आदिवासी थे और उनके समन्वयवादी शासन से विश्व के सबसे लंबे राजवंश का इतिहास रचा गया था । यहां के बहुतायत में उपलब्ध साल के वृक्षों की तरह सीधे ये निश्छल आदिवासी आसानी से किसी का विश्वास कर लेते हैं और हृदय से आभारी होते हैं जिस कारण ये आज भी इस्तेमाल ही हो रहे हैं । पहले दूसरों से छले जाने के बाद आज अपने या अपनापन दिखाने वाले नेताओं से छले जा रहे हैं जो सत्ता प्राप्त करने या उसमें बने रहने के लिए इन्हें भीड़ की तरह इस्तेमाल करते हैं । रांची के एयरपोर्ट में स्वागत नृत्य हो या सत्ताधारी या शक्तिशाली लोगों की महफिल इनके ढोल मांदर से सजी कुछ पंक्तियों के बाद इन्हें कुछ पैसे देकर बाहर कर दिया जाता है ठीक उन परियोजनाओं की तरह जो इनकी बदहाली अशिक्षा और नशाखोरी दूर करने के लिए चलाई जाती हैं ।आज इनकी नई पीढ़ी विरोध या विद्रोह करती है तो जमीन की लूट , सरकारी लाभ या सुविधाओं में इन्हें भी भागीदार या दलाल बना दिया जाता है ।स्थिति यह है कि बेरोजगारी,गरीबी हटाने और मुफ्त अनाज जैसी सुविधाओं के लिए हर प्रखंड कार्यालय से लेकर राज्य मुख्यालय तक किसी न किसी पार्टी या संगठन से जुड़े अनेक एजेंट हैं जो बिना पैसा लिए कोई काम नहीं होने देना चाहते ।महंगी गाड़ियों में घूमने वाले ये बिचौलिए सरकारी कार्यालयों में बेरोकटोक घूमते हैं जबकि इनका रिमोट किसी और के हाथ होता है । जातीय और धार्मिक आधार पर बंट रहे लोगों के समूहों में या तो आक्रोश पनप रहा है या नफरत जिससे आदिवासी युवा भी अछूते हैं । इन सबके बीच ईमानदारी से काम करने वाली संस्थाएं भी हैं जो इन्हें संस्कारवान बनाकर कृषि,हुनर और प्रशासन तक से जोड़ रहीं हैं ।सुखद यह है कि अभी भी अच्छाई अधिक बुराई कम है ।समय की मांग है कि झारखंड की मूल समन्वयवादी संस्कृति के अनुरूप सभी को लेकर चला जाए अन्यथा वोटबैंक की राजनीति की आग इस सुंदर प्रदेश को बदरंग ही करेगी ।

नहीं रहे खूंटी के वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र प्रसाद

खूंटी। खूंटी के वरिष्ठ पत्रकार और खूंटी प्रेस क्लब के संस्थापक अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद का गुरुवार को इलाज के दौरान निधन हो गया। 75 वर्षीय पत्रकार राजेंद्र प्रसाद कई दिनों से बीमार थे। राजेंद्र प्रसाद, गायत्री परिवार के अनन्य शिष्य, केंद्रीय रामनवमी महासमिति के कई बार अध्यक्ष और पिछड़ा वर्ग संघर्ष समिति के संरक्षक थे। पत्रकार के निधन पर सांसद कालीचरण मुंडा, खूंटी के विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, तोरपा के विधायक कोचे मुंडा, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, विधायक प्रतिनिधि काशीनाथ महतो, झामुमो के जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद,, खूंटी चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रियांक भगत, कांगेस के जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा, भाजपा नेता संतोष जयसवाल, कांग्रेस नेता रविकांत मिश्रा, पीटर मुंडू, केंद्रीय रामनवमी समिति के महामंत्री जितेंद्र कश्यप, खूंटी की उप प्रमुख शांति देवी, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता दिलीप मिश्रा, तपन घोष, मार्शल बारला, कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष रामकृष्णा चौधरी, कांग्रेस नेंता सयूम अंसारी, विलसन टोपनो, पूर्व सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार सहित कई लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त की है। पत्रकार के निधन पर खूंटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष रंजीत प्रसाद, पत्रकार अनिल मिश्रा, चद्रशेखर चौधरी, कुमार सौरभ, अजय शर्मा, चंदन कुमार, नवीन कुमार, बंटी, मो शाहिद, राज गुप्ता, कृष्णा सिंह, भूषण कांशी सहित कई पत्रकारों ने गहरी संवेदना व्यक्त की है।

विश्व आदिवासी दिवस आज, तैयारियां पूरी महोत्सव में आतिशबाजी और लेजर शो होगा खास

नवीन मेल संवाददाता। रांची

बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान में नौ अगस्त से आयोजित होने वाले दो दिवसीय झारखंड आदिवासी महोत्सव-2024 की तैयारियां पूरी कर ली गयी है। इस बार महोत्सव झारखंड के लोगों के लिए ही नहीं, पूरे देश के लिए अनोखा रहेगा। इसमें एक से एक आकर्षक कार्यक्रमों का सम्मिश्रण रहेगा। विभिन्न राज्यों से आए लोक कलाकारों द्वारा एक से बढ़ कर एक प्रस्तुति देखने को मिलेगी।

महोत्सव में विभिन्न प्रदेशों से आने वाले कलाकारों, लोक-कलाकार और चित्रकार अपने प्रदेशों से किस तरह की तैयारी करके झारखंड पहुंच रहे हैं। उनकी पूरी तैयारी और झारखंड पहुंचने तक पूरी यात्रा को वीडियो के माध्यम से दिखाया जाएगा। आदिवासी महोत्सव के दौरान यहां लगने वाले फूड स्टॉल में झारखंड के आदिवासी व्यंजन का भी लुत्फ ले सकेंगे। यहां एक से एक स्वादिष्ट झारखंडी व्यंजनों का पारम्परिक शैली में लुत्फ ले पाएंगे। आदिवासी महोत्सव में पहली बार आदिवासी पुस्तक मेला भी लगाया जाएगा, जिसमें झारखंड के लेखकों से जुड़ी पुस्तकों के स्टॉल भी लगेंगे। जो भी लोग पुस्तक पढ़ने के शौकीन हैं और झारखंड के बारे में जानना चाहते हैं, वह झारखंड के लेखकों की लिखी पुस्तक के माध्यम से जान सकेंगे। इस बार आदिवासी महोत्सव 2024 में बेहद खास तरीके से आतिशबाजी और लेजर शो का आयोजन किया जा रहा है, जो दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर देगा। यह शो सबके लिए यादगार स्मृति बन कर रह जाएगा। यह आयोजन देखने वाले इस तरह के बड़े आयोजन देखने के गवाह बनेंगे, यह सिर्फ महोत्सव नहीं झारखंड के आदिवासी संस्कृति का आईना बनेगा, जो देश ही नहीं वैश्विक पटल पर भी अपनी छाप छोड़ेगा। इस कार्यक्रम की बेहतरीन तैयारी के लिए आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा अधिकारियों, कर्मियों एवं इवेंट मैनेजमेंट की अपनी पूरी टीम के साथ लगातार कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रह कर बेहतरीन तैयारियों में लगे हुए हैं।

रीझ-रंग शोभायात्रा निकाली जाएगी

झारखण्ड आदिवासी महोत्सव 2024 को लेकर शुक्रवार को 32 आदिवासी समुदायों द्वारा धुमकुड़िया भवन करम टोली चौक से बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान जेल चौक तक रीझ-रंग शोभा यात्रा निकाली जाएगी। झारखण्ड आदिवासी महोत्सव 2024 का उद्घाटन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में राज्य समन्वय समिति सह सांसद राज्यसभा शिबू सोरेन मेले में प्रदर्शनी शिविर, आदिवासी चित्रकार शिविर और आदिवासी व्यंजन का उद्घाटन करेंगे। तत्पश्चात उनके द्वारा शहीद वेदी पर पुष्प अर्पण किया जाएगा।

मुख्य आकर्षण

सांस्कृतिक कार्यक्रम में मिजोरम, ओडिशा , उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, त्रिपुरा, छत्तीसगढ़ आदि अन्य राज्यों से कलाकार पारंपरिक आदिवासी नृत्य की अपनी मनमोहक प्रस्तुति देंगे। मेले में अखड़ा दर्शन, 8 जनजातियों का गीत नृत्य,पद्मश्री मुकुंद नायक के द्वारा नागपुरी गीत नृत्य, जननी झूमर,वर्षा लकड़ा और उनके समूह द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की ऐतिहासिक गाथा का कथात्मक संगीतमय नृत्य नाटिका, संथाली बैंड (आधुनिक संथाली गायन वादन गायिका शेरोन मरांडी) द्वारा प्रस्तुति, झारखंड झरोखा लोक कला वाद्य यंत्र एवं परिधान की प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं परिवर्तन संस्था के आदिवासी दिव्यांगों बच्चों द्वारा ट्राईबल कल्चर इन फ्रेगमैन स्टाइलिश इन परिधान दर्शन एवं आश्रम विद्यालय के छात्र और छात्राओं के द्वारा चारित्रिक गुणों पर आधारित एक नाटक की प्रस्तुति दी जाएगी। मेले में इस बार 12 पुस्तकों का लोकार्पण और वन अधिकार पट्टा का वितरण भी किया जाएगा। आप सभी राज्यवासी इस कार्यक्रम का आनंद ले सकते हैं।

हालात बदले हैं, पढ़ाई के लिए बना है बेहतर माहौल : राज्यपाल

विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर रांची विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ कार्यक्रम

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा है कि आज हालात बदल चुके हैं और पढ़ाई के लिए पहले से बेहतर माहौल बना हुआ है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि अधिक से अधिक लोग उच्च शिक्षा हासिल करें। साथ ही, जनजातियों को पढ़ाई के लिए दूसरों को भी प्रेरित करना चाहिए। अपने कार्यों से समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनकर उभरना चाहिए, जिस प्रकार आज जनजातियों की परंपरा और संस्कृति का पूरे विश्व में उदाहरण दिया जाता है, उसी प्रकार शिक्षा और ज्ञान के क्षेत्र में भी उन्हें पिछड़ा न समझा जाए, आदर्श माना जाय।राज्यपाल गंगवार गुरुवार को रांची विश्वविद्यालय में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कल विश्व आदिवासी दिवस है। मुझे खुशी है कि रांची विश्वविद्यालय ने संयुक्त राष्ट्र संघ के थीम प्रोटेक्टिंग द राइट्स ऑफ इंडीजिनस पिपुल इन वोलेंटरी आइसोलेशन एंड इनिसियल कांटेक्ट पर जोहार संगी 24 का आयोजन किया गया है। राज्यपाल ने कहा कि राज्य में सार्वजनिक स्तर पर यह मेरा पहला कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में आप सभी के बीच सम्मिलित होकर अभिभूत हूं। झारखंड वीरों की भूमि है, जहां धरतीआबा बिरसा मुंडा, बीर बुधु भगत, सिदो-कान्हु, चांद-भैरव, फूलो-झान्हो, जतरा उरांव जैसे महान सपूतों ने अपनी मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। इन महान सपूतों का जन्म जनजाति समुदाय में हुआ था और उन सभी ने अपने

उल्लेखनीय कार्यों से दिखाया कि वीरता और यश के लिए किसी विशिष्ट जाति और कुल की जरूरत नहीं है, बल्कि श्रेष्ठ कर्म की आवश्यकता होती है। इस अवसर पर मैं इन महान सपूतों के प्रति अपनी श्रद्धा-सुमन अर्पित करता हूं, जिन्होंने हमारी मातृभूमि के लिए संघर्ष किया और अपने प्राणों की भी परवाह नहीं की।

उन्होंने कहा कि अति प्राचीन काल से ही जनजातीय समुदाय भारतीय सभ्यता और संस्कृति के महत्वपूर्ण अंग रहे हैं। उनकी कला, संस्कृति, लोक साहित्य, परंपरा और रीति-रिवाज की ख्याति विश्व स्तर पर है। जनजातीय गीत और नृत्य अत्यंत मनमोहक होते हैं, जो सभी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। मुझे गर्व है कि हमारे जनजाति भाई-बहन प्रकृति प्रेमी होते हैं, जिसकी झलक उनके पर्व-त्योहारों में दिखती है।

झारखंड की जनजातियों की संख्या लगभग 27 प्रतिशत : झारखंड राज्य की 3.28 करोड़ से अधिक की आबादी में, जनजातियों की संख्या लगभग 27 प्रतिशत है। राज्य में 32 प्रकार की अनुसूचित जनजातियां हैं, जिनमें 8 प्रकार के पीवीटीजी भी शामिल हैं। अधिकांश जनजाति लोग गांवों में निवास करते हैं और उनके पास विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न प्रकार की विधा होती है। वे कई प्रकार की व्याधियों के उपचार की औषधीय दवा के संदर्भ में जानते हैं। अनुसूचित जनजातियों के विकास के लिए सरकार की कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं। हमारे जनजाति भाई-बहनों को इन योजनाओं के प्रति पूरी तरह से जागरूक होने की आवश्यकता है, ताकि वे इन योजनाओं से पूर्णतः लाभान्वित हो सकें। उन्हें अपनी संस्कृति और भाषा का भी सम्मान करना चाहिए और इसे संरक्षित रखना चाहिए। मुझे यह कहते हुए गौरव हो रहा है जनजाति समाज में दहेज-प्रथा नहीं है, जो एक अनुकरणीय उदाहरण है। जनजातियों को शिक्षा के प्रति और अधिक जागरूक होने की जरूरत है। ज्ञान किसी भी राष्ट्र की सामाजिक-आर्थिक प्रगति में अहम भूमिका निभाता है. कहते हैं, ज्ञान ही शक्ति है। इसलिए सभी को शिक्षित होना चाहिए, चाहे वो बालक हो या बालिका।

परंपराएं हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग : डॉ लंबोदर महतो

नवीन मेल संवाददाता। रांची

आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव व गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर समस्त आदिवासी समाज के लोगों को अपनी बधाई व शुभकामनाएं दी है और जोहार कहा है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की परंपराएं व रीति रिवाज हमारी संस्कृति विरासत का अभिन्न अंग है। यह दिन हमें आदिवासी समाज की समृद्ध विरासत, विविध संस्कृतियों एवं उनके अमूल्य योगदान को सहेजने का अवसर प्रदान करता है। आदिवासी समाज हर क्षेत्र में अपनी क्षमता व योग्यता के बल पर आगे बढ़ रहा है। साथ ही साथ प्रकृति के करीब रहकर जल, जंगल व जमीन को बचाने में भी जुटा हुआ है। उन्होंने कहा कि हम सबों को आदिवासी समाज की जरूरत व अपेक्षाओं को ध्यान रखना चाहिए और उसी के अनुरूप काम करना चाहिए। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर लोगों को भी आदिवासी समाज की परंपरा एवं संस्कृतियों को समझने का अवसर मिलता है। आदिवासी समाज अनादि काल से ही अपनी संस्कृति परंपराओं व रीति रिवाज को संवर्धित व संरक्षित करने के लिए जाना जाता है। इस दिन आदिवासी समाज अपने मानव अधिकारों के संवर्धन व संरक्षण को

गोमिया विधायक ने विश्व आदिवासी दिवस पर दी आदिवासी समाज को बधाई

बताते हुए अपनी मूलभूत सुविधाओं व अपनी समस्याओं से जहां अवगत कराता वहीं जल, जंगल व जमीन के संरक्षण में अपनी भूमिका को याद करते हुए प्रकृति के सच्चे सेवक के रूप में बने रहने की प्रतिबद्धता को भी आम जनमानस के बीच प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि हम सबों को प्रकृति के संरक्षण व संवर्धन के साथ-साथ आदिवासी समाज के हितों की रक्षा के लिए सजग रहने का संकल्प लेना चाहिए।

पूर्व पार्षद के हत्यारोपियों के विरुद्ध वारंट जारी

रांची। रांची सिविल कोर्ट ने निवर्तमान पार्षद वेद प्रकाश की हत्या के आरोपियों धीरज मिश्रा और सत्यम पाठक के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया है. विधानसभा थाना के द्वारा रांची सिविल कोर्ट ने सीजेएम (चीफ ज्यूडीश्यल मजिस्ट्रेट) की कोर्ट में दोनों अभियुक्तों के खिलाफ वारंट जारी करने का आग्रह किया था, जिसे स्वीकार करते हुए कोर्ट ने वारंट जारी कर दिया है. वारंट जारी होने के बाद पुलिस ने वारंट प्राप्त भी कर लिया है. इसके बाद अब आरोपियों की गिरफ़्तारी के लिए अब कार्रवाई और तेज होगी।

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे केंद्र सरकार

नवीन मेल संवाददाता। रांची

विश्व हिंदू परिषद झारखंड सेवा विभाग एवं राष्ट्रीय सनातन एकता मंच के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे नरसंहार, मंदिरों, गुरुद्वारों एवं सभी धार्मिक स्थलों मे हो रही तोड़फोड़ हिंसा की घटना की तीव्र निंदा की है। उन्होंने केंद्र सरकार से अतिशीघ्र बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि हिंसा, हिंदू नरसंहार, विचित्र अनिश्चितता अराजकता के बीच अशांत

हिंदुओं का जीवन भयभीत एवं असुरक्षित : संजय सर्राफ

बांग्लादेश में हिंदुओं का जीवन भयभीत एवं असुरक्षित है जो कि सनातन हिंदू समाज के लिए बहुत ही चिंतनीय एवं सोचनीय विषय है। वहां पीड़ित अल्पसंख्यकों की हालत बद से बदतर होती जा रही है। ऐसे में विश्व समुदाय की यह जिम्मेदारी है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा एवं मानवाधिकारों की रक्षा के लिए तुरंत प्रभावी कार्रवाई करें। केंद्र सरकार बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की कड़े पहल करें। पूरे बांग्लादेश में हिंदू नरसंहार तथा हिंदुओं के प्रतिष्ठानों, घरों, मंदिरों, गुरुद्वारों, मे कट्टरपंथियों द्वारा तोड़फोड़, लूटपाट की जा रही है। बांग्लादेश में शायद ही कोई ऐसा जिला बचा हो जो इनकी हिंसा एवं आतंक का निशाना न बना हो। बांग्लादेश में 32 प्रतिशत से अब 8 प्रतिशत बचे हिंदू लगातार जिहादी उत्पीड़न के शिकार हो रहे हैं।

जनजातीय व क्षेत्रीय भाषा को आगे बढ़ाने की जरूरत : डॉ दमयंती

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांची विश्वविद्यालय के 'हो' विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ दमयंती सिंकु से विश्व आदिवासी दिवस पर जनजतीय भाषाओं के वर्तमान स्थिति के बारे में प्रकाश डाला।

प्रश्नः झारखंड बने 24 साल हो गए, लेकिन जनजातीय और क्षेत्रिय भाषा शिक्षकों की कमी से विश्वविद्यालय लगातार जुझ रहा है?

उत्तरः हां, ये सही है कि झारखंड निर्माण के 24 साल हो गए। जनजातीय क्षेत्रीय भाषा की पढ़ाई रांची विश्वविद्यालय में लगभग चार दशक पहले शुरू हुई थी। लेकिन यह दुर्भाग्य है कि आज भी यहां शिक्षकों की कमी है। जब एकीकृत बिहार था उस वक्त 1996 में जनजातीय क्षेत्रीय भाषाओं के लिए विज्ञापन निकाला था, जिसके साथ अन्य भी विषय थे। अन्य विषयों का रिजल्ट जारी कर दिया गया लेकिन, जनजातीय और क्षेत्रीय भाषा के रिजल्ट को पेंडिंग कर दिया गया। इसमें कई योग्यता प्राप्त अभ्यर्थियों ने इंटरव्यू दिया था। उसके बाद झारखंड बनने के बाद 2007-08 में जनजातीय वह क्षेत्रीय भाषा

के लिए विज्ञापन निकाली गयी, लेकिन उसे भी पेंडिंग में रखा गया । जेपीएससी ने कहा कि इसमें रोस्टर का पालन नहीं हुआ है या रोस्टर क्लियर नहीं हुआ है। जनजाति और क्षेत्रीय भाषा में आज भी शिक्षक कि कमी है।

प्रश्न : क्या आदिवासी भाषा संस्कृति का विकास केवल अभी राजनीतिक मुद्दा है?

उत्तर : जैसा कि हम लोग देख रहे हैं जनजातीय भाषा का प्राथमिक स्तर पर अभी कुछ नहीं हुआ है। प्राथमिक स्तर पर बहुत बदलाव करने की जरूरत है। सर्वे रिपोर्ट में भी कई गलतियां हुई है उन भाषाओं में एक भी शिक्षक की मांग नहीं किया गया है। आदिवासी भाषा संस्कृति का विकास केवल अभी राजनीतिक मुद्दा बन गया है यह सच है।

प्रश्नः आदिवासी भाषा और संस्कृति केवल बैनर पोस्टर में है?

उत्तरः धरातल पर तो कुछ नहीं दिख रहा है केवल बैनर पोस्टर में ही दिखता है। अभी भी हमें ग्रास रूट पर काम करने की आवश्यकता है। जब हम ग्रास रूट पर काम करेंगे तभी सब कुछ धरातल पर आएगी और आदिवासियों की भाषा संस्कृति का संरक्षण होगा।

प्रश्न : दूसरे राज्यों के तुलना में झारखंड की संस्कृति को आप कहां देखते है?

उत्तर : नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में हम देखते है कि वहां एक मातृभाषा होती है। दूसरी अंग्रेजी भाषा होती है। राज्यों में अपनी सभ्यता संस्कृति को सहेज कर रखा गया है। हमें भी अपने राज्य में भाषा संस्कृति को सहेज कर रखने के लिए प्राइमरी स्तर पर बच्चों को पढ़ने की जरूरत है। वहीं शिक्षकों की नियुक्ति करना अति आवश्यक है।

महर्षि पतंजलि ने आत्मसंयम, ध्यान व नैतिकता का महत्व बताया : डॉ शैलेश

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राजकीय संस्कृत महाविद्यालय के वरीय प्राध्यापक डा. शैलेश कुमार मिश्र ने कहा कि महर्षि पतंजलि ने अपने योगसूत्र के माध्यम से आत्मसंयम, ध्यान, और नैतिकता के महत्व को पारिभाषित किया है। डा. मिश्र पतंजलि जयन्ती की पूर्व सन्ध्या पर गुरुवार को डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सम्बोधित कर रहे थे।

महर्षि पतंजलि को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा कि योग मात्र शारीरिक व्यायाम नहीं अपितु यह आत्मा और शरीर के सामंजस्य का माध्यम है। महर्षि पतंजलि द्वारा प्रतिपादित अष्टांग योग का प्रत्येक अंग मानव जीवन में अनुशासन, संयम और मानसिक शांति लाने का मार्ग है। डा. मिश्र ने आगे कहा कि आज की इस भागदौड़ भरी जीवनशैली में पतंजलि के सिद्धांत और योग के अभ्यास अत्यधिक प्रासंगिक हैं। योग हमें तनावमुक्त और स्वस्थ रखने में सहायक सिद्ध होता है। इसके नियमित अभ्यास से न केवल हमारी शारीरिक क्षमता में वृद्धि होती है, बल्कि मानसिक शांति और स्थिरता भी प्राप्त होती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची के संस्कृत विभागाध्यक्ष डा. धनंजय वासुदेव द्विवेदी के

कहा कि महर्षि पतंजलि ने महाभाष्य के माध्यम से संस्कृत भाषा को एक संगठित और वैज्ञानिक स्वरूप प्रदान किया। उनकी रचनाएं न केवल भाषा के अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि वे भारतीय दर्शन और ज्ञान के व्यापक क्षेत्र में भी अमूल्य योगदान देती हैं। योगसूत्रों के माध्यम से उन्होंने योग की वैज्ञानिक विधियों को प्रस्तुत किया, जो आज भी हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने आगे कहा कि महर्षि पतंजलि की रचनाएं भारतीय ज्ञान, दर्शन और संस्कृति की समृद्ध धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। हमें इस धरोहर को संजोने और आगे बढ़ाने की आवश्यकता है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी पतंजलि के अमूल्य योगदान से लाभान्वित हो सकें। विभागीय शिक्षिका डा. श्रीमित्रा ने कहा कि विद्यार्थियों को पतंजलि के योगसूत्रों का अध्ययन करना चाहिए और उसे जीवन में उतारना चाहिए। उन्होंने कहा कि योग केवल आसनों तक सीमित नहीं है, यह एक सम्पूर्ण जीवन पद्धति है, जो हमें जीवन के हर पहलू में मार्गदर्शन करता है।

न्यूज बॉक्स

आईईडी ब्लास्ट में घायल एसआई से मिले आईजी

रांची। चाईबासा जिले के छोटानागरा थाना क्षेत्र के बालिबा में गुरुवार सुबह नक्सलियों के आईईडी ब्लास्ट में घायल जवान से रांची जोनल आईजी अखिलेश झा ने मुलाकात की और उसका हालचाल जाना। उल्लेखनीय है कि आज सुबह ही चाईबासा के जराइकेला के बलिबा जंगल में नक्सलियों के लगाए आईईडी ब्लास्ट में विस्फोट में कोबरा 209 बटालियन के एसआई जितेंद्र दानी घायल हो गए थे। बाद में घायल जवान को एयरलिफ्ट कर रांची लाकर स्थानीय राज अस्पताल में भर्ती कराया गया। जवान के लेफ्ट पैर की एड़ी में चोट है। डॉक्टर का कहना है कि जवान खतरे से बाहर है।

बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे भारत सरकार : आरएसएफ

रांची। राष्ट्र सेवा फाउंडेशन (आरएसएफ) ने केंद्र की मोदी सरकार से आग्रह किया है कि बांग्लादेश में अशांति का सामना कर रहे हिंदुओं की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए। आरसीएफ अध्यक्ष स्वामी सीतारामशरण जी महाराज एवं उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से कहा कि बांग्लादेश में हिंदू बेहद असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। वहां हिंदुओं के ऊपर जुल्म ढाए जा रहे हैं, महिलाओं को बलात्कार किया जा रहा है, हिन्दुओं की निर्मम हत्या की जा रही है,घरों को फूंके जा रहे हैं, मंदिरों को तोड़ा जा रहा है। 20 से अधिक नेताओं को जिंदा जला दिया गया। ऐसे में जुल्म से बचकर भारत सीमा पर भागकर आए और भारत से आस लगाए बांग्लादेशी हिंदुओं के अपने यहां शरण दे, तथा बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रयास करे। उन्होंने कहा कि आरक्षण के खिलाफ शुरू हुए विरोध प्रदर्शन हिंसक रूप ले लिया है, जिसके कारण खुद शेख हसीना को पीएम पद छोड़कर भागना पड़ा है। कहा की हाल के दिनों में बांग्लादेश में हिंदुओं, सिखों और अन्य हिंदू अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थान, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, और घरों पर हमला किया गया है। लगभग 200 से 300 घरों व दुकानों को तोड़ा गया है। शमशान घाट में भी तोड़फोड़ की गई। बांग्लादेश में शायद ही कोई ऐसा जिला बचा हो जो उनकी हिंसा और आतंक का निशाना न बना हो। उन्होंने कहा कि यह बताना उचित होगा कि हिंदू जो कभी बांग्लादेश में 32% थे अब 8% से भी कम रह गए हैं। वह भी निरंतर उत्पीड़न के शिकार हुए हैं। उन्होंने पड़ोसी देश में हिंदू अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए राजनीतिक और कूटनीतिक रूप से हर संभव प्रयास करने का आह्वान किया।

शहीद निर्मल महतो को युवा आजसू ने किया नमन

रांची। युवा आजसू ने पार्टी के केंद्रीय मुख्यालय में झारखंड अलग राज्य आंदोलन के अग्रणी आंदोलनकारी और आजसू के संस्थापक, शहीद निर्मल महतो के शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित किया। कार्यक्रम की शुरूआत शहीद निर्मल महतो के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। उपस्थित लोगों ने शहीद महतो के बलिदान को नमन करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस मौके पर युवा आजसू के प्रदेश संयोजक गौतम सिंह ने कहा कि, शहीद निर्मल महतो ने झारखंड के लिए अपने जीवन की आहुति दी। उनका संघर्ष और बलिदान हमें हमेशा प्रेरित करता रहेगा। आज का दिन हमें उनके आदर्शों पर चलने और राज्य की बेहतरी के लिए काम करने का संकल्प लेने को प्रेरित करता है। उन्होंने आगे कहा कि शहीद निर्मल महतो ने झारखंड राज्य की स्थापना के लिए संघर्ष किया और उनका यह योगदान अमूल्य है। उनके विचारों और सिद्धांतों पर चलते हुए हम राज्य के युवाओं को संगठित कर रहे हैं और उनके सपनों का झारखंड बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। इस अवसर पर युवा आजसू के प्रदेश संयोजक अमित कुमार ने अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शहीद महतो के संघर्षमय जीवन से हर झारखंडियों को प्रेरणा लेनी चाहिए और एकजुट होकर शहीद निर्मल महतों के दिखाए मार्ग पर चलने का हेतु संकल्पित होना चाहिए।

पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार : अजय सहगल

रांची। डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल में डीएवी कॉलेज प्रबन्धन समिति,नई दिल्ली के सचिव सह विद्यालय के प्रबन्धक अजय सहगल का आगमन हुआ। विद्यालय के प्राचार्य सह-सहायक क्षेत्रीय अधिकारी एसके मिश्रा ने उनका स्वागत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पुष्प गुच्छ देकर किया। वहीं विद्यालय के विद्यार्थियों ने भी उनका स्वागत झारखण्ड की पारम्परिक वेश भूषा धारण कर ढोल एवं मांदर की थाप के साथ लोक नृत्य के साथ किया। प्राचार्य श्री मिश्रा ने पावर पॉइन्ट के माध्यम से श्री सहगल को विद्यालय की गतिविधियों एवं उपलब्धियों के साथ-साथ विकास की भावी कार्य प्रणाली से भी अवगत कराया। श्री सहगल ने प्राचार्य संग विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे, पृथ्वी पर ईश्वर का दूसरा रुप हैं,जो हमें जीवन प्रदान करते हैं। अर्थात पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार हैं।

असंगठित श्रमिकों ने अपनी मांगें राज्यपाल और मुख्यमंत्री को सौंपी

रांची। असंगठित कामगार संगठन, ऑटो ई-रिक्शा और हटिया मजदूर यूनियन ने असंगठित कामगारों जैसे घरेलू कामगार, निर्माण मजदूर, ऑटो चालक, रिक्शा चालक आदि के मांगों को लेकर राजभवन के समक्ष राज्यव्यापी एक दिवसीय धरना - प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता असंगठित मजदूर संघ के संयोजक दिनेश सोनी ने किया। उन्होंने कहा कि प्रशासन हमलोगों की आवाज नहीं सुनती है। थक हारकर हम सबों ने आंदोलन का रास्ता चुना है। मौके पर असंगठित कामगारों के अलावा कामगार संगठन हटिया मजदूर यूनियन से भुवन सिंह, ऑटो चालक महासंघ से संगठन मंत्री आनंद वर्मा, महानगर अध्यक्ष बादल थापा, सेवा झारखण्ड से अंशु, एकता परिषद से राम स्वरुप, डॉन बोस्को संस्थान से अंशु, झारखण्ड घरेलु कामगार यूनियन से आशा, सभा संचालक नेहा द्विवेदी आदि उपस्थित थे।

कोल इंडिया की दो आनुषंगिक कंपनियां सूचीबद्ध

रांची। कोल इंडिया को अपनी झारखंड की अपनी 2 अनुषंगिक कंपनियों रांची की सीएमपीडीआई और धनबाद को सूचीबद्ध करने के लिए वित्त मंत्रालय से मंजूरी मिल गई है। इन कंपनियों को सूचीबद्ध करने की चर्चा काफी समय से चल रही थी। वर्ष 2022-23 के दौरान बीसीसीएल ने 2021-22 में 111.62 करोड रुपए के मुकाबले 645.01 करोड रुपए का कर पश्चात वार्षिक लाभ दर्ज किया। वही सीएमपीडीआई कोल इंडिया की कंसल्टेंसी फर्म है जो खनिज अन्वेषण खनन और बुनियादी ढांचा इंजीनियरिंग के अलावा अन्य क्षेत्रों में अनुसंधान को सहायता प्राप्त प्रदान करती है कोयल तक सीमित न रहकर कंपनी ने पिछले कुछ वर्षों में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र के साथ-साथ महत्वपूर्ण खनिजों की खोज और खनन में भी विविधता हासिल की है। 31 मार्च 2023 तक सीएमपीडीआई की कुल संपत्ति 1217.65 करोड रुपए थी।

एक नजर

आर्किटेक्ट विनोद सिंह और राजकुमार पाहन ने कोर्ट में किया सरेंडर

रांची। भूमि घोटाला मामले के आरोपित एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सहयोगी आर्किटेक्ट विनोद सिंह और इसी केस के दूसरे आरोपित राज कुमार पाहन ने रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट में गुरुवार को सरेंडर कर दिया है। इसके साथ ही कोर्ट में एक लाख के बॉन्ड भी जमा किये, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। इससे पहले दोनों ने अपनी अग्रिम जमानत की अर्जी वापस ले ली थी। ईडी ने हेमंत सोरेन से जुड़े भूमि घोटाला मामले में प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन (पीसी) दायर की है, जिसमें विनोद सिंह और राजकुमार पाहन को भी अभियुक्त बनाया गया है।

वेस्टर्न कोलफील्ड्स के निदेशक तकनीकी बने आनंद प्रसाद

रांची। लोक उद्यम चयन बोर्ड ने वेस्टर्न कोलफील्ड्स के निदेशक तकनीकी पद के लिए आनंद प्रसाद के नाम की अनुशंसा कर दी है। आनंद प्रसाद वर्तमान में कोयला मंत्रालय में प्रोजेक्ट एडवाइजर संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत हैं। वेस्टर्न कोलफील्ड्स के निदेशक तकनीकी पद के लिए कुल 10 अधिकारी साक्षात्कार में शामिल हुए थे। इनमें साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड के महाप्रबंधक विद्या नाथ झा, ईस्टर्न कोलफील्ड के महाप्रबंधक अमितांजन नंदी, सीसीएल के महा प्रबंधक राजीव कुमार सिन्हा, ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड के रमेश चंद्र महापात्र, एनएलसी इंडिया के जगदीश चंद्र मजूमदार, जिंदल स्टील एंड पावर के निहार रंजन सतपति, श्रम एवं नियुक्ति विभाग के निदेशक सागेश कुमार, हिंदुस्तान शामिल थे।

एनसीएसटी की तीन सदस्यीय टीम 11-13 तक करेगी संथाल का भ्रमण

रांची। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) की तीन सदस्यीय टीम 11 से 13 अगस्त तक संथालपरगना क्षेत्र का भ्रमण करेगी। आयोग की तीम सदस्यीय टीम में डा. आशा लकड़ा, जाटोतु हुसैन व निरुपम चाकमा शामिल हैं। 26 जुलाई की रात केकेएम कालेज पाकुड़ के छात्रावास परिसर में पुलिस की ओर से बेरहमी पूर्वक आदिवासी छात्रों की पिटाई की गई थी। इस घटना में व 18 जुलाई की शाम महेशपुर प्रखंड स्थित गायबथान (जिला पाकुड़) गांव में जमीन विवाद को लेकर बाबुरजी हेंब्रम के बीच मारपीट हुई थी। 28 जुलाई को आयोग की ओर से नोटिस जारी कर मुख्य सचिव झारखंड एल ख्रिआंग्ते, महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक झारखंड अनुराग गुप्ता, पुलिस अधीक्षक पाकुड़ व उपायुक्त पाकुड़ से इस मामले की जांच कर तीन दिनों के अंदर रिपोर्ट की मांग की गई थी। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आयोग की ओर से निर्णय लिया गया है कि तीन सदस्यीय टीम संथाल परगना क्षेत्र में बदल रही डेमोग्राफी की जांच करेगी।

जेएलकेएम के नाम से जानी जाएगी जयराम की पार्टी

रांची। टाइगर जयराम महतो की

पार्टी को इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया से मान्यता मिल गयी है। इसके बाद गैर राजनीतिक संगठन झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस) अब झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के नाम से जानी जायेगी। जेएलकेएम पार्टी का रजिस्ट्रेशन नंबर 56/042/42024 है। पार्टी निबंधन के बाद जयराम महतो ने एक सूचना जारी की है। उन्होंने कहा कि जो भी इस राजनीतिक दल से विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं, वे अपनी दावेदारी विधानसभा सीट के साथ कर सकते हैं। आवेदन फार्म प्रधान कार्यालय धनबाद से प्राप्त किया जा सकता है। लोकसभा चुनाव में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराने के बाद संगठन ने राजनीतिक दल के रूप में निबंधन कराने की घोषणा की थी, जिसे चुनाव आयोग से मान्यता मिल गयी।

राज्य हित के लिए प्रतिबद्धता के साथ लिए जा रहे हैं निर्णय : हेमंत सोरेन

सीएम से रांची वि‌वि के सहायक प्राध्यापकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में रांची विश्वविद्यालय के अंतर्गत विभिन्न महाविद्यालयों के सहायक प्राध्यापकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य सरकार के विगत 7 अगस्त 2024 को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में विश्वविद्यालय एवं अंगीभूत महाविद्यालयों (घाटानुदानित अल्पसंख्यक महाविद्यालयों सहित) के पदाधिकारियों, शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू किए जाने की स्वीकृति दिए जाने के निर्णय पर आभार व्यक्त किया। रांची विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के सहायक प्राध्यापकों ने मुख्यमंत्री के समक्ष हर्ष जताते हुए कहा कि हमसभी

महाविद्यालय शिक्षणेत्तर कर्मियों के लिए राज्य सरकार द्वारा पुरानी पेंशन योजना लागू किया जाना एक महत्वपूर्ण और सराहनीय कार्य है। राज्य सरकार ने हमसभी को पुरानी पेंशन के रूप में बुढ़ापे की लाठी दी है। पुरानी पेंशन योजना का लाभ मिलने से हमसभी सहायक प्राध्यापकों का भविष्य सुरक्षित हुआ है। मौके पर प्रतिनिधिमंडल में शामिल सभी सहायक प्राध्यापकों ने मुख्यमंत्री के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हुए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

सोरेन ने सहायक प्राध्यापकों के प्रतिनिधिमंडल से कहा कि उनकी सरकार राज्यहित में निर्णय लेने के लिए प्रतिबद्ध है। विगत साढ़े चार वर्ष में राज्यहित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी वर्ग-समुदाय को उनका हक-अधिकार देने का काम उनकी सरकार निरंतर कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी लोग मिलजुल कर झारखंड को अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शामिल कर सकें इसी लक्ष्य के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है।

सहायक प्राध्यापकों के प्रतिनिधिमंडल ने विधायक कल्पना सोरेन से भी मुलाकात कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, रांची विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के सहायक प्राध्यापकों में डॉ उमेश कुमार, डॉ बहालेन होरो, डॉ खातिर हेम्ब्रम, डॉ रीता कुमारी, डॉ राजीव रजक, डॉ अवध विहारी महतो, डॉ विनीता एक्का, डॉ कंजीव लोचन, डॉ शाहीन परवीन, डॉ सुमंती तिर्की, डॉ शाहीन रजिया, डॉ अंजू पुष्पा बा, डॉ शिवनंदन राम, डॉ संतोष रजवार, डॉ राहुल कुमार, डॉ अनुजा विवेक, डॉ विवेक कुमार, डॉ नीलू कुमारी, डॉ जितेंद्र कुमार सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

शहीद निर्मल महतो को सीएम ने दी श्रद्धांजलि

अमर शहीद निर्मल महतो के 37वें शहादत दिवस पर जमशेदपुर के उलियान स्थित समाधि स्थल में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन।

मोरहाबादी मैदान खाली करें आंदोलनरत सहायक पुलिसकर्मी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जिला प्रशासन ने गुरुवार को पिछले 36 दिनों से आंदोलन कर रहे सहायक पुलिसकर्मियों को मोरहाबादी मैदान 24 घंटे में खाली करने का आदेश दिया है। स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर मैदान खाली करने का यह आदेश दिया गया है। साथ ही जिला प्रशासन ने मोरहाबादी मैदान में धारा 144 भी लागू कर दिया है। झारखंड के सहायक पुलिसकर्मी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। बीते दो जुलाई से सहायक पुलिसकर्मी मोरहाबादी मैदान में डटे हैं। स्वतंत्रता दिवस को लेकर प्रशासन को मोरहाबादी मैदान की साफ-सफाई और घेराबंदी करनी है, इसलिए सहायक पुलिसकर्मियों को मैदान खाली करने का आदेश दिया गया है। दूसरी तरफ सहायक पुलिसकर्मियों द्वारा निर्णय लिया जायेगा कि आगे क्या करना है। आंदोलन समाप्त करना है या फिर आंदोलन स्थल को बदलना है। सहायक पुलिसकर्मियों के अनुसार, उन्हें उम्मीद थी कि कैबिनेट में सरकार द्वारा जो आश्वासन दिया गया था, उसे लिखित में लाया जायेगा। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। झारखंड पुलिस में समायोजन की मांग को लेकर मोरहाबादी मैदान में धरना दे रहे सहायक पुलिसकर्मी 19 जुलाई को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने निकले थे। इस दौरान उनपर झारखंड पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। सहायक पुलिसकर्मियों की बहाली दस हजार रुपये के मानदेय पर राज्य के 12 जिले गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, खूंटी, पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम, दुमका व गिरिडीह में हुआ था।

निशिकांत दुबे ने लोकसभा में उठाया मामला

ओबीसी आरक्षण झारखंड में 14 प्रतिशत क्यों है ?

नवीन मेल संवाददाता

रांची/नई दिल्ली। गोड्डा से बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को लोकसभा में सवाल उठाया कि ओबीसी समुदाय झारखंड में इतना कम क्यों है। देश भर में ओबीसी समुदाय को 27 फीसदी आरक्षण मिलता है, लेकिन झारखंड में 14 प्रतिशत क्यों। निशिकांत दुबे ने कहा, पूरे देश में कांग्रेस पार्टी सहित समस्त विपक्ष जातिगत जनगणना की बात कर रही है। पिछड़ों के साथ हमेशा ही अन्याय होता आया है। प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने ओबीसी आरक्षण आयोग का गठन किया, जिसे उन्होंने संवैधानिक दर्जा भी प्रदान किया। जिस तरह से एससी और एसटी आयोग है, उसी तरह से अब ओबीसी आयोग भी है। मैं झारखंड की स्थिति की बात करना चाहता हूं। पूरे देशभर में ओबीसी समुदाय को 27 फीसद आरक्षण देने का प्रावधान है, लेकिन झारखंड में महज 14 फीसद आरक्षण दिया जाता है, जिसकी वजह से समुदाय

पूरे देशभर में ओबीसी समुदाय को 27 फीसद आरक्षण देने का प्रावधान है

परेशान है। उन्होंने आगे कहा, कई ऐसे लोग हैं, जिन्हें जनजातीय वर्ग में होना चाहिए, लेकिन उन्हें ओबीसी वर्ग में डाल दिया गया है। मैं पिछले कई समय से मांग कर रहा हूं कि प्रदेश में कई ऐसी जातियां हैं, जिन्हें एसटी समुदाय में डालने की आवश्यकता है, ताकि ओबीसी समुदाय के लोगों को उनका हक मिल सके, लेकिन आज तक इस संबंध में वहां की मौजूदा सरकार ने ना ही केंद्र सरकार को कोई नोटिस भेजा और ना ही अभी तक ओबीसी आयोग को कोई नोटिस भेजा।

मेरा आपके माध्यम से भारत सरकार से आग्रह है कि जब सब जगह 27 फीसद आरक्षण है और कांग्रेस लगातार जातिगत जनगणना की मांग कर रही है। ऐसे में आखिर ओबीसी समुदाय के हितों पर हम क्यों कुठाराघात कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मेरा झारखंड सरकार से आग्रह है कि वो प्रदेश में ओबीसी समुदाय को 25 फीसद आरक्षण दिलाने की दिशा में मार्ग प्रशस्त करें। यह उनका हक है, जो कि उन्हें मिलना चाहिए, मगर मौजूदा सरकार की निष्क्रियता की वजह से उन्हें यह हक नहीं मिल पा रहा है।

मुझे पूरी उम्मीद है कि आपके जरिए मेरी बात झारखंड सरकार तक पहुंचेगी और वो ओबीसी समुदाय को आरक्षण दिलाने की दिशा में जरूर कदम उठाएंगे।

संथाल में आदिवासी अपनी पहचान बचाने की कर रहे जद्दोजहद : मरांडी

बाबूलाल ने आगे लिखा कि वर्तमान समय में आदिवासी समाज पर बहुत ही विकराल संकट छाया है।

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के जनसंख्या विस्फोट के कारण संथाल परगना में आदिवासी समाज अपनी पहचान बचाने की जद्दोजहद कर रहा है। उन्होंने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि आदिवासियों के अस्तित्व को मिटाने का षड्यंत्र सिर्फ जमीन की लूट और लव जिहाद तक ही सीमित नहीं है,

बांग्लादेशी घुसपैठिए संथाल आदिवासियों को नशे की गिरफ्त में फंसाकर उन्हें बर्बाद करने की साजिश रहे हैं। बाबूलाल ने आगे लिखा कि वर्तमान समय में आदिवासी समाज पर इतना विकराल संकट छाया है। इसके बावजूद मुख्यमंत्री द्वारा बांग्लादेशी घुसपैठियों के पक्ष में बयान देना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। हेमंत ने सदन के अंदर बांग्लादेशी घुसपैठियों का बचाव कर अपनी मंशा बिल्कुल स्पष्ट कर दी है कि जेएमएम-कांग्रेस सरकार की प्राथमिकता अपने मुस्लिम वोट बैंक को संरक्षण देना है, ना कि अस्तित्व संकट से जूझ रहे आदिवासी समाज को। नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने भी एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अगर जनता को ठगने की कोई प्रतियोगिता होती तो 'झामुमो-कांग्रेस-राजद ठगबंधन सरकार' इसमें स्वर्ण पदक पाती। एक तरफ मुफ्त बिजली देने का ढकोसला और दूसरी तरफ जनता का जीना मुश्किल कर देना। इन ठग नीतियों का जवाब झारखंड की जनता जल्दी देगी।

सजायफ्ता पूर्व विधायक पौलूस सुरीन को नहीं मिली जमानत

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने पुलिस मुखबिरी के आरोप में भूषण कुमार सिंह और राम गोविंद की हत्या मामले में सजायफ्ता पूर्व तोरपा के विधायक पौलूस सुरीन की जमानत याचिका खारिज कर दी। गुरुवार को झारखंड हाई कोर्ट में पौलूस सुरीन की ओर से सजा के खिलाफ दाखिल क्रिमिनल अपील पर सुनवाई हुई। दरअसल, अपर न्यायाधीश दिनेश कुमार की कोर्ट ने पौलूस सुरीन और नक्सली जेठा कच्छप को दोहरे हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने पौलूस सुरीन पर 25 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है, जबकि जेठा कच्छप पर 45 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है । जुमार्ना की राशि नहीं देने पर दोनों अभियुक्तों को 1 साल की अतिरिक्त

सजा भुगतनी होगी। पौलूस सुरीन दो बार झामुमो के विधायक रह चुके हैं। पौलूस सुरीन ने अपनी सजा के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील दाखिल की है। हाई कोर्ट ने गुरुवार को इस मामले में पूर्व विधायक सुरीन की जमानत याचिका खारिज कर दी। घटना खूंटी के तोरपा में साल 2013 की है। पुलिस मुखबिर भूषण सिंह और राम गोविंद की हत्या कर दी गई थी। मामले में पौलूस सुरीन ,नक्सली जेठा कच्छप, कृष्णा महतो और तीन महिला समेत छह आरोपित ट्रायल फेस कर रहे थे।

नशा उन्मूलन पर संत जॉन हिन्दी मीडियम स्कूल में डालसा का कार्यक्रम

बच्चों को नशे की आदत लगने से उनका पूरा भविष्य बर्बाद हो जाता : पीएन सिंह

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झालसा के निर्देश पर न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष के मार्गदर्शन में संत जॉन हिन्दी मीडियम स्कूल में नशा उन्मुलन पर जागरूकता कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मध्यस्थ पीएन सिंह ने कहा कि बच्चों को नशा की आदत लगने से उनका पूरा भविष्य बर्बाद हो जाता है। लाईफ सेवर्स एनजीओ के अतुल गेरा ने कहा कि बच्चे भारत के भविष्य है। इन्हें हर हाल में ड्रग्स से दूर रखना चाहिए। एनसीबी के कुमार मनोहर मंजूल ने कहा कि ड्रग्स, गांजा या चरस तथा अफीम लेने से दूसरे दिन हमारा शरीर फिर उसी समय नशा का मांग करने लगता है। अपने शरीर, अपने समाज एवं राज्य को नशामुक्त बनाना

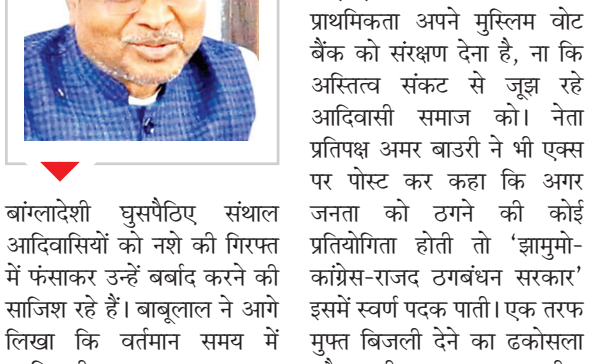

एलएडीसी अधिवक्ता राजेश कुमार सिन्हा ने संविधान के अनुच्छेद 47 पर किया फोकस

है। एलएडीसी अधिवक्ता राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि मानव औषधियां और मनःप्रभावी पदार्थ-1985 के अधीन अफीम, गांजा, हिरोईन, ब्राउन शुगर एवं अन्य तरह के मादक पदार्थों का व्यापार करना तथा अफीम की खेती करना अपराध है। इन पदार्थों की खरीद-विक्री, भंडारण, उपभोग, उपयोग, एक राज्य से दूसरे राज्य में तस्करी करना कानून अपराध है। इन अपराधों की सजा के बारे में जानकारी दी गयी। इसके अलावा एनडीपीएस, एनसीबी तथा संविधान के अनुच्छेद-47 के संबंध में फोकस किया। सजा को तीन कैटेगरी स्मॉल, इंटरमीडिएट, कॉमर्शियल में बांटा गया है। इसमें 2 से 10 साल की न्यूनतम सजा और अधिकतम सजा 20 साल तथा 2 लाख का जुमार्ना भी है। दुबारा अपराध करने से सजा बढ़ जाती है। एनसीबी के चंदन कुमार ने कहा कि ड्रग्स लेने से हमारे सोचने समझने की क्षमता खत्म हो जाती है। सारे अपराध की जड में नशा होता है। 28 सितम्बर को होनेवाले राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में भी छात्र-छात्राओं को बताया गया तथा उनके बीच नशा से संबंधित लिफलेट और पम्पलेट का वितरण भी किया गया। मौके पर एलएडीसी अधिवक्ता राजेश कुमार सिन्हा, मध्यस्थ पी.एन. सिंह, लाईफ सेवर्स एनजीओ के अतुल गेरा, सीआईडी-डीएसपी, अनूज उरांव, एनसीबी के, कुमार मनोहर मंजूल, चंदन कुमार, आशीष शीतल मुंडा, पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण, पीएलवी, भुप्रताप महतो, मानव कुमार, संगीता देवी, संगीता सिंह एवं संत जॉन्स हिन्दी मीडियम स्कूल के प्रधानाध्यापक, शिक्षक-शिक्षिकाए व अन्य उपस्थित थे। रांची-सीआईडी-डीएसपी अनुज उरांव ने बताया कि कहीं पर भी कोई नशा करता हो या नशा का सामान बेचता हो तो टॉल फ्री नम्बर 9771432110 पर सूचना दी जा सकती है। सीआईडी का नम्बर - 9199497829, राष्ट्रीय टॉल फ्री नम्बर - एन.सी.बी. -1933

न्यूज बॉक्स

राज्यपाल अब होंगे झारखंड के वोटर

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने गुरुवार को राजभवन पहुंचकर राज्यपाल संतोष गंगवार से शिष्टाचार मुलाकात की और उनका वोट बनवाने के लिए फार्म भरवाया। इस मौके पर सीईओ कुमार के साथ रांची विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार ने राज्यपाल का नाम झारखंड की मतदाता सूची में स्थानांतरित करवाने के लिए फार्म 8 भरवाया। इस प्रकार मतदाता सूची में नाम स्थानांतरण की औपचारिक प्रक्रिया पूरी की गयी, शीघ्र ही उनका नाम रांची विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में दर्ज हो जाएगा और वे झारखंड के मतदाता बन जाएंगे।

राज्यपाल को ब्रह्मकुमारी निर्मला बहन ने बांधी राखी, दिया स्मृति चिन्ह

रांची। झारखंड के नये राज्यपाल महामहिम संतोष गंगवार के साथ राजभवन में ब्रह्मकुमारी निर्मला बहन ने चौधरी बगान, हरमू रोड ब्रह्माकुमारी संस्थान के प्रतिनिधि मंडल के साथ मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन ने उन्हें संस्था की गतिविधियों तथा सेवाओं से परिचित कराया तथा ईश्वर की ओर से स्मृति चिन्ह प्रसादम्-तथा ईश्वरीय सौगात भेंट की। सावन महीने के पावन अवसर पर राज्यपाल को ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन ने रक्षा सूत्र बांधा। निर्मला बहन ने कहा कि राखी के रेशमी धागे रुपए दो रुपए की चीज नहीं है। यह मानव में पवित्रता की धारणा कराने वाली अमूल्य उपहार है। राखी की पुण्य प्रदायक भावना विश्व को स्वर्ग बना सकती है। राज्यपाल ने संस्था की गतिविधियों में रूचि दिखाते हुए अपने पूर्व के कुछ अनुभव साझा किये तथा आभार व्यक्त किया।

राज्यपाल संतोष गंगवार ने घायल जवान के स्वास्थ्य की जानकारी ली

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार गुरुवार को राजधानी के राज अस्पताल पहुंचे। वहां उन्होंने पश्चिमी सिंहभूम जिलान्तर्गत छोटानागरा थाना क्षेत्र के बालिबा में आईईडी ब्लास्ट में घायल हुए सीआरपीएफ कोबरा जवान जितेन्द्र दानी के स्वास्थ्य की जानकारी ली। राज अस्पताल के चिकित्सकों ने राज्यपाल को जितेन्द्र के स्वास्थ्य से संबंधित पूरी जानकारी बताई। राज्यपाल ने जवान जितेन्द्र दानी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

आदिवासी अपने में ही खुश है : सुखदेव

रांची। लोहरदगा सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि आदिवासी समाज हर क्षेत्र में संक्रमण दौर से गुजर रहे हैं विश्व में जिस प्रकार के परिवर्तन हो रहे हैं और विकास का पैमाना जैसे सेट किया हुआ है। उसे पैमाने पर यह सेट नहीं हो पा रहे हैं। आज जो विकास का पैमाना तय किया गया है बड़ी-बड़ी भावन और मॉडर्न की लेकिन आदिवासी समाज अपने आप को यहां इसलिए कंफर्ट महसूस नहीं कर पाते हैं क्योंकि वह अपने आप में खुश रहते हैं मेहनती हैं और उनके जीवन शैली बहुत ही साधारण है वह ज्यादा पैसा कमाने और ज्यादा पैसा बचाने पर ध्यान नहीं देते हैं। उनमें किसी प्रकार की कोई दहेज भी नहीं चलता है जिस कारण से उनकी जरुरत कम होती है। झारखंड अलग राज्य बनने का संघर्ष लगभग 87 साल पुराना था। 1913 में यह संघर्ष शुरू हुआ और 2000 में झारखंड अलग राज बना। झारखंड को एजुकेशन हब टूरिज्म हब स्पोर्ट्स हब के तौर पर विकास किया जा सकता है इसमें उनका विकास का पैमाना तय हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट की एक बात आई है कि क्रीमीलेयर के बारे में क्रीमीलेयर तैयार करने की क्या जरूरत है जबकि हर क्षेत्र में बैंकलोक की फुलफिल नहीं हो पता है। हम दो लोगों की बात करेंगे एंजेलिना मरिना तिर्की और रिया तिर्की जो विश्व स्तर पर नाम बना रही है वहीं सलीम टेटे और नीकी प्रधान जैसी झारखंड की बेटी हॉकी में विश्व भर में अपनी पहचान बना रही है मैं यहां नेहरू को भी वोट करूंगा मुख्य धारा में लाने के लिए उनके सोशल जीवन और परंपरा को भी साथ लेकर चलना होगा। कोटा जैसा छोटा जगह जब डेवलप कर सकता है तो झारखंड क्यों नहीं अच्छा पूरे भारत में एकमात्र विद्यालय है नेतरहाट जहां से सबसे ज्यादा छात्र आईएस और आईपीएस दिए हैं।

भाजपा महानगर जिला अध्यक्ष ने महानगर कमेटी व मंडल अध्यक्षों की घोषणा की

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के निर्देशानुसार रांची महानगर जिला के अध्यक्ष वरूण कुमार साहू ने अपनी 23 सदस्यीय महानगर कमेटी और रांची के 19 मंडल अध्यक्षों की घोषणा कर दी है। अपनी कमेटी में उन्होंने राजेश कुमार सिंह, बसंत दास, अनीता वर्मा, संजीव चौधरी, सुरेश प्रसाद और विनय सिंह को उपाध्यक्ष बनाया है, जबकि बलराम सिंह और जितेंद्र वर्मा को महामंत्री, बलसाय महतो, बीना मिश्रा,अजीत भगत, पूनम जयसवाल, आशुतोष गिरी, विकाश रवि को मंत्री, रोशन शर्मा को कोषाध्यक्ष, देवेंद्र शर्मा को कार्यालय मंत्री और सोनू सिंह को सह कार्यालय मंत्री, विश्वजीत सिंह को मीडिया प्रभारी, तरुण जयसवाल,सह मीडिया प्रभारी, नयन परमार आईटी सेल संयोजक, विशाल अग्रवाल, आईटी सेल सह संयोजक एवं दीपम बनर्जी को सोसल मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी दी है। वरूण साहू ने ओम प्रकाश पांडेय को सुखदेव नगर उत्तरी, अशोक मिश्रा को सुखदेव नगर दक्षिणी, सुजीत शर्मा को चुटिया, विनोद महतो को अपर बाजार, सूर्य प्रताप सिंह को लालपुर, आनंद वर्मा को लोवर बाजार, नवीन सोनी को लोवाडीह, ऋषभ खखड़ को हिंदपीढ़ी, सुबेश पांडेय को पंडरा, इंद्रजीत यादव को हरमू,रामजी प्रसाद को जगन्नाथपुर, पप्पू जयसवाल को हिनू, राम मनोज साहू को हटिया, पीयूष विजयवर्गीय को डोरंडा, विशाल साहू को अरगोड़ा, राम लगन राम को गोंदा, रणधीर सिंह को बरियातू सुभाष अग्रवाल को कोकर और उमेश यादव को धुर्वा मंडल का अध्यक्ष मनोनित किया है। नई कमेटी की घोषणा पर महानगर पदाधिकारियों और मंडल अध्यक्षों को प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ, नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू, प्रदीप वर्मा, मनोज सिंह, सीपी सिंह, नवीन जयसवाल और समरी लाल ने बधाई दी है।

एक नजर

निर्मल दा का संघर्ष और बलिदान युवाओं को हमेशा प्रेरित करता रहेगा : सुधीर

रामगढ़। दुलमी प्रखंड के बुध बाजार सिरु में 8 अगस्त को वीर शहीद निर्मल महतो के शाहदत दिवस पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई और उनके संघर्ष और बलिदान को याद किया गया। मुख्य अतिथि दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश कहा, ₹निर्मल महतो ने झारखंड के लोगों के अधिकारों के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उनका संघर्ष और बलिदान हमें सदा प्रेरित करता रहेगा। उनके अद्वितीय नेतृत्व और साहस के कारण आज हम स्वतंत्र झारखंड में सांस ले रहे हैं। कहा कि यह दिन हमें उनके सिद्धांतों और आदर्शों का पालन करने के लिए संकल्पबद्ध करता है। शहीद निर्मल महतो का जीवन संघर्ष और समर्पण का उदाहरण है। उन्होंने झारखंड के सभी वर्गों व समाज को एकजुट कर उनके हक और अधिकारों की लड़ाई लड़ी। आज हम उनके आदर्शों पर चलकर झारखंड के विकास में अपना योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कराटे बेल्ट ग्रेडेशन में 200 कराटेकारों ने लिया हिस्सा

बरकाकाना। डीएवी बरकाकाना में गुरुवार को एकदिवसीय बेल्ट ग्रेडेशन का आयोजन किया गया। इसमें 200 से अधिक कराटेकारों ने उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम की मुख्य आकर्षण शिहान मानस सिन्हा (ब्लैक बेल्ट 8वीं डैन) की उपस्थिति रहे, जो इस ग्रेडेशन के मुख्य परिक्षक थे। शिहान सिन्हा ने कराटेकारों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और तकनीकी कौशल की सराहना की। उन्होंने छात्रों के प्रदर्शन को अत्यंत प्रभावशाली बताते हुए कहा कि यह बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए कराटे जैसी विधाओं का अभ्यास करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके साथ शिहान शशि पांडेय और सेंसई संजय सोनकर ने भी ग्रेडेशन में सहयोग किया। इस ग्रेडेशन कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक शिहान मानस सिन्हा के साथ-साथ, प्रशिक्षक राहुल पांडेय और विनय रंजन भी उपस्थित थे।

जदयू कार्यकर्ताओं की डाड़ी प्रखंड में हुई बैठक

गिद्दी। जदयू कार्यकर्ताओं की डाड़ी प्रखंड स्तरीय बैठक डाड़ी ग्राम स्थित मनोज राम के आवास पर हुई। बैठक में मांडू विधानसभा प्रभारी दुष्यंत पटेल, प्रदेश उपाध्यक्ष कुमेश्वर महतो, हजारीबाग जिला अध्यक्ष प्रभुदयाल कुशवाहा, युवा जदयू के जिला अध्यक्ष प्रदीप रजक उपस्थित थे। बैठक में विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर पंचायत अध्यक्षों से बूथों की स्थिति पर चर्चा की गई। इसके बाद प्रखंड के पंचायत कमेटी का 15 अगस्त तक पुर्नगठन करने का निर्णय लिया गया। जिसके लिए रेलीगढ़ा पूर्वी, रेलीगढ़ा पश्चिमी और हेसालोंग पंचायत चितरंजन कुमार, गिद्दी क, गिद्दी ख, गिद्दी ग टोंगी पंचायत प्रदीप रजक, बलसगरा, रबोध, होन्हेमोढ़ा, हुवाग पंचायत दिनेशेश्वर महतो, मिश्राईन मोढ़ा तिलकधारी महतो और प्रदीप रजक को जिममेवारी दी गई। इसके बाद डाड़ी प्रखंड स्तरीय सम्मेलन करने का निर्णय लिया गया।

सरस्वती विद्या मंदिर का संकुल स्तरीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन

शानदार प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

रामगढ़ संकुल के आठ विद्यालयों के कुल 450 प्रतिभागी शामिल हुए थे प्रतियोगिता तीन वर्गों में आयोजित की गई थी

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़ कोयलांचल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर रजरप्पा के भैया बहनों द्वारा संकुल स्तरीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता में शानदार सफलता प्राप्त करने पर 8 अगस्त को वंदना सभा में उन्हें सम्मानित किया गया। यह प्रतियोगिता 7 अगस्त को सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, गिद्दी बस्ती में आयोजित किया गया था जिसमें रामगढ़ संकुल के आठ विद्यालयों के कुल 450 प्रतिभागी शामिल हुए थे। प्रतियोगिता का विषय क्रमशः विज्ञान, वैदिक गणित, संस्कृत, कंप्यूटर, अंग्रेजी, संस्कृति बोध, मूर्ति कला तथा आशु भाषण थे। यह प्रतियोगिता तीन वर्गों- शिशु, बाल तथा किशोर आयोजित हुई ।रजरप्पा विद्यालय से कुल 56 भैया बहन इस प्रतियोगिता में सम्मिलित हुए थे। जिसमें प्रथम स्थान में नेहा, मानशी, आयुष, वर्षा, अवनीश, हर्षित, तनिश, जीवन, निशांत, दीपक, महेंद्र, सुभम तृतीय स्थान में सुशान्त, रौनक, अनिकेत, आदित्य, अक्षित, शिवम, शेखर, सम्राट,साधना, शिवम, उत्कर्ष रहे। सभी सफल भैया बहनों को विद्यालय के अध्यक्ष उपेंद्र नारायण प्रसाद, उपाध्यक्ष चंद्रशेखर चौधरी, प्रचार्य उमेश प्रसाद सहित सभी आचार्य एवं दीदी जी ने बधाई दी एवं आगे होने वाले विभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी।

भाजपा के जिला आईटी सेल संयोजक बने प्रवीण सोनू

पार्टी संगठन के सौंपे गए दायित्व पर खरा उतरने का करूंगा प्रयास

सोनू को उनके बेहतर कार्यों को देखते हुए पुनः जिला आईटी सेल संयोजक के पद पर मनोनीत किया गया

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़ भारतीय जनता पार्टी रामगढ़ जिला के अध्यक्ष प्रवीण मेहता ने पार्टी के रामगढ़ जिला के कमेटी का विस्तार किया है\। कमेटी के विस्तार में भाजपा रामगढ़ जिला के युवा नेता प्रवीण कुमार सोनू को उनके बेहतर कार्यों को देखते हुए पुनः जिला आईटी सेल संयोजक के दायित्व में मनोनीत किया गया है ।इसके लिए प्रवीण कुमार सोनू ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व, प्रदेश नेतृत्व, हजारीबाग लोकसभा के सांसद एवं रामगढ़ जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता का आभार व्यक्त किया है । उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में युवा मोर्चा से लेकर भाजपा तक के सफर में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मैं सदैव अपनी पूरी निष्ठा और लगन के साथ संगठन के हित में आगे भी कार्य करूंगा और संगठन ने जिस आशा और विश्वास के साथ मुझे जिम्मेवारी सौंपी है उसपर पूरे ईमानदारी के साथ खरा उतरने का प्रयास करूंगा।

न्यूज बॉक्स

दोषी कंपनी के मालिकों व फैक्टरी इंस्पेक्टर पर आपराधिक मामला दर्ज

हजारीबाग स्थित पवनपुत्र स्टील प्लांट की घटना जघन्य अपराध है : दीपक प्रकाश

हजारीबाग । बरही स्थित पवनपुत्र स्टील प्लांट में बॉयलर फटने से 06 मजदूरों की मृत्यु तथा दर्जनों लोगों की घायल होने की घटना पर भाजपा के निवर्तमान अध्यक्ष सह राज्यसभा में सचेतक दीपक प्रकाश ने दुःख व्यक्त किया है.श्री प्रकाश ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि है यह घटना कोई हादसा नहीं बल्कि फैक्टरी मालिकों एवं फैक्ट्री इंस्पेक्टर की सुरक्षा मानकों के साथ बरती गई लापरवाही का नतीजा है। यह एक जघन्य अपराध है। श्री प्रकाश ने मुख्यमंत्री को इस मामले में एक पत्र लिख कर इस हादसे के दोषी कंपनी के मालिक भूपेंद्र अग्रवाल और स्नेह जैन पर सुसंगत धाराओं में अपराधिक मामला दर्ज करने तथा सुरक्षा मानकों में लापरवाही बरतने वाले फैक्ट्री इंस्पेक्टर राहुल कुमार को तुरंत निलंबित करते हुए विभागीय कारवाई करने की मांग की है. उन्होंने इस हादसे में घायल हुए सभी लोगों की बेहतर इलाज कराने तथा उनको मुआवजा राशि भी देने की मांग की है। उक्त आशय की जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी जयनारायण प्रसाद द्वारा दी गई।

कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने मंईयां सम्मान योजना शिविर का किया निरीक्षण

हजारीबाग। कटकमसांडी प्रखंड में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने शहापुर पंचायत, ढौठवा पंचायत, आराभुसाई पंचायत और रेबर पंचायत, बाझा पंचायत, डांटो खुर्द पंचायत, कटकमसाड़ी पंचायत,में आयोजित मंईया योजना के शिविरों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने महिलाओं से मुलाकात की और शिविर में हो रही गतिविधियों की समीक्षा की। महिलाओं ने मंईया योजना की सराहना करते हुए इसे उनके लिए एक महत्वपूर्ण योजना बताया और अपनी खुशी जाहिर की। दौरे के बाद, मुन्ना सिंह ने कटकमसांडी पंचायत के निवासी स्वर्गीय इशाक मियां के सुपुत्र मो. रियाज के परिवार से भी मुलाकात की, जिनका कुछ दिन पूर्व बज्रपात के कारण निधन हो गया था। इस अवसर पर शाहापुर पंचायत की मुखिया सुनीता देवी, मुखिया प्रतिनिधि शंभू यादव, ढौठवा पंचायत के मुखिया जय प्रकाश केशरी, आराभुसाई के पूर्व मुखिया रहमत मियां, रेबर पंचायत की मुखिया कलावती देवी और मुखिया प्रतिनिधि हलधर यादव डांटो खुर्द पंचायत की मुखिया कुमारी बाखला, आकाश सिंह, इंद्रदेव यादव, मोहम्मद अनवर और सनाउल्लाह खान, रंजीत यादव, सरजु यादव, विक्की कुमार धान, सुजीत सिंह, दिनेश यादव मौजूद रहे।

हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज एंड हॉस्पिटल ने लगाया मुफ्त दंत चिकित्सा शिविर

हजारीबाग । कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज एंड हॉस्पिटल ने कैनरी हिल रोड अवस्थित माउंट एग्मोंट स्कूल में दिन गुरूवार को बाल चिकित्सा और निवारक दंत चिकित्सा विभाग द्वारा मुफ्त दंत चिकित्सा शिविर और एक स्कूल स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर का नेतृत्व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. स्वाति सिंह ने किया। डेंटल कॉलेज के सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास, प्राचार्य डॉ. के. श्रीकृष्ण तथा उप प्राचार्य डॉ. अंकुर भार्गव के मार्गदर्शन में लगाया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. युवराज सिंह ने किया। जिसमें 750 छात्रों की जांच की गई। उन्हें मौखिक स्वास्थ्य के बारे में सलाह दी गई तथा शिक्षित किया गया। इस दौरान माउंट एग्मोंट स्कूल के प्राचार्य शिव प्रकाश दुबे, प्रशासनिक अधिकारी पंकज कुमार रंजन, निदेशक सी.के. सिंह, ट्रस्टी मंजू सिंह एवं देव प्रताप सिंह ने डेंटल कॉलेज के डेंटल टीम का स्वागत व अभिनंदन किया तथा शिविर में छात्रों को दांतों का बेहतर उपचार व सलाह देने के लिए आभार प्रकट किया। मौके पर स्नातकोत्तर छात्र डॉ. सौम्या साल्वी, डॉ. अमित प्रकाश और डॉ. अनय शैलानी ओराँव, प्रशिक्षु डॉ. मोबिंजिता, डॉ. खुशबू, डॉ. अमनदीप, डॉ. श्रेया, डॉ. रश्मि, सहायक कर्मचारी फुलकेरिया पूर्ति एवं अभिषेक कुमार ने अपना सरहानीय योगदान दिया।

परमेश्वर साव बरकट्ठा और भोला प्रसाद बने बेडोकला भाजपा मंडल अध्यक्ष, लोगों ने दी बधाई

बरकट्ठा। विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने मंडल अध्यक्षों की नई सूची जारी की है। बरकट्ठा मंडल अध्यक्ष का कमान जहां प्रमेश्वर साव को सौंपी गई है। वहीं बेडोकला मंडल का जिम्मा भोला प्रसाद को दोबारा दिया गया है। मंडल अध्यक्षों ने कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी सौंपी है उसे निष्ठापूर्वक निर्वहन करुंगा। वहीं नये अध्यक्षों को विधायक अमित कुमार यादव, रघुवीर प्रसाद, केदार साव, रीतलाल प्रसाद,समन ठाकुर, सुरेन्द्र पासवान, सुमन प्रसाद, सुशील कुमार पाण्डेय, नारायण प्रसाद, राजकुमार यादव, सुरेन्द्र साव, छोटेलाल मेहता, दिलीप प्रसाद, इंद्रदेव यादव,सूर्यदेव मंडल उर्फ टिंकू, अनिल आजाद, सरयू यादव, मुकेश राय, भोला राम, इंद्रदेव यादव, रामेश्वर यादव,छोटी मंडल, बिरेंद्र शर्मा, छोटेलाल प्रसाद, नंदलाल मण्डल समेत आदि भाजपा कार्यकताओं ने बधाई दी है।

उपायुक्त ने किया जिला कोषागार कार्यालय का निरीक्षण

महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरा लगाने का दिया निर्देश

सुरक्षा के दृष्टिकोण से लगे अग्निशमन यंत्र एवं सीसीटीवी एवं सुरक्षा गार्ड की उपस्थिति की जांच की

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग उपायुक्त नैंसी सहाय ने गुरुवार को समाहरणालय भवन अवस्थित जिला कोषागार कार्यालय का निरीक्षण किया। उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान स्टाक पंजी, स्टांप पंजी,ओपनिंग व क्लोजिंग रजिस्टर,अग्निशमन यंत्र, वज्रगृह सुरक्षा गार्ड एवं बज्रगृह के सुरक्षा के सुदृढ़ीकरण से संबंधित निर्गत प्रमाण पत्रों इत्यादि की गहनता से जांच की। निरीक्षण के क्रम में कोषागार पदाधिकारी उज्जवल चौरसिया द्वारा सीसीटीवी के अधिष्ठापन की आवश्यकता जताई, इसपर उपायुक्त ने तत्काल संपूर्ण समाहरणालय परिसर समेत आवश्यकतानुरूप महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्देश दिया। उपायुक्त कोषागार के महत्वपूर्ण फाइलों की जांच की। उन्होंने बिल आदि के भुगतान संबंधी संचिका, आउटसोर्सिंग वेतन भुगतान संबंधी फाइल, स्टॉक रजिस्टर, सर्विस बुक,कार्यरत कर्मचारियों की जानकारी ली एवं संपूर्ण कार्यालय का निरीक्षण किया। मौके पर उन्होंने कहा की कोषागार में संचिका, विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्न पत्र एवं महत्वपूर्ण दस्तावेज रखे जाते हैं। उन्होंने स्ट्रांग रूम में लगे फायर सेफ्टी यंत्र की क्रियाशीलता एवं सुरक्षा प्रहरियों की उपलब्धता व रोस्टर ड्यूटी चार्ट का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अप्रचलित स्टाम्प,पुराने रिकार्ड एवं अन्य खराब पड़े सामग्रियों, पुराने चुनावी सामग्रियों का प्रबंधन करने के लिए विभाग से समन्वय स्थापित कर कार्रवाई करने को कहा। उपायुक्त ने पोस्ट रिटायरमेंट बेनिफिट्स,पेंशन आदि मामलों को प्राथमिकता के साथ निष्पादित करने की बात कही।

झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा की पंचायत कमेटी गठित

रामगढ़। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा रामगढ़ इकाई अंतर्गत पतरातू प्रखंड के कडरु में पंचायत कमेटी गठन 8 अगस्त को किया गया। बैठक की अध्यक्षता उमेश बेदिया तथा संचालन विजय बेदिया ने किया। बैठक में केंद्रीय पदाधिकारी, जिला को कमेटी सदस्य, प्रखंड कोर कमेटी सदस्य, पंचायत पदाधिकारी व सक्रिय सदस्य उपस्थित हुए। केंद्रीय संगठन महासचिव राजेंद्र बेदिया ने कहा की जेबीकेएसएस /जेएलकेएम के सुप्रीमो टाइगर जयराम महतो के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा सभी संप्रदाय के लोगों को साथ मिलकर अभी एकजुट होने का जरूरत है। कहा की झारखंड का विकास टाइगर जयराम महतो के हाथों ही संभव है। कमेटी विस्तार में बारीडीह पंचायत के संरक्षक पद पर राम केसर बेदिया, अध्यक्ष उमेश बेदिया, उपाध्यक्ष विकास मुंडा, मुकेश बेदिया, सचिव बिजय बेदिया सह सचिव कलेंद्र बेदिया, सूरज बेदिया, कोषाध्यक्ष टेक लाल बेदिया, संगठन सचिव रामू बेदिया, सीताराम बेदिया, मीडिया प्रभारी आजेश बेदिया, रतन बेदिया, तथा महिला मोर्चा अध्यक्ष नेहा कुमारी को सर्वसम्मति से बनाया गया है।

राधा गोविंद विवि के छात्रों ने मनाया आदिवासी दिवस

आदिवासियों की बहुमूल्य संस्कृति के बारे में विस्तार से चर्चा की गई

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़ गुरुवार को राधा गोविंद विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं इतिहास विभाग के छात्रों ने आदिवासी विश्वदिवस के उपलक्ष्य में एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और आदिवासियों के बहुमूल्य संस्कृति के बारे में विस्तर चर्चा और परिचर्चा की गई । चर्चा के दौरान जल जंगल जमीन का बचाव एवं पर्यावरण की रक्षा आदि जैसे विषयों को भी रखा गया। अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ कार्लोस टोप्पो, डॉ मिश्रा (हिंदी विभाग), सहायक प्राध्यापक डॉ राकेश कुमार महतो, डॉ दिलकेश्वर प्रसाद, डॉ रविंद्र पासवान साथ ही इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ पूनम एवम सहायक अध्यापक डॉ ममता कुमारी के देखरेख में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्व आदिवासी दिवस के सफल आयोजन पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी.एन साह, ट्रस्ट के सचिव सचिव प्रियंका कुमारी, कुलपति प्रो. (डॉ.) समरेंद्र नाथ साहा, उपकुलपति प्रो.(डॉ.) रश्मि, कुलसचिव प्रो. (डॉ.) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ.संजय कुमार परीक्षा नियंत्रक प्रो. (डॉ.) अशोक कुमार, प्रबंध समिति के सदस्य अजय कुमार ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

केंद्रीय कृषि मंत्री से मिले हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल

कृषि विज्ञान केंद्र हजारीबाग को कार्यात्मक करने की मांग की

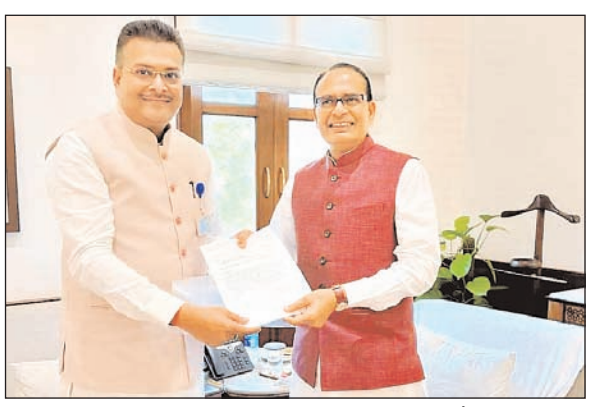

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने दिल्ली स्थित कार्यलय सभागार में मुलाकात कर हजारीबाग कृषि विज्ञान केन्द्र व उनके कर्मचारियों की समस्या से उन्हें अवगत कराया । सांसद मनीष जायसवाल ने बताया कि हजारीबाग का कृषि विज्ञान केन्द्र (केवीके) वर्ष 1985 से 2021-22 तक होली क्रॉस संस्थान के अंतर्गत कार्यरत था। होली क्रॉस संस्थान में कुछ अनियमितताओं के संज्ञान में आने के उपरांत केवीके परियोजना को पूर्णरूपेण बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची, झारखंड को स्थान्तरित कर दिया गया है एवं कृषि विश्वविद्यालय के हजारीबाग (गौरियाकरमा) स्थित अनुसंधान प्रक्षेत्र में स्थान्तरित किया गया है। सांसद मनीष जायसवाल ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को बताया की केवीके में कार्य कर रहे कर्मचारियों के पुनः बहाल नहीं होने के कारण कृषि विज्ञान केन्द्र कार्यात्मक नहीं हो पा रहा है जिससे क्षेत्र के लाखों किसान केंद्र की योजनाओं एवं नई तकनीक से वंचित हो रहे हैं। केवीके को 2 वर्षों से भी अधिक समय से कार्यात्मक नहीं होने के कारण केंद्र के सभी कर्मचारियों एवं उनके परिवार अपनी आजीविका चलाने में असमर्थ है। सांसद मनीष जायसवाल ने कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से निवेदन किया कि क्षेत्र के लाखों किसान, ग्रामीण महिलाओं एवं युवाओं के हित को ध्यान में रखते हुए केंद के कर्मचारियों को पुनः पद पर बहाल करते हुए कृषि विज्ञान केन्द्र हजारीबाग को कार्यात्मक करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करने की मांग की।

जिला स्तरीय नेहरू हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन

विजेता और उप विजेता टीम को किया गया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़ गुरुवार को जिला स्तरीय नेहरू हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन गांधी मेमोरियल जिला प्लस टू उच्च विद्यालय रामगढ़ में किया गया। प्रतियोगिता के अंडर 17 बालक वर्ग में उत्क्रमित उच्च विद्यालय पाली विजेता और गांधी स्मारक प्लस टू उच्च विद्यालय उप विजेता रहे। अंडर 17 बालिका वर्ग में उत्क्रमित उच्च विद्यालय पाली विजेता और पावन क्रूस विद्यालय भुरकुंडा उप विजेता रहे। अंडर 15 बालक वर्ग में गांधी प्लस टू उच्च विद्यालय ने राज्य स्तर के लिए क्वालिफाय किया। गांधी स्मारक प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक संतोष कुमार आनंद एवं आनंद कुल्लू ने विजेता और उप विजेता टीम को ट्रॉफी और मेडल देकर सम्मानित किया। वहीं, खेल शिक्षक बलविंदर सिंह, शेखर कुमार, मो कमरूद्दीन, दीपक कुमार सिंह, निलेश कुमार ने प्रतियोगिता को बेहतर तरीके से संचालित करने में योगदान दिया। मंच संचालन डॉ सुनील कुमार कश्यप और संजय कुमार ने किया। पुरस्कार का वितरण करते हुए आनंद कुल्लू ने कहा की रामगढ़ के ऐतिहासिक गांधी स्मारक विद्यालय में बच्चे अपनी प्रतिभा निखारने का कार्य कर रहे हैं । प्रधानाध्यापक संतोष कुमार आनंद ने कहा की गांधी स्मारक विद्यालय में प्रतियोगिता का आयोजन होने से विद्यालय प्रबधन गौरवान्वित महसूस कर रहा है। वहीं, डॉ सुनील कुमार कश्यप ने छात्र-छात्राओं से कहा की आप सभी जानते होंगे की खेल के क्षेत्र में जयपाल सिंह मुंडा बहुत बडत्रा नाम थे। जो ओलंपिक विजेता भारतीय हॉकी टीम के सदस्य थे। महेन्द्र सिंह धोनी भारतीय क्रिकेट टीम को सफलता की बुलंदियों तक ले गए।

इनरव्हील क्लब ने सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन कैंप का किया आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़ इनरव्हील क्लब ऑफ रामगढ़ द्वारा 8 अगस्त को होप हॉस्पिटल में सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में क्लब की कई सदस्यों ने वैक्सीन लगवाया। क्लब के सदस्यों ने बताया कि सभी लड़कियों को वैक्सीन यह जरूर लेना चाहिए। कहा की इस वैक्सीन को लेने पर सर्वाइकल कैंसर से काफी हद तक बचा जा सकता है इसलिए लड़कियों को इस वैक्सीन को लगवाना चाहिए। मौके पर पिंकी पोद्दार,नवालजीत कौर,मेघा बागरिया,नमिता श्रॉफ, निधि चौधरी आदि उपस्थित थीं।

आजसू ने शहीद निर्मल महतो के सपनों को साकार करने का लिया संकल्प

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़ आजसू पार्टी जिला कार्यालय में झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता शहीद निर्मल महतो के शहदत दिवस पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पार्टी के केंद्रीय सचिव मनोज कुमार महतो उपस्थित हुए. मौके पर मुख्य अतिथि ने शहीद निर्मल महतो के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया. इसके उपरांत उपस्थित पार्टी कार्यकताओं ने शहीद निर्मल महतो के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया. मौके पर मुख्य अतिथि मनोज कुमार महतो ने कहा कि निर्मल महतो झारखंड अलग राज्य आंदोलन के अग्रणी नेता थे. कहा की उन्होंने अलग झारखंड राज्य निर्माण के लिए अपना बलिदान दिया. श्री महतो ने कहा की शहीद निर्मल महतो की शहादत राज्य के युवाओं को वर्षो तक प्रेरित करती रहेगी. मनोज कुमार महतो ने कहा की शहीद निर्मल महतो का जन्म पूर्वी सिंहभूमि के उल्लूयान गांव में 25 दिसम्बर 1950 ई में हुआ. उन्होंने जमशेदपुर वर्कर्स हाई स्कूल से मैट्रिक किया. जबकि जमशेदपुर कॉ -ऑपरेटिव कॉलेज से स्नातक किया. बताया की शहीद निर्मल महतो ने परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नही रहने के कारण ट्यूशन किया.

एक नजर

मृतक के परिजन ने मालिक मैनेजर व कर्मी पर दर्ज कराया मामला

बरही। जियाड़ा में संचालित पवन पुत्र स्टील प्लांट के फर्नेस भट्टी में हुए ब्लास्ट में उत्तर प्रदेश के बलिया रसरा, गढ़िया गांव निवासी जितेंद्र कुमार की मौत हो गई थी। इस बाबत उसके परिजन ने बरही थाना में आवेदन दिया। आवेदन में उन्होंने फैक्ट्री के मालिक, मैनेजर व कर्मी पर मामला दर्ज करवाया है। इस बाबत पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी चंद्रशेखर कुमार ने बताया कि मृतक की पत्नी के आवेदन के आधार पर बरही थाना में कांड संख्या 337/24 दर्ज कर लिया गया है। मामला फैक्ट्री के मालिक, मैनेजर और कर्मी पर दर्ज की गई है। वहीं उन्होंने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है, दोषियों पर कड़ी करवाई की जाएगी। इधर गुरुवार को पवन पुत्र फैक्ट्री में एसडीओ जोहन टुडू, डीएसपी सुजीत कुमार, सीओ रामनारायण खालको, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी चंद्रशेखर कुमार के द्वारा गहन छानबीन करते नजर आए।

सिमडेगा डीसी ने जनता दरबार लगाकर किया समस्या का समाधान

सिमडेगा। आम जनमानस के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त अजय कुमार सिंह के द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया।इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान उपायुक्त ने वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी एवं आश्वस्त किया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा। उपायुक्त के जनता दरबार में स्वस्थ्य सहायता मुहैया कराने, कुश्ती प्लेयर ने आवश्यक सहायता मुहैया कराने एवं अन्य विषयों से संबंधित मामले आये। उपायुक्त द्वारा जनता दरबार में शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सुनने के पश्चात सभी संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने के लिए अग्रसारित किया।

प्रखंड सभागार में 15 अगस्त को झंडारोहण व फुटबाल खेल को लेकर बैठक आयोजित

बानो। प्रखंड सभागार में 15 अगस्त को झंडोत्तोलन एवं फुटबाल खेल प्रतियोगिता को लेकर प्रखंड सभागार में बैठक का आयोजन बीडीओ नयमुद्दीन अंसारी की उपस्थिति में हुई। प्रखंड कार्यालय , वन विभाग, पशुपालन विभाग, बैंक , विद्यालय एवं सभी कार्यालयों में झंडोत्तोलन की समय सारिणी निर्धारित की गई।बैठक में 15 अगस्त के अवसर पर प्रखंड मुख्यालय स्थित सभी विद्यालयों द्वारा प्रभात फेरी , एस एस प्लस 2 विद्यालयबानो मैदान में झंडोत्तोलन एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन एवं भगवान बिरसा खेल समिति द्वारा आयोजित फुटबाल प्रतियोगिता पर चर्चा हुई।बीडीओ नैमुदिनअंसारी ,थाना प्रभारी विकास कुमार ने सभी कार्यक्रम को सफलता पूर्वक आयोजित करने पर पूरा सहयोग करने की बात कही। जिप सदस्य बिरजों कंडुलना, प्रमुख सुधीर डांग ने भी अपने विचार रखे।

विनोद प्रगतिशील फाउंडेशन ने छाता का किया वितरण

मानव सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं : शरीफुल हक

नवीन मेल संवाददाता। बरही विनोद प्रगतिशील फाउंडेशन के द्वारा अत्यंत गरीब असहाय विकलांग परिवारों के बीच छाता वितरण का अभियान निरंतर जारी है। इसी कड़ी में गुरुवार को सर्वप्रथम बरही प्रखंड के कोनरा पंचायत अंतर्गत साकरी मोहल्ला, बड़ा इमामबाड़ा के परिसर में अत्यंत गरीब असहाय विकलांग महिला पुरुषों के बीच छत का वितरण किया गया। तत्पश्चात फाउंडेशन के सदस्यों ने गया रोड बरही स्थित खान गैरेज के समीप वाहन बनाने वाले कारीगरों के बीच छाता का वितरण किया। छाता वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता फाउंडेशन के अध्यक्ष मंजीत यादव व पूरे अभियान का विधि व्यवस्था का कमान फाउंडेशन के संस्थापक सदस्य शरीफुल हक ने संभाला। मौके पर फाउंडेशन के अध्यक्ष मंजीत यादव ने कहा कि सेवा से शत्रु भी मित्र हो जाता है, इसे करने के लिए इंसान को प्रेम और करुणा की जरूरत होती है, धन की नहीं। छाता वितरण अभियान में मुख्य रूप से फेडरेशन अध्यक्ष मंजीत यादव, शरीफुल हक, मदीना मस्जिद के अध्यक्ष मोहम्मद मुस्ताक, मोहम्मद करीम, मोहम्मद इरशाद, कमरुद्दीन नवाब, बाबू अशरफ, संजय, सोनू, तरन्नुम खातून, मोहम्मद शमशुल, मोहम्मद शाहिद, मोहम्मद कललु, मोहम्मद सलामत, मोहम्मद अनवर, शहजादी खातून, मोहम्मद जमाल, मोहम्मद जमील, मोहम्मद जमशेद याकूब, रफीक निसार, सफीक मियां, इजरायल मुख्तार, इलियास समेत अन्य कई शामिल रहे।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिले कोलेबिरा विधायक

सिमडेगा। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास में झारखंड राज्य के वरिष्ठ नेताओं की एक विशेष बैठक हुई। उक्त बैठक में कोलेबिरा विधायक भी शामिल हुए ।बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने झारखंड राज्य के आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सभी वरीय नेताओं से झारखंड राज्य के गठबंधन सरकार की उपलब्धियों के बारे में पूछा और हमारी सरकार के काम काज का राज्य वासियों पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में भी चर्चा की। सभी नेताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को राज्य के हालात के बारे में बिस्तार से जानकारी देते हुए ये आस्वस्त किया कि हमारे झारखंड राज्य में सरकार बहुत ही अच्छे तरीके से कार्य कर रही है। सभी वर्गों को ध्यान में रखकर जनकल्याणकारी योजनानओं का संचालन किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी के मजबुती के बारे में विशेष चर्चा हुई । जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी वरीय नेताओं को निर्देश दिया कि राज्य के सभी जिलों, प्रखंडों, पंचायतों तथा बुथ स्तर तक कांग्रेस पार्टी के संघटन को चुस्त दुरुस्त करे तथा आगामी आहुत विधानसभा चुनाव की तैयारी पुरजोर तरीके से करें ताकि राज्य में फिर से झारखंडी अस्मिता की जनकल्याणकारी सरकार बन सके।

न्यूज बॉक्स

11 हजार वोल्ट के तार की चपेट में आने से दो मवेशियों की मौत, किसान झुलसा

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम बसरिया में धान के खेत में ग्यारह हजार वोल्ट का करंट प्रवाहित होने से दो मवेशी की मौत हो गई। वहीं 19 वर्षीय प्रकाश कुमार प्रजापति पिता खिरो प्रजापति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरकट्ठा में किया गया। घटना बुधवार लगभग छह बजे शाम को घटी जब मवेशी को लेकर युवक अपने घर की ओर जा रहा था। वहीं बसरिया निवासी बीरबल कुमार प्रजापति ने बताया कि चार दिन पूर्व उसी स्थल पर गांव के ही भातू ठाकुर का दो बैल करंट के चपेट में आने से स्थल पर ही दम तोड दिया। विद्युत विभाग को शिकायत करने पर भी कोई समाधान नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि ग्यारह हजार वोल्टेज का तार काफी नीचे झूल रहा है। लेकिन देखने वाला कोई नहीं है। मवेशी पालक प्रकाश कुमार प्रजापति ने आवेदन देते हुए मुआवजे की मांग की है।

शिक्षक फेरदीनंद तिग्गा की मौत, विधायक भूषण बाड़ा ने जताया शोक

पाकरटाड़। पाकरटाड प्रखंड के सोगडा सरदारटोली निवासी शिक्षक फेरदीनंद तिग्गा की मौत हो गई। उनके निधन की खबर सुनकर विधायक भूषण बाड़ा अपनी धर्मपत्नी सह जिप सदस्य जोसिमा खाखा के साथ उनके पैतृक गांव पहुंचे। साथ ही दिवंगत शिक्षक के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल हुए। विधायक ने परिजनों को शोक सांत्वना दी। साथ ही इस दुख की घड़ी में परिजनों के साथ खड़ा रहने का आश्वासन दिया। गुरुवार को दिवंगत शिक्षक के पार्थिव शरीर का दफन क्रिया किया गया। दफन कार्यक्रम की प्रार्थना पल्ली पुरोहित फादर सिलबानुस केरकेट्टा के द्वारा किया गया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि शीतल एक्का, विधायक प्रतिनिधि अरबिंद लुगुन, प्रतिमा कुजूर, उर्मिला केरकेट्टा, नीला नाग, समीर किंडो आदि भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में पर्यटन संवर्धन परिषद की हुई बैठक

सिमडेगा। उपायुक्त सिमडेगा अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला पर्यटन संवर्धन परिषद की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान बैठक में उपायुक्त द्वारा विभिन्न पर्यटन स्थल के पुराने कार्यों की प्रगति से संबंधित समिति को अवगत कराया गया। साथ ही उपायुक्त ने दनगददी पर्यटन स्थल के जीर्णोद्धार और सौंदर्याकरण संबंधी कार्यों की जानकारी समिति को दी।साथ ही बसतपुर, घुमरी,राजाडेरा ,वनदुर्गा मंदिर में किये कार्य से अवगत कराया गया। बैठक में विभिन्न पर्यटन स्थल संगम स्थल छठ घाट, सतकोठा, दुर्गा पहाड़ी मंदिर बानो एवं कोबांग डैम विकास के लिए बैठने की व्यवस्था, शौचालय, पेयजल की व्यवस्था, सोलर लाइट, पार्किंग स्थल का निर्माण, सीढ़ी का निर्माण सहित विभिन्न योजनाओं का चयन कर क्रियान्वयन हेतु सहमति दी गई। उपायुक्त महोदय द्वारा सिमडेगा जिले के विभिन्न अधिसूचित पर्यटन स्थलों एवं पड़ोसी राज्यों से एंट्री पॉइंट व जिले इंट्री पॉइंट सहित शहर के चौक पर वेलकम बोर्ड का अधिष्ठापन करने की बात कहीं। वनदुर्गा मंदिर, दनगददी, बसंतपुर पिकनिक स्थल, राजाडेरा, एवं घुमरी पर्यटन स्थल को डी श्रेणी से सी श्रेणी में सूचीबद्ध करने के संबंध में अनुमोदित कराने हेतु विचार विमर्श करते हुए आवश्यक निर्णय लिया गया।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम को जन उत्सव के रूप में मनाएं : जिलाध्यक्ष

सिमडेगा। हर घर तिरंगा कार्यक्रम को लेकर जिलाध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाईक की अध्यक्षता में जिला भाजपा कार्यालय में बैठक आयोजित हुई. कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर भाजपा पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। हर घर तिरंगा कार्यक्रम को लेकर कहा कि 9-10 अगस्त तक मंडल बैठक की जाएगी, 11-13 अगस्त तक विधानसभा स्तरीय हर घर तिरंगा यात्रा, युद्ध स्मारक व स्वतंत्रता आंदोलन के नायकों के मूर्ति के आसपास स्वच्छता अभियान के तहत साफझसफाई करनी है। वहीं 14 अगस्त 1947 को भारत विभाजन विभीषिका के दिन मौन जुलूस निकाली जाएगी, 14 अगस्त भारत के इतिहास का काला दिन है। देश का विभाजन विभीषिका पीड़ा देने वाली है। इस विभाजन को भावी पीढ़ी को याद कराना है। हर घर तिरंगा अभियान के साथ साथ आगामी 9 अगस्त से 15 अगस्त 2024 तक के कार्यक्रमों की जानकारी दी। हर घर तिरंगा लहराएगा बैठक में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के संयोजक मुकेश श्रीवास्तव, सह संयोजक तुलसी साहू, रामबिलास बड़ाईक, नरेंद्र बड़ाईक, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष अनिरुद्ध सिंह, सिंटू जी उपस्थित थे।

ये कैसा कायाकल्प, मरम्मत के अभाव में स्कूलों का हाल खस्ता

टपकती छत और गिरते प्लास्टर के बीच पढ़ रहे बच्चे

जलडेगा। प्रखंड भर में कई सरकारी स्कूल भवन मरम्मत के अभाव में खस्ताहाल में हैं। हालत यह है कि किसी स्कूल की छत से पानी टपक रहा है तो किसी की दीवार और छत से प्लास्टर टूटकर नीचे गिर रहा है। तेज बारिश में पानी कमरों में आ जाने से में बच्चों का वहां पढ़ाई करना मुश्किल हो गया है। ऐसे भवनों में बच्चे जान जोखिम में डालकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। कई साल पुराने इन भवनों में स्कूल संचालित करना वहां के स्टाफ के लिए अब मुश्किल भरा हो गया है। मामले को लेकर कई वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी देने के बाद भी इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया। हम बात कर रहे हैं जलडेगा प्रखंड के कुटुंगिया पंचायत अंतर्गत राजकीयकृत प्राथमिक विद्यालय अनई की। सरकारी कार्यालयों में बैठकर विकास की डिंग हांकने वाले जिम्मेदारों को एक बार इस स्कूल को जाकर जरूर देखना चाहिए। पूरा विद्यालय भवन जर्जर अवस्था में पहुँच चूका है। अब आलम ये है की विद्यालय भवन बड़े हादसे को आमंत्रित कर रहा है वहीं हादसे के साये के बीच नौनिहाल अपना भविष्य संवारने में जुटे हुए हैं। जब स्कूल का जायजा लिया गया तो स्कूल के प्रधानाध्यापक अनिल तिर्की ने बताया की स्कूल में केजी से पांचवीं तक की कक्षा संचालित की जाती है जिसमें 54 बच्चे नामांकित हैं जबकि स्कूल में कुल दो शिक्षक कार्यरत हैं।

गांव में वार्ड पार्षद का घर बारिश की वजह से हुआ जलमग्न

सरकारी भवन में लिया आश्रय

लगातार हो रही बारिश की वजह से पूरे घर के अंदर पानी घुस गया और परिवार के लोगों को परेशानी हो लगी

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा सिमडेगा में लगातार एक सप्ताह से हो रही झमाझम बारिश से जहां किसानों के चेहरे खिल उठे हैं, तो वहीं दूसरी और बारिश की वजह से जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित हो गई है। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से कई जगहों पर सड़के टूट गई है तो कई जगहों पर लोगों को नुकसान हो रहा है। इधर तामड़ा पंचायत के कुंबाटोली गांव निवासी वार्ड 12 की पार्षद जया देवी का मकान भारी बारिश की वजह से पूरी तरह से जलमग्न हो गया है। इधर जलमग्न होने की वजह से घर में वार्ड पार्षद अपने दोनों छोटे बच्चे एवं पति के साथ गांव के पास में बने कल्याण विभाग की ओर से धूमकुडिया सरकारी भवन में शरण लेने पर विवश है । जानकारी देते हुए पति तस्वीर नायक ने बताया कि लगातार हो रही है एक सप्ताह की बारिश की वजह से पूरा घर के अंदर बारिश का पानी घुस रहा है और इससे की अब घर में सोने बैठाने एवं खाना बनाने के लिए भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है । उन्होंने इस बात की जानकारी पंचायत के मुखिया को भी दी। इधर उसने बताया कि जब बारिश का पानी रुकने का नाम नहीं ले रहा है तब जाकर उन्होंने पास के सरकारी भवन में शरण लिया जहां पूरा परिवार सोने पर विवश है । इधर इस मामले में प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर रेनियर खलखो को राष्ट्रीय नवीन मेल के माध्यम से जानकारी देने पर उन्होंने संज्ञान लेते हुए कहा कि पीड़ित परिवार इस मामले में तुरंत आवेदन दे ताकि उन्हें प्राथमिकता के आधार पर सरकारी आवास की सुविधा दिलाई जा सके। उन्होंने कहा कि मामला संज्ञान में आया है और जल्द ही इस मामले में निराकरण किया जाएगा।

शहीद निर्मल महतो की शहादत पर आजसू पार्टी ने दी श्रद्धांजलि

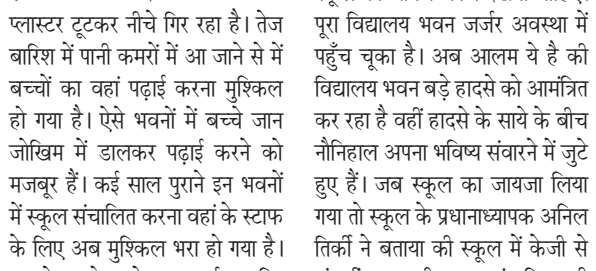

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा आजसू पार्टी जिला कार्यालय सिमडेगा में जिला अध्यक्ष धूपेन्द्र पाण्डे के नेतृत्व में आजसू पार्टी के संस्थापक व झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता वीर शहीद निर्मल महतो का शहादत दिवस उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर उन्होंने कहा कि जिस सोच और जिस विश्वास के साथ उन्होंने पार्टी का गठन किया था आज उसी के अनुकूल पार्टी आगे बढ़ रही है लेकिन जिस सुमित के साथ उन्होंने झारखंड आंदोलन की लड़ाई लड़ी थी उसके विपरीत वर्तमान सरकार काम कर रही है जिसके लिए आजसूं पार्टी और यहां की जनता वर्तमान सरकार को कभी माफ नहीं करेगी।मौके पर केन्द्रीय सदस्य अनिल मेहर, जिला सचिव विकास बड़ाईक, एस टी मोर्चा जिलाध्यक्ष नारायण बड़ाईक, प्रखण्ड सचिव देवेंद्र साहु, छात्रसंघ जिला अध्यक्ष फूलसिंह बड़ाईक,करन लोहरा व अन्य नेता कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस पर ठेठईटांगर प्रखंड मैदान में महिला व पुरुष फुटबॉल टूर्नामेंट शुरू

खेलकूद से भी आप अपना भविष्य बना सकते हैं : प्रखंड प्रमुख

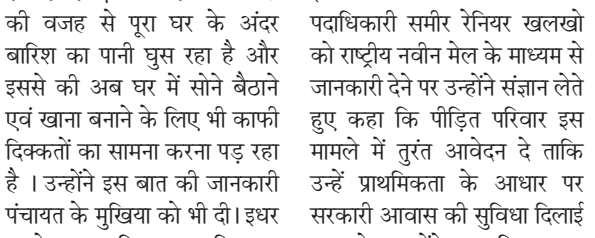

नवीन मेल संवाददाता। ठेठईटांगर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर ठेठईटांगर प्रखंड मैदान में फुटबॉल टूर्नामेंट की शुरूआत हुई। उद्घाटन मैच में बतौर मुख्य अतिथि ठेठईटांगर प्रखंड प्रमुख बिपिन पंकज मिंज उपस्थित हुए एवं खिलाड़ियों को संबोधन करते हुए कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलें रेफरी के निर्णय को माने खेल में लड़ाई झगड़ा ना करें तब जाकर आप एक अच्छा खिलाड़ी बन सकते हैं । जैसा कि आप लोगों को मालूम है इसी प्रखंड मैदान में फुटबॉल खेल कर टुकुपानी पंचायत की पुर्णिमा कुमारी आज पूरे भारत देश में नाम कमाई है । इसी मैदान से खेलते हुए उन्होंने जूनियर वर्ल्ड कप भी खेल चुकी है । साथ ही उन्हें रेलवे में जॉब भी मिल चुकी है तो इससे यही जाहिर होता है कि अब पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद से भी आप अपना भविष्य बना सकते हैं ।उद्घाटन मैच जमबहार बनाम राइबहार के बीच खेला गया जिसमें निर्धारित समय पर गोल नहीं होने के कारण पेनाल्टी शूटआउट में राईबहार की टीम 7-6 से मैच को जीत लिया।इसी प्रकार दूसरा मैच बसू कसडेगा बनाम ठेठईटांगर के बीच खेला गया जिसमें ठेठईटांगर ने 1-0 से मैच को जीत लिया।ठेठइटांगर प्रखंड मैदान में महिला एवं पुरुष का फुटबॉल टूर्नामेंट लगभग 50 सालों से आयोजित किया जा रहा है जिससे कई खिलाड़ी आज सरकारी नौकरी पर काबिज हो चुके हैं, और यह टूर्नामेंट आज भी लगातार आगे बढ़ता जा रहा है और आगे भी ठेठईटांगर के प्रखंड प्रशासन, ठेठईटांगर थाना, जनप्रतिनिधि एवं प्रबुद्ध लोगों के साथ साथ सरकारी स्टाफ, शिक्षक गण के द्वारा टूर्नामेंट को बढ़ावा दिया जाता है, जिससे कि हमारे खिलाड़ियों को एक अच्छा प्लेटफार्म मिले जिससे हमारे खिलाड़ीगण अपना भविष्य बना सके टूर्नामेंट को सफल बनाने में अध्यक्ष मोहम्मद हाशिम एवं समिति के सदस्य लगे हुए हैं।

समेति सह राज्य मिशन निदेशक ने किया रामगढ़ जिले का दौरा

योजनाओं से किसानों को जोड़ने का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़ बुधवार को निदेशक समेति-सह-राज्य मिशन निदेशक, खाद्य एवं पोषण सुरक्षा , झारखंड, रांची द्वारा रामगढ जिला का भ्रमण किया गया। निदेशक ने आत्मा द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की तथा सभी प्रखंड तकनीकी प्रबंधकों एवं सहायक तकनीकी प्रबंधकों को सरकार द्वारा चलाये जा रहे सभी कृषि संबंधित योजनाओं की जानकारी किसानों को उपलब्ध कराने साथ ही इन योजनाओं से किसानों को जोड़ने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रत्येक ग्राम में प्रगतिशील किसानो को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित करने का निदेश दिया, जिससे वे ग्राम के अन्य किसानों को प्रशिक्षित करेंगे। जिससे ग्रामों में कृषि का विकास परिलक्षित होगा। बैठक के पश्चात निदेशक के द्वारा पतरातू प्रखंड के ग्राम- किन्नी, पंचायत-लबगा में आत्मा द्वारा 11 हेक्टेयर में लगाए गये उरद प्रत्यक्षण प्रक्षेत्र का भ्रमण किया गया। मौके पर उन्होंने किसानो को बताया कि दलहनी फसलों की जड़ों में मौजूद गांठें वातावरण से नाइट्रोजन स्थिरीकरण की प्रक्रिया कर भूमि में नाइट्रोजन उपलब्ध कराते हैं जिससे दलहनी फसलों के साथ अगली फसल को भी नाइट्रोजन उपलब्ध हो जाता है तथा दलहनी फसलों से किसानो को आहार में प्रोटिन भी प्राप्त हो जाता है।

अज्ञात पिकअप की चपेट में आकर जेएसएलपीएस के बीपीएम गंभीर रूप से घायल

जलडेगा। थाना क्षेत्र के गाँगुटोली कोनमेरला मुगीकोना के निकट अज्ञात पिकअप के चपेट में आकर जलडेगा जेएसएलपीएस के बीपीएम अरुण लकड़ा गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार बीपीएम अरुण लकड़ा सिमडेगा से जलडेगा जेएसएलपीएस कार्यालय आ रहे थे तभी अज्ञात पिकअप ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। ग्रामीणों के सहयोग से घायल बीपीएम को तुरंत सदर अस्पताल भेजा गया जहाँ डॉक्टरों ने ईलाज के बाद घायल बीपीएम कि स्थिति को देखते हुए बेहतर ईलाज हेतु रांची रिम्स रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार बीपीएम के पैर में गंभीर चोट आई है एवं पैर कि हड्डी टूट गई है।

80 बच्चों को मिली साइकिल, तो खिले चेहरे, विधायक ने कहा

बच्चों की पढ़ाई में कोई भी चीज नहीं बनेगी बाधा

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री बालक उत्कृष्ट विद्यालय सिमडेगा एवं मुख्यमंत्री बालिका उत्कृष्ट विद्यालय के 80 बच्चों के बीच साइकिल का वितरण किया। मौके पर विधायक सभी छात्रों को साइकिल देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया। विधायक ने कहा कि गरीब बच्चों की पढ़ाई करने के लिए राज्य सरकार द्वारा कई सुविधाएं बाहाल कराई जा रही है। साइकिल के अभाव में कई बार बच्चे समय पर स्कूल नहीं आ पाते थे। लेकिन अब साइकिल की कमी पढ़ाई में बाधा नहीं बनेगी। विधायक ने कहा कि सभी बच्चे मन लगाकर पूरी ईमानदारी और लगन के साथ पढ़ाई जारी रखें। आप सभी लक्ष्य निर्धारित कर सिर्फ पढ़ाई में फोकस करें। आपकी पढ़ाई के लिए हर तरह से सुविधा मुहैया कराई जायेगी। किसी तरह की कोई परेशानी हो तो उनसे संपर्क करें। विधायक ने शिक्षकों को बच्चों का भविष्य गढ़ने में किसी भी तरह की कोई लापरवाही नहीं बरतने का निर्देश दिया। मौके पर विधायक ने लगभग 80 छात्रों को साइकिल दी। कार्यक्रम में जिप सदस्य जोसिमा खाखा, जिप सदस्य समरोम पौल टोपनो,जिप सदस्य अजय एक्का, बीडीओ समीर रौनियार खलखो, जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष मनोज जायसवाल, प्रतिमा कुजूर, उर्मिला केरकेट्टा, नीला नाग आदि उपस्थित थे।

सभी प्रखंडों के चिकित्सा पदाधिकारियों का कुष्ठ रोग संबंधी प्रशिक्षण शुरू

कोडरमा । राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत सभी प्रखंडों के चिकित्सा पदाधिकारी का दो दिनी कुष्ठ रोग संबंधी प्रशिक्षण सिविल सर्जन कार्यालय सभागार में शुरू हो गया। उदघाटन सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार और जिला मलेरिया पदाधिकारी डॉ मनोज कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। सिविल सर्जन डॉ कुमार ने कहा कि सभी चिकित्सा पदाधिकारी अच्छे से प्रशिक्षण लें, ताकि सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कुष्ठ मरीजों को बेहतर इलाज मिल सके। साथ ही सभी चिकित्सा पदाधिकारी प्रशिक्षण प्राप्त कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एएनएम समेत अन्य चिकित्सा कर्मी को कुष्ठ के बेहतर प्रबंधन के बारे में बताएं।

दुमका में अपराधियों ने बैंक से लूटे 20 लाख रुपये

नवीन मेल संवाददाता। दुमका

दुमका जिले के हंसडीहा बाजार स्थित इंडियन बैंक की शाखा में गुरुवार दोपहर अपराधियों ने धावा बोलकर लाखों रुपए लूट लिए। लूट की रकम के बारे में बैंक प्रबंधन की ओर से फिलहाल आधिकारिक तौर पर जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन, यह राशि 20 लाख रुपए के आसपास बताई जा रही है। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस तहकीकात में जुटी है। लुटेरों के भागने की दिशा में छापेमारी की जा रही है। जरमुंडी के एसडीपीओ संतोष कुमार ने बताया कि लुटेरों की संख्या पांच थी। पुलिस बैंक अधिकारियों, कर्मचारियों और ग्राहकों से घटना के बारे में जानकारी ले रही है।

सीसीटीवी फुटेज भी निकाला गया है। बताया जा रहा है कि अपराधकर्मी सामान्य कस्टमर की तरह बैंक में एक-एक कर घुसे। फिर अचानक हथियार लहराते हुए उन्होंने बैंककर्मियों और ग्राहकों को कब्जे में लेकर लूटपाट की। यह बैंक शाखा झारखंड-बिहार सीमा पर स्थित सरैयाहाट प्रखंड में स्थित है। बिहार का बांका जिला इसकी सीमा से सटा है। वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी बिहार की तरफ भागे हैं। बांका जिले की पुलिस को भी अलर्ट किया गया है।

शहीदों और राज्य निर्माण के नायकों का संघर्ष हमारे लिए प्रेरणा : विनोद कुमार

नवीन मेल संवाददाता। रांची

वीर शहीद निर्मल महतो के शहादत दिवस पर झामुमो रांची जिला समिति द्वारा जिलाध्यक्ष मुस्ताक आलम की अध्यक्षता में जेल मोड़ स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने कहा निर्मल महतो के शहादत दिवस पर हम सभी लोग प्रत्येक वर्ष यहां उपस्थित होते हैं। उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। साथ ही यह संकल्प लेते हैं कि उनके विचार और सोच के अनुरुप राज्य के लोगों की जो भावना और अपेक्षा है, उसके अनुरुप हमलोग काम करने का प्रयास कर रहे हैं। निश्चित ही उनके संघर्ष राज्य निर्माण के लिए हम सभी को प्रेरणा देता है। सभी जाति

वर्ग समुदाय के सर्वांगीण विकास की दिशा मे राज्य सरकार और झारखंड मुक्ति मोर्चा आगे बढ़ रही है। आज हम सभी लोग वीर शहीदों के संघर्ष से प्रेरणा लेकर आगे चलने का संकल्प लेते हैं। झामुमो रांची जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम ने कहा कि आज निर्मल महतो के शहादत दिवस पर हम झामुमो रांची जिला समिति उनको श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन करती है। प्रत्येक वर्ष हम उपस्थित होकर उन्हें नमन करते हैं। उनके संघर्ष हम सभी को निरंतर आगे काम करने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर जिला सचिव डॉ हेमलाल कु मेहता, जिला उपाध्यक्ष जनक नायक, अश्विनी शर्मा, रामानंद बेदिया, बीरू साहू, रामशरण तिर्की, महानगर संगठन सचिव राधा हेंब्रम, सुनिता तिर्की, अनिमा केरकेट्टा सहित अन्य कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, खूँटी

शुद्धि पत्र

एतत् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, खूँटी के अंतर्गत निकाली गई ई०–अल्पकालीन निविदा सं०–11/2024-25/RWD/KHUNTI, दिनांक– 31.07.2024 जिसका पी०आर० संख्या– 331476 (Rural Works Dipartment) 24-25 (D) द्वारा प्रकाशित है, जिसमें निम्न प्रकार से आंशिक संशोधन किया जाता है :–

क्र० सं०	विवरण	पूर्व प्रकाशित विवरणी	संशोधित विवरणी
1	ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि	23.08.2024	29.08.2024
2	ई–निविदा खोलने की तिथि	24.08.2024	31.08.2024

निविदा सूचना की शेष शर्तें पूर्ववत रहेगी ।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

विश्वासभाजन
कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, खूँटी

PR 332177 Rural Work Department(24-25)#D

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिले दीपक बिरुआ

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री दीपक बिरुआ ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को उन्होंने बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान, रांची में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले झारखंड आदिवासी महोत्सव, 2024 समारोह में सम्मिलित होने के लिए सादर आमंत्रित किया।

63वीं राष्ट्रीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता में झारखंड की अंडर 17 बालिका टीम ने लगाई जीत की हैट्रिक

रांची। 63वीं राष्ट्रीय सुब्रतो कप अंडर 17 बालिका वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता में गुरुवार को झारखंड की बालिका टीम ने जीत की हैट्रिक लगाते हुए अरुणाचल प्रदेश को 13-0 से पराजित कर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बना ली। झारखंड की ओर से चांदनी कुमारी ने सर्वाधिक चार गोल किया। चांदनी के अलावा बबिता ने दो गोल और ललिता, नैना, क्रांति, पूजा संगीता, पुनिता और उर्वशी ने एक एक गोल किया। 63वीं राष्ट्रीय सुब्रतो कप अंडर 17 बालिका वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता में झारखंड की टीम की यह लगातार तीसरी जीत है। इससे पहले अपने शुरूआती मुकाबले में झारखंड की बेटियों ने मेजबान नयी दिल्ली को 7-0 से पराजित किया था। अपने दूसरे मुकाबले में टीम ने गुजरात को 3-0 से शिकस्त दी थी। टीम की कप्तानी प्रियतम तिर्की कर रही है। टीम में अनीशा उरांव, प्रतिभा भोक्ता, क्रांति उरांव, नैना कुमारी, चांदनी कुमारी, उर्वशी कुमारी, संगीता कुमारी, बबिता कुमारी, संजना उरांव, पुनिता कुमारी, पूजा कुमारी, सोनामती होरो, एब्लिन कुजूर, पूनम कुमारी और ललिता बोयपाई शामिल है। टूर्नामेंट से पहले अंडर 17 बालिका टीम को अंतराष्ट्रीय फुटबॉल कोच सह भारतीय खेल प्राधिकरण के पूर्व निदेशक सुशील कुमार वर्मा ने 21 दिनों का विशेष प्रशिक्षण भी दिया था।

अशोक कुशवाहा बने भाजपा मंडल अध्यक्ष कार्यकर्ताओ ने दी बधाई

दारु। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने प्रखंड कार्यसमिति कि घोषणा कर दिया। दारु मंडल से अशोक कुशवाहा को भाजपा का नया मंडल अध्यक्ष घोषित किया गया है।अशोक को नये मंडल अध्यक्ष बनाये जाने पर प्रखंड के कार्यकताओं ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हे बधाई दिया है।प्रखंड के कार्यकताओं ने कहा कि अशोक राजनीति के मंझे हुए खिलाडी है और उनके आने से प्रखंड मे भाजपा मजबूत होगी और आगामी विधानसभा मे दारु प्रखंड से भाजपा को बम्पर बढ़त मिलेगी। अध्यक्ष को बधाई देने वालो मे देवदत प्रसाद ,संजय कुशवाहा, संदीप कुशवाहा,सोनी कुशवाहा,सुरेश प्रसाद,बलदेव बाबू ,भैया सुमित कुमार, सुमन सिन्हा सहित कई अन्य कार्यकर्ता शामिल थे।

रक्षाबंधन पर रांची डाक मंडल ने की राखी के विशेष लिफाफे की बिक्री, पोस्टिंग की व्यवस्था भी की

रांची। रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर, रांची डाक मंडल के अंतर्गत जनमानस की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए रांची डाक मंडल की ओर से विशेष व्यवस्था की जा रही है। राखी के विशेष लिफाफों की बिक्री शुरू कर दी गई है। ये लिफाफे केवल दस रुपये की आकर्षक कीमत पर उपलब्ध हैं, जो राखी को सुरक्षित और सही समय पर भेजने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए हैं। इस अवसर पर रांची जीपीओ (मुख्य डाकघर) और रांची मंडल के विभिन्न डाकघरों में राखी के लिफाफों की पोस्टिंग के लिए विशेष व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री से कोल्हान विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

नवीन मेल संवाददाता। जमशेदपुर

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को जमशेदपुर परिसदन भवन में कोल्हान विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में शामिल सभी लोगों ने राज्य सरकार द्वारा विगत 7 अगस्त 2024 को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में विश्वविद्यालय एवं अंगीभूत महाविद्यालयों (घाटानुदानित अल्पसंख्यक महाविद्यालयों सहित) के पदाधिकारियों, शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू किए जाने की स्वीकृति दिए जाने के निर्णय को लेकर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर

प्रतिनिधिमंडल ने जमशेदपुर को-आपरेटिव कॉलेज को विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान करने के सन्दर्भ में ज्ञापन भी सौंपा। इस अवसर पर कोल्हान विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के सचिव डॉक्टर अशोक कुमार रावानी, जमशेदपुर को-आपरेटिव कॉलेज के प्रधानाध्यापक डॉक्टर अमर सिंह, कोल्हान विश्वविद्यालय प्रतिनिधि (जुटान) डॉ. स्वाति सोरेन, एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर संजय यादव एवं असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ पी.के सिंह मौजूद थे।

झारखंड के 1041 विद्यालयों में जनजातीय भाषा आधारित शिक्षा को तवज्जो

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राज्य के स्कूली बच्चों को मातृभाषा एवं जनजाति भाषाओं में शिक्षा देने के लिए झारखंड के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा लगातार पहल की जा रही है। मातृभाषा बच्चों के द्वारा सीखी जाने वाली पहली भाषा होती है, जो परिवार, समुदाय एवं सांस्कृतिक परंपराओं से उन्हें जोड़ती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में बहुभाषावाद, स्थानीय एवं क्षेत्रीय भाषा के प्रभाव को अंकित किया गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य मंत्रिपरिषद द्वारा 15 जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओ यथा संथाली, हो, मुंडारी, कुड़ुख, खड़िया, माल्टो, भूमिज, बिरहोर, असुर तथा क्षेत्रीय भाषाओं यथा उड़िया, बांग्ला, पंचपरगनिया, कुड़माली, खोरठा एवं नागपुरी को शिक्षण कार्यक्रमों के लिए चिह्नित किया गया है।

वर्तमान में बहुभाषी शिक्षण कार्यक्रम के तहत राज्य के छह जिलों में मातृभाषा एवं जनजातीय भाषा आधारित शिक्षा दी जा रही है। यूनिसेफ के सहयोग के सहयोग से राज्य के 259 स्कूलों में बहुभाषी शिक्षण कार्यक्रम एमटीबी - एमएलई शुरू किया गया था। इसके अंतर्गत पांच जनजातीय भाषाओं यथा मुंडारी, कुड़ुख, हो, खड़िया एवं संताली भाषा में बच्चों को शिक्षा दी जा रही थी। इस वर्ष इसका विस्तार 1041 विद्यालयों में किया गया है। जिन छह जिलों में इस कार्यक्रम को शुरू किया गया है, उनमें गुमला, लोहरदगा, सिमडेगा, खूंटी, पश्चिमी सिंघभूम और साहिबगंज के 24 प्रखंड शामिल हैं। यह कार्यक्रम इन प्रखंडों के कक्षा तीन से पांच तक के विद्यालयों में संचालित है। शिक्षण अधिगम सामग्री का विकास

फाइलेरिया की दवा वर्ष में एक बार खा लेने से यह बीमारी नहीं होती : डॉ अरुण कुमार सिंह

विष्णुगढ। राजकीय औषधालय विष्णुगढ़ के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अरुण कुमार ने कहा है की फैलीरिया रोधी दवा वर्ष में एक बार खा लेने से कभी भी किसी को फैलेरिया नहीं हो सकता है। फाइलेरिया को आमतौर पर हाथी पांव के नाम से जाना जाता है यह बीमारी मच्छर के काटने से होता है फाइलेरिया विश्व की दूसरी सबसे ज्यादा दिव्यांकता एवंकुरूपता करने वाली बीमारी है यह शरीर के और अंगो कोभी प्रभावित करता है इसका संक्रमण अधिकतर बचपन में ही हो जाता है बीमारी का पता चलने में 5 से 15 साल लग जाता है हाइड्रोसील का इलाज स समय संभव है लेकिन शरीर के अन्य अंगों में जैसे पैर हाथ स्तन में आया हुआ सूजन आमतौर पर ला इलाज होता है।

डीजीपी से मिला फेडरेशन ऑफ ऑल व्यापार संगठन का प्रतिनिधिमंडल

रांची। फेडरेशन ऑफ ऑल व्यापार संगठन (एफएवीएस) के अध्यक्ष दीपेश कुमार निराला की अध्यक्षता में गुरुवार को पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता से मिलकर उनको लिखित रूप से राजधानी रांची में यातायात की व्यवस्था से संबंधित 16 बिंदुओं पर सुझाव साझा किए। इसमें मुख्य रूप से कहा गया है कि रांची नगर निगम के आयुक्त सह प्रशासक ने वर्तमान में जिस प्रकार छोटे मालवाहक वाहनों के नो-एंट्री के समय को बढ़ाकर दिन में केवल 12 बजे से पांच तक अर्थात केवल पांच घंटे किया है, उससे रांची की यातायात व्यवस्था को नहीं सुधारा जा सकता है। इसके लिए कई परिवर्तन जरूरी हैं, जिससे रांची में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाया जा सकता है। रांची में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि रांची की ट्रैफिक पुलिस, रांची नगर निगम, परिवहन विभाग, रांची जिला प्रशासन, पथ निर्माण विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, ऊर्जा विभाग और जुडको साथ मिलकर एवं समन्वय बनाकर काम करें। पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष दीपेश कुमार निराला, उपाध्यक्ष उमाशंकर सिंह और रेणुका तिवारी, महासचिव सत्येंद्र प्रसाद सिंह, कोषाध्यक्ष विनोद बेगवानी जैन और कार्यकारिणी सदस्य सह सहसंयोजक लॉ एंड ऑर्डर कमिटी हरीश नागपाल सम्मिलित थे।

JHARKHAND URJA SANCHARAN NIGAM LIMITED
CIN: U40108JH2013SGC001704
(GOVERNMENT OF JHARKHAND UNDERTAKING)
OFFICE:General Manager, Contracts & Materials, Multi-Lateral Funding Projects,
JUSNL Building, Kusai Colony, Doranda, Ranchi – 834002 (Jharkhand)
Email: piujusnl@gmail.com Visit us on: www.jharkhandtenders.gov.in

e-Tender Extension Notice

Due to unavoidable circumstances, Due date for followings NITs are hereby extended as follows-

NIT No.	Name of work (Request for Bid (RfB))	Last date of submission/ uploading bid by the bidder	Date of Opening of technical part of Bid
113/PR/ JUSNL/ 2024-25	Design, Engineering, Supply, Installation, Testing & Commissioning of 220/132 kV Grid Substations at Jadugoda and additional 132 kV Bays at Dhalbhumgarh GSS along with dismantling Works)	29.08.2024 upto 16:00 Hrs	30.08.2024 at 16:30 Hrs
114/PR/ JUSNL/ 2024-25	Design, Supply, Installation, Testing & Commissioning of 220 KV Double Circuit Transmission Lines (1)Transmission line from Chaibasa (PGCIL) – Jadugoda (New) (47.7 km) (2)Transmission line from Chandil (New)- Jadugoda (New) (51.3 Km)	29.08.2024 upto 16:00 Hrs	30.08.2024 at 16:30 Hrs
115/PR/ JUSNL/ 2024-25	Design, Engineering, Supply, Installation, Testing & Commissioning of 132 KV Double Circuit Transmission Lines from Jadugoda(New)- Dhalbhumgarh (63.4 Km)	29.08.2024 upto 16:00 Hrs	30.08.2024 at 16:30 Hrs

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

PR No. 330529 Sd/-
General Manager
C&M, MLFP, JUSNL, Ranchi

PR 332236 (Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd)24-25*D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमंडल, गुमला
अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0–15 वर्ष 2024–25

1. कार्यालय का नाम :– लघु सिंचाई प्रमण्डल, गुमला।
2. विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, गुमला।
3. परिमाण विपत्र प्राप्ति हेतु आवेदन की अंतिम तिथि एवं समय :– 12.08.2024 से 17.08.2024 को 1:00 बजे अपराह्ण तक।
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 20.08.2024 के 3:00 बजे अपराह्ण तक।
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 20.08.2024 के 3:30 बजे अपराह्ण तक।
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– 1. कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, गुमला
2. सहायक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल गुमला
7. परिमाण विपत्र का मूल्य :– राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत बैंक ड्राफ्ट जों राष्ट्रीयकृत बैंक गुमला में भुगतेय हो, मान्य होगा।
8. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान :– कार्यालय परिसर, लघु सिंचाई प्रमंडल, गुमला।
9. कार्य की विस्तृत विवरणी:–

गुप सं0	योजना का नाम	प्रखंड	योजना मद का नाम	परिमाण विपत्र की राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि	निविदा दाता की समुचित श्रेणी
1	एस0एस0+2उच्च विद्यालय रायडीह, प्रखण्ड रायडीह का जीर्णोद्धार कार्य।	रायडीह	D.M.F .T.	2273900.00	45500.00	5000	03 माह	श्रेणी 3
2	रा0 प्रा0 विद्यालय धोबरी, प्रखण्ड अल्वर्ट एक्का 01 एक अतिरिक्त वर्गकक्ष का निर्माण कार्य।	प0अ0ए 0 जारी	D.M.F .T.	1208700.00	24200.00	2500	03 माह	श्रेणी 3
3	नंदकिशोर ओहदार के घर से लालमीन गोप के घर के चारहदिवारी तक आर. सी. सी. कवर नाली (0.50ड ग0.50 ड) एवं पी. सी. सी. का निर्माण। ग्राम– दुंदुरिया, वार्ड नं0–02।	गुमला	Untied Fund	2499700.00	50000.00	5000	03 माह	श्रेणी 3
4	ग्राम पंचायत करनी में मिलरेड तिर्की के घर से पंचायत भवन तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	डुमरी	Untied Fund	635200.00	12800.00	1250	03 माह	श्रेणी 4
5	Construction of Drain (0.50M X0.60 M) From Mustkim Ansari home to Moinuddin Ansari home, Vill- Baghni, Panchyat- Baghni, Block- Sisai, Dist- Gumla	सिसई	Untied Fund	2330900.00	46700.00	5000	03 माह	श्रेणी 3

निविदा की शर्तें:– 1. बैंक ड्राफ्ट निबंधित संवेदक के स्वयं के खाता से निर्गत हुआ हो तथा बैंक ड्राफ्ट की वैद्यता अवधि निविदा की प्रकाशन की तिथि से तीन माह तक का हो, मान्य होगा।

2. निविदा में 10% न्युनतम दर से अधिक न्युनतम दर उद्धृत करने पर प्राक्कलित राशि का 20% अथवा 30% अतिरिक्त जमा राशि का डाकधर सावधी जमा पासबुक/बैंक द्वारा निर्गत फिक्स डिपोजिट निविदा निस्पादन के उपरांत जमा करना अनिवार्य होगा।

जो निम्न है:– 1. 10% से 20 प्रतिशत कम दर की राशि का 20% तक।

2. 20% प्रतिशत से अधिक कम दर की राशि का 30% अतिरिक्त जमानत राशि देय होगा।

10. निविदा से संबंधित सभी सूचना अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय के सूचनापट पर देखा जा सकता है।

E-mail ID- eemidgum@gmail.com
कार्यपालक अभियन्ता,
लघु सिंचाई प्रमंडल, गुमला।

PR 332304 Minor Irrigation(24-25)D

झारखण्ड औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार (राँची प्रक्षेत्र)
जियाडा भवन' नामकुम औद्योगिक क्षेत्र, लोवाडीह, राँची –834010 (झारखण्ड)
Phone : 0651-2460408, Telfax:2460125, Website-www.jiada.co.in, email-riada.rnc@gmail.com
पत्रांक– 452 दिनांक– 08.08.2024

नामकुम औद्योगिक क्षेत्र में नवनिर्मित **IT TOWER** में उपलब्ध भवन/तल को किराया में आवंटन हेतु अति अल्पकालीन सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नामकुम औद्योगिक क्षेत्र, लोवाडीह, राँची में नवनिर्मित वातानुकूलित आई0टी0 टावर पर किराया हेतु भवन/तल उपलब्ध है। यह भवन/तल प्राधिकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम किराया जमा राशि पर उच्चतम राशि उद्धृत करनेवाले व्यक्ति/संस्थान/एजेन्सी को IT Company/Call Centre/Corporate कम्पनियों से संबंधित को किराये पर दिया जा सकेगा। इस निविदा में किसी भी सरकारी या गैर–सरकारी प्रतिष्ठान/एजेन्सी अथवा स्वच्छ छवि वाले व्यक्ति द्वारा भाग लिया जा सकता है।

उक्त भवन/तल की बन्दोबस्ती हेतु सुरक्षित एवं जमानत की राशि की विवरणी निम्नवत् है :–

(1) उपलब्ध भवन/तल की विवरणी –

	Total Constructed area floor wise			In ground floor	
Sl.No.	Particulars	Area (in sft.)	Sl.No.	Particulars	Area (in sft.)
1	1st floor	6397sft	6	Conference Hall	505 sft
2	2nd floor	6397sft	7	Cafeteria	860 sft
3	3rd floor	6397sft	8	Gymnasium	503 sft
4	4th floor	6397sft	9	Visitors Lounge	947 sft
5	5th floor	6023sft			

(2) अग्रधन की राशि–निविदादाता द्वारा उद्धृत किये जानेवाले मासिक किराया की तीन गुणा राशि (Bank Draft)।

(3) जमानत की राशि– 50000/–रू0 का Bank Draft (Refundable) का भुगतान JHARKHAND INDUSTRIAL AREA DEVELOPMENT AUTHORITY, RANCHI REGION payable at Ranchi के नाम से होगा।

(4) न्यूनतम मासिक किराया (प्रति वर्गफुट)– 55.00 रू0 प्रति वर्गफुट + 18% GST

(5) विहित आवेदन प्रपत्र प्राधिकार की **Website-www.jiada.co.in** पर उपलब्ध है।

आवश्यक शर्तें–

1– भवन/तल को किराये पर लेने हेतु भाग लेने वाले निविदादाता को विहित प्रपत्र में आवेदन भरकर मुहरबन्द लिफाफा में प्राधिकार के कार्यालय में जमा करना होगा।

2– आवेदन पत्र में संबंधित कॉलम में किराया हेतु कर्णांकित भवन/तल के सामने मासिक किराया अंकित करना होगा जो प्राधिकार द्वारा निर्धारित मासिक किराया से कम नहीं होगा। जिस निविदादाता द्वारा उच्चतम किराया उद्धृत किया जायेगा उन्हें उक्त भवन/तल किराया पर आवंटित किया जायेगा।

3– जियाडा द्वारा आवंटित किये जानेवाले भवन/तल के किराया में प्रत्येक तीन वर्ष में 15% की वृद्धि की जायेगी।

4– आवेदन पत्र प्राधिकार दिनांक 10.08.2024 से 17.08.2024 तक जमा किया जा सकेगा। प्राप्त निविदा की समीक्षा दिनांक 21.08.224 को अपराह्न 2.00 बजे किया जायेगा तथा उसी दिन अपराह्न 3.00 बजे निविदा खोली जायेगी।

5– किराये पर लगाये जानेवाले रिक्त भवन/तल के संबंध में पूर्ण जानकारी उद्योग विस्तार पदाधिकारी, मोबाईल नं0– 8294472762 से सम्पर्क कर प्राप्त किया जा सकता है।

6– प्रस्तावित निविदा की प्रक्रिया को अधोहस्ताक्षरी द्वारा बिना कारण बताये रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

उपरोक्त के संबंध में आवेदन पत्र एवं विस्तृत जानकारी जियाडा, राँची प्रक्षेत्र की **Website-www.jiada.co.in** तथा जियाडा, राँची प्रक्षेत्र के सूचना पट्ट पर उपलब्ध है।

ह0/–
क्षेत्रीय निदेशक

PR 332238 RIADA(24-25)D

2019 की पशु जनगणना में झारखंड में बकरियों की संख्या 91 लाख : डॉ नंदनी

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांची बिरसा कृषि विश्वविद्यालय(बीएयू) की टीम ने बाराबंकी प्रजनन क्लस्टर का भ्रमण किया। इस दौरान विषाणुजनित पीपीआर रोग से बचाव के लिए 471 बकरियों का टीकाकरण किया। मोरबिली वायरस से फैलेनेवाली इस बीमारी से बकरियों में भारी मात्रा में रुग्णता और मृत्यु होती है। टीम ने बकरियों के लिए स्वास्थ्य शिविर लगाया, पशुपालकों की बीमार बकरियों के लिए दवा वितरित किया और किसान गोष्ठी आयोजित कर रोग प्रबंधन के लिए आवश्यक वैज्ञानिक परामर्श भी दिया। बीएयू की पशु आनुवंशिकी विशेषज्ञ और परियोजना की प्रधान अन्वेषक डॉ नंदनी कुमारी ने बताया कि वर्ष 2019 की पशु जनसंख्या के

अनुसार झारखंड में बकरी की आबादी 91 लाख है और बकरी जनसंख्या के मामले में झारखंड का देश में आठवां स्थान है। पिछले पांच वर्षों में झारखंड में बकरी की आबादी में 38.59 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी और आबादी वृद्धि की राज्यवार दर के मामले में झारखंड का स्थान देश में पश्चिम बंगाल के बाद दूसरा है। अपने मांस की गुणवत्ता और बहुप्रसवता के लिए जानी जानेवाली ब्लैक बंगाल बकरी झारखंड के लिए ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए ख्याती है। यहां बड़ी संख्या में इसकी उपलब्धता के कारण पशुपालकों के हित में इसके आनुवंशिक सुधार व नयी क्रॉसब्रीड नस्ल के विकास की काफी संभावनाएं है क किसानों को लाभकारी बकरीपालन के लिए संतुलित आहार, बकरियों को दवा के घोल में डुबाने, कृमि मुक्त करने, गंभीर रोगों से बचाव के लिए टीकाकरण आदि की जानकारी दी गयी कउन्हें पोषण से भरपूर मुनगा (सहजन) के पौधे लगाने तथा बकरियों को इसके पत्ते खिलाने की सलाह दी गयी कइस आइसीएआर परियोजना का उद्देश्य बकरी पालन की वैज्ञानिक एवं नवोन्मेषी बिधि द्वारा ब्लैक बंगाल बकरियों का चयन एवं नस्ल सुधार कर किसानों का सामाजिक-आर्थिक विकास करना है क परियोजना के तहत वर्तमान में चार प्रजनन केंद्र- बाराबंकी (पूर्वी सिंहभूम), टिको (लोहरदगा), पालाजोरी (देवघर) एवं चामगुरु (रांची) में चल रहे हैं ।

मार्केट में आ गया बजाज चेतक 3201 इलेक्ट्रिक स्कूटर

रांची। बजाज ऑटो ने चेतक 3201 विशेष संस्करण के लांच की घोषणा की है। विशेष रूप से अमेजन पर अगस्त 2024 के लिए 1,28,744 रुपए में उपलब्ध है। चेतक 3201 विशेष संस्करण में उभरी डेकल्स और रजाईदार सीटें हैं। अर्बनाइट बजाज ऑटो के प्रेसिडेंट एरिक वास ने कहा कि हमें अपने विशेष संस्करण चेतक के विशेष लांच और अगस्त की बिक्री के साथ अमेजॅन के साथ अपनी साझेदारी को बढ़ाने की खुशी है। यह सहयोग ईवी उद्योग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जहां ग्राहक विशेष रूप से अमेजॅन पर पहियों पर शांत विलासिता का उपयोग कर सकते हैं। अपने मजबूत निर्माण और ठोस मेटल बॉडी के साथ इलेक्ट्रिक चेतक, विश्वास और स्थायित्व की भावना पैदा करता है जिसकी हमारे ग्राहक बजाज ऑटो से अपेक्षा करते हैं।

संपादकीय

आदिवासी समुदाय का प्रेरक प्रकृति प्रेम

भारत ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों में आदिवासी समुदाय के लोग रहते हैं, जिनका रहन-सहन, खानपान, रीति-रिवाज सबकुछ आम लोगों से कुछ अलग होता है। समाज की मुख्यधारा से कटे होने के कारण कुछ आदिवासी समाज के सदस्य आज भी पिछड़े हुए हैं। यही वजह है कि भारत समेत अनेक देशों में इनके उत्थान के लिए, इन्हें बढ़ावा देने और इनके अधिकारों की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने पहली बार 1994 को अंतरराष्ट्रीय आदिवासी वर्ष घोषित किया था। ठेठ आदिवासी समुदाय के लोगों की भाषाएं, संस्कृति, त्योहार, रीति-रिवाज और पहनावा अन्य समाज के लोगों से थोड़ा अलग होता है। यही वजह है कि ये लोग समाज की मुख्यधारा से नहीं जुड़ पाए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इनकी संख्या आज भी समय के साथ घटती जा रही है। आज भी आदिवासी समाज के लोगों को अपना अस्तित्व, संस्कृति और सम्मान बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। इसकी एक मुख्य वजह ये है कि ये लोग प्रकृति से समीप रहना ज्यादा पसंद करते हैं और जंगलों में रहते हैं जिसकी वजह से ये मुख्यधारा से कटे रहते हैं। आज जंगल घटते जा रहे हैं जिसकी वजह से इनकी संख्या भी कम होती जा रही है। आदिवासी समाज के लोगों का मुख्य आहार आज भी पेड़-पौधों से जुड़ा है, इनके धर्म-त्योहार भी प्रकृति से जुड़े हैं। दुनिया भर में 500 मिलियन के करीब आदिवासी रहते हैं और 7000 भाषाएं बोलते हैं, 5000 संस्कृतियों के साथ दुनिया के 22 प्रतिशत भूमि पर इनका कब्जा है। इनकी वजह से पर्यावरण संरक्षित है। साल 2016 में 2680 ट्राइबल भाषाएं विलुप्त होने की कगार पर थीं। इसीलिए संयुक्त राष्ट्र ने इन भाषाओं और इस समाज के लोगों को समझने और समझाने के लिए 2019 में विश्व आदिवासी दिवस मनाने का एलान किया।

आदिवासी समाज के लोगों का मुख्य आहार आज भी पेड़-पौधों से जुड़ा है, इनके धर्म-त्योहार भी प्रकृति से जुड़े हैं।

अमेरिका में 12 अक्टूबर को हर साल कोलंबस दिवस मनाया जाता है और वहां के आदिवासियों का मानना था कि कोलंबस उस उपनिवेशी शासन व्यवस्था का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसके लिए बड़े पैमाने पर जनसंहार हुआ था। इसके बाद फिर कोलंबस दिवस की जगह पर आदिवासी दिवस मनाने की मागं उठी। इसके लिए 1977 में जेनेवा में एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया और इस सम्मेलन में कोलंबस दिवस की जगह आदिवासी दिवस मनाने की मांग की गई। भारत में आदिवासी समुदाय की है बड़ी संख्या भारत के मध्य प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार आदि तमाम राज्यों में आदिवासी समुदाय के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। मध्य प्रदेश की बात कहें तो यहां 46 आदिवासी जनजातियां रहती हैं, जिसमें एमपी की कुल जनसंख्या के 21 फीसदी लोग आदिवासी समुदाय के हैं। वहीं झारखंड की कुल आबादी का करीब 28 फीसदी आदिवासी समाज के लोग हैं। सिर्फ मध्य प्रदेश में गोंड, भील और ओरोन, कोरकू, सहरिया और बैगा जनजाति के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। बता दें कि गोंड एशिया का सबसे बड़ा आदिवासी समूह है, जिनकी संख्या 30 लाख से अधिक है।

जंगल अगर दिल है, तो धड़कन हैं आदिवासी

(9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस पर)

9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस। आदिवासियों के मूलभूत अधिकारों की सामाजिक आर्थिक और न्यायिक सुरक्षा के लिए हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पूरे विश्व में यह दिन बहुत धूमधाम से मनाया जाएगा। आदिवासियों के हित, उनके अधिकारों की रक्षा, जल जंगल और जमीन पर उनके एकाधिकार की बातें होंगी। मंच सजेगा, संगोष्ठियां और चर्चाओं का दौर चलेगा पर क्या आदिवासी जिसकी अस्मिता और अस्तित्व जंगल से परिभाषित होती है उसके जीवन में सामाजिक और आर्थिक रूप से भविष्य में कोई परिवर्तन आएगा। यह प्रश्न अपनी जगह अटल है। विश्व के लगभग 193 देशों में आदिवासी निवासरत है लेकिन फिर भी आज तक उनके मूलभूत समस्याओं का भी निराकरण नहीं हो पाया है। अगर हम भारत की परिदृश्य पर नजर डालें तो यह बात निकलकर सामने आती है कि आदिवासी क्षेत्रों के लोग मानसिक आर्थिक राजनीतिक व सामाजिक दृष्टि से छले जा रहे हैं। परिणाम यह हुआ कि विकासशील भारत में आदिवासी समाज 50 वर्ष पीछे चला गया। झारखंड सहित देश के अन्य राज्यों में आदिवासियों की बदहाल छवि विकासशील भारत के के अंदर एक अविकसित भारत को प्रस्तुत करती है। अगर मैं बात करूं झारखंड के विकास के जमीनी हकीकत की जिस की राजनीति की धुरी ही आदिवासियों के इर्द-गिर्द घूमती रहती है, आज देश के सभी नवनिर्मित राज्यों में सबसे पीछे है। बिहार से बंटकर झारखंड मध्यप्रदेश से बंटकर छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश से बंटकर उतरांचल बना। स्वभाविक है आदिवासियों के लिए बना झारखंड पृथक राज्य के साथ ही संभावनाओं और आशंकाओं के दो धुव्र भी बन गए। संभावना थी कि जनजातीय बहुल राज्यों के आने के बाद वहां की आर्थिक सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन मजबूत होगी। आर्थिक उन्नति होगी और बिरसा के सपने झारखंड के घर घर में हकीकत बनकर उतरेंगे। माइंस और खनिज से भरपूर इस इलाके को जब प्रकृति ने ही इतनी नेमत दे रखी है तो वहां के लोगों की विकास की भला क्या चिंता। पर वास्तविकता कुछ और निकली। मौजूदा हालात यह है कि वहां के लोगों की उम्मीदें अब टूट कर बिखर रही है।

स्वतंत्रता के बाद से कई सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों द्वारा आदिवासी समुदायों की आजीविका, शिक्षा और स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करके उन्हें विकसित करने के प्रयास किये गए। सात दशक बीत गए पर आज भी आदिवासी लोग भारतीय समाज के सबसे कुपोषित भाग बने हुए हैं। आदिवासी क्षेत्रों में उपलब्ध खनिज संसाधनों संसाधन सरकारी खजाने की आय के स्रोत है बाबजूद इसके यह क्षेत्र सामाजिक व आर्थिक दृष्टि से पिछड़ते जा रहे है। ऐसा क्यों?

आजादी के बाद से विकास के नाम पर विभिन्न परियोजनाओं के तहत आदिवासियों का विस्थापन होता रहा। समस्या तब और गंभीर हो गई जब संसाधनों की लूट आदिवासियों का विस्थापन और उनके जीवन की बबार्दी मौजूदा विकास मॉडल के साथ आई। आदिवासियों के जंगल जमीनों ,गांवों और संसाधनों पर कब्जा कर उन्हें दर-दर भटकने को मजबूर करने के पीछे मुख्य कारण पूंजीवादियों के साथ सांठ गांठ करने वाली हमारी सरकारी व्यवस्था रही। आदिवासी केवल अपने जंगलों या गांव से ही बेदखल नहीं हो रहे हैं बल्कि मूल्यो नैतिक अवधारणाओं जीवन शैली भाषाओं एवं संस्कृतियों से भी बेदखल कर दिए जा रहे हैं। इस बात की गंभीरता को ऐसे समझा जा सकता है कि देश की आबादी में अनुसूचित जनजाति के लोगों की तादाद 8.6% है लेकिन विकास परियोजनाओं के कारण विस्थापित होने वाले लोगों की कुल संख्या में अनुसूचित जनजाति के लोगों की तादाद 40 प्रतिशत है। जाहिर है जनजातीय लोगों को जो भारतीय संविधान की पांचवीं अनुसूची से आच्छादित हैं भूमि अधिग्रहण विस्थापन और अपर्याप्त मुआवजे का सबसे अधिक खामियाजा उन्हें ही भुगतना पड़ा है। आजादी के बाद देश में जो वन अधिनियम बने औपनिवेशिक परम्परा में बने पर एकमात्र वन अधिकार कानून 2006 एक ऐसा कानून बना जिसकी बदौलत पहली बार औपनिवेशिक काल से सरकार द्वारा वनआश्रित समुदायों के अधिकारों को छीनने की चली आ रही परम्परा को उलट कर उनके पारम्परिक अधिकारों को उनके मूल रूप मे प्रतिस्थापित करने का प्रावधान किया गया। विडम्बना यह है कि आदिवासी हित की बात और जल जंगल जमीन के बोल के साथ झारखंड में सत्ता हस्तांतरण का दौर चलता रहा। दुर्भाग्य रहा कि आदिवासियों ने अपने जिन प्रतिनिधियों को जिताकर संसद में बिठाया उन्ही लोगों द्वारा आदिवासी समाज को ही हराने की कोशिश जारी रही। झारखंड आज लुटाने पिटाने का अड्डा बन चुका है। गौर करने वाली बात यह भी है कि आज के वैश्वीकरण के दौर में वन भूमि पर कारपोरेटों की नजर भी गड़ी हुई है। स्थानीय निवासियों के परम्परागत अधिकारों को कानूनी मान्यता मिलने से इनके वन भूमि हस्तान्तरण में कठिनाइयाँ आना स्वाभाविक है। **(ये इनके निजी विचार हैं)**

आज की बात

निमिषा सिंह

आपकी बात

जब हिल गई थी ब्रिटिश सरकार

9 अगस्त 1942 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत की थी। उस समय दूसरे विश्व युद्ध में उलझे इंग्लैंड को भारत में ऐसे आंदोलन की उम्मीद नहीं थी। पूरी ब्रिटिश हुकूमत इससे हिल गई थी। 1857 के बाद देश की आजादी के लिए चलाए जाने वाले सभी आंदोलनों में 1942 का ये आंदोलन सबसे विशाल और सबसे तीव्र आंदोलन साबित हुआ था। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में निर्णायक भूमिका निभाने वाले इस आंदोलन में पूरे देश के लोगों की व्यापक भागीदारी रही थी। अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन के शुरू होने के कुछ समय बाद ही गांधीजी को गिरफ्तार कर लिया गया था। लेकिन देश भर के युवा कार्यकताओं ने हड़तालों और तोड़फोड़ की कार्रवाइयों के जरिए आंदोलन को जिंदा रखा। इस आंदोलन ने देखते ही देखते ऐसा रूप ले लिया था कि अंग्रेजी सत्ता को दमन के सभी उपाय नाकाफी साबित होने लगे थे। 1942 का अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन 1920, 1921, 1930, 1940-41 के आंदोलनों से काफी भिन्न था। इसी कारण सुभाष बाबू ने कहा था कि 1942 में पेसिव रजिस्टेन्स के युग का अंत होकर एक्टिव रजिस्टेन्स का सूत्रपात हुआ। राजनारायण मिश्र, महेंद्र चौधरी, लेना प्रसाद, मांतिगिनी हाजरा, चाफेकर बंधुओं, खुदीराम बोस, कन्हाई लाल, करतार सिंह, रामप्रसाद बिस्मित, अशफकाउल्ला खान, राजेंद्र लाहिड़ी, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद जैसे वीरों के अविस्मरणीय योगदान ने आजादी की राह काफी सरल बना दी थी। गांधीजी का करो या मरो का नारा अत्यन्त ही शक्तिशाली मंत्र साबित हो रहा था। बापू के इस मंत्र का भी देशव्यापी असर पड़ा और यह नारा बाद में आजादी पाने का ध्येय मंत्र बन गया। इस आंदोलन को लालबहादुर शास्त्री ने एक बड़ा रूप दे दिया था। लालबहादुर शास्त्री ने 1942 में मरो नहीं मारो का नारा दिया। जिसने क्रान्ति की ज्वाला को पूरे देश में प्रचंड किया। 19 अगस्त 1942 को शास्त्री जी गिरफ्तार हो गए। इस आंदोलन की व्यूह रचना बेहद तरीके से बुनी गई थी। चूंकि अंग्रेजी हुकूमत दूसरे विश्व युद्ध में पहले ही पस्त हो चुकी थी, लिहाजा 8 अगस्त 1942 की शाम को बम्बई में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के बम्बई सत्र में अंग्रेजों भारत छोड़ो का नाम दिया गया था। हालांकि गांधी जी को फौरन गिरफ्तार कर लिया गया था। लेकिन देश भर के युवा कार्यकर्ता हड़ताल और तोड़फोड़ की कार्रवाइयों के जरिए आंदोलन चलाते रहे। 9 अगस्त 1942 को दिन निकलने से पहले ही कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सभी सदस्य गिरफ्तार हो चुके थे और कांग्रेस को गैरकानूनी संस्था घोषित कर दिया गया। गांधी जी के साथ भारत कोकिला सरोजिनी नायडू को यरवदा पुणे के आगा खान पैलेस में, डॉ. राजेंद्र प्रसाद को पटना जेल व अन्य सभी सदस्यों को अहमदनगर के किले में नजरबंद किया गया था। जयप्रकाश नारायण, अरुणा आसफ अली व मदनलाल बागड़ी का इस क्रांति में अविस्मरणीय योगदान रहा था। **(ये इनके निजी विचार हैं)**

रमेश सर्राफ धमोरा
लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।

देश की बात

विनेश फोगाट हार कर भी जीत गई

पेरिस ओलंपिक 2024 से बाहर होने के बाद भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट की पहली फोटो सामने आई है। तस्वीर में वह अस्पताल के बेड पर लेटी हुई नजर आ रही हैं और चेहरे पर मुस्कुराहट है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने विनेश फोगाट से मुलाकात की। विनेश को महिलाओं की 50 किलोग्राम कुश्ती स्पर्धा के फाइनल के लिए डिस्क्वॉलिफाई करार दिया गया। फाइनल में उसका वजन 50किलो के अंदर ही रहना चाहिए लेकिन मात्र 100ग्राम ज्यादा होने के वजह से फाइनल में मेडल लाने से चुकी इसमें सरकार की कोई गलती नहीं है यदि होती तो ओलम्पिक में भेजते ही नहीं ऐ सारे भारतवाशियों के लिए सदमें से कम नहीं है इसलिए राजनीति रंग देना ठीक नहीं है विनेश फोगाट पर सभी की निगाहें टिकी होगी राजनीति रोटी सेकने हेतु लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक विनेश डिस्क्वालिफाई होने के बाद फिजिकली और मेडिकिली ठीक हैं। पी टी उषा ने विनेश से पेरिस स्थित ओलंपिक गांव के मेडिकल सेंटर में मुलाकात की। कुछ न्यूज चैनलों के पेट में दर्द हो रहा होगा कि विपक्ष बयानवाजी करें और इसे मुद्दा बना लें लेकिन जब कोई देश के मान सम्मान पर बात आती है तो खिलाड़ियों में देश प्रेम की भावना रहती है ऐ भारत देश है जिसने अंग्रजो से आजादी दिलवाई इसे गलती से भी बांग्लादेश समझने की भूल ना करे यहाँ की सेनाओं हमेशा देश और लोकतान्त्रिक व्यवस्था के प्रति निष्ठावान रहते हैं इसलिए हमें ऐसे बयान कभी नहीं देना चाहिए जो देश को तोड़ने का काम करे ऐ कुछ न्यूज चैनलों पर ही हवा दी जा रही है कि भारत में भी लोकतंत्र खतरे में है और वैसी स्थिति आ जाएगी हमारे वीर सैनिक अभी भी पुरी मुश्तऐदी से बॉर्डर पर टिकी है कुछ न्यूज चैनलों और उनके चमकीले एंकरों में रत्तीभर भी नैतिकता बची है तो आज अपने शो की शुरूआत इस पहले वाक्य-ह्यसॉरी विनेश फौगाट! सॉरी मेरे लाखों दर्शकों! मुझसे गलती हो गयी, हमने गलतबयानी की से कर सकते हैं। ऐसा करके वो सही तो नहीं हो जाएंगे लेकिन हां, जिस पेशे से लाखों कमाते आए हैं, दुनियाभर के ऐश-ओ-आराम की चीजें जुटायी है, उस पेशे की लाज, थोड़ी ही सही, बची रह जाएगी। राष्ट्रभक्ति के नाम पर न्यूज चैनल जो अपने दर्शकों के बीच जहर भरने का काम करते हैं, कई बार यह जहर इस हद तक जाकर बेअसर हो जाता है कि हम आसानी से समझ पाते हैं कि ऐसे चैनल कैसे देश और लोकतंत्र के खिलाफ जाकर काम कर रहे हैं। **(ये इनके निजी विचार हैं)**

संजय गोस्वामी

फेसबुक वॉल से

X से

साहित्य चर्चा

आचार्य शिवपूजन सहाय की पत्रकारिता और सुलतानगंज की पत्रिका 'गंगा'

बिहार की भूमि पर पत्रकारिता का आगाज शिवपूजन सहाय ने भागलपुर सुल्तानगंज से प्रकाशित 'गंगा' का संपादन कर किया। सन 1930 में बनैली राज्याधीश कुमार कृष्णानन्द सिंह ने सुलतानगंज से गंगा नामक उच्च कोटि की मासिक पत्रिका प्रकाशित की इसके मुख्य संपादक आचार्य शिवपूजन सहाय थे। बाद में साहित्याचार्य 'मग' भी इसके संपादक-मंडल में आ गये थे। कुछ समय के लिए पंडित राहुल सांकृत्यायन ने भी इसके संपादन भी योगदान दिया था। बिहार में हिंदी का प्रथम उच्चकोटि का साहित्यिक पत्र 'गंगा' था, जिसको शिवपूजन सहाय ने अपनी कलम के स्पर्श से ऐसा चमकाया कि वह हिंदी पत्रकारिता के इतिहास में अजर-अमर हो गया। हिंदी में इस प्रकार का पत्र पहले कभी नहीं निकला। इस प्रकार 'गंगा' को भी उच्चकोटि का साहित्यिक पत्र बनाने में शिवजी ने महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। हिन्दी की अन्य मासिक पत्रिकाओं के संचालक प्रायः प्रसिद्ध प्रकाशक थे; इसलिए उनके प्रकाशन से उनकी पत्रिकाओं को प्रखंड आदि यों ही, या कहीं कहीं सुलभ मूल्य में मिल जाते थे। गंगा के लिए तो यह सुविधा भी नहीं थी। (गंगा, मासिक, प्रवाह 3, तरंग 15, मई सन 1933 ईस्वी, पृष्ठ 718; हिंदी साहित्य और बिहार, तृतीय खण्ड, पृष्ठ 134) समय-समय पर इसके 'वेदांक', 'गंगांक', 'विज्ञानांक', 'पुरातत्वांक', 'चरितांक' आदि कई विशेषांक निकले। गंगा के विशेषांकों पर संचालक को काफी व्यय करना पड़ता था, क्योंकि हिंदी में बिल्कुल नये विषयों पर निकाले जाते थे। अकेले 'पुरातत्वांक' निकालने में लगभग चार हजार रुपये खर्च हुए थे। फिर भी गंगा के प्रधान संरक्षक और अध्यक्ष महोदयों का उत्साह कम नहीं हुआ; क्योंकि उनका लक्ष्य गंगा के द्वारा अथोर्पार्जन नहीं; केवल हिंदी की सेवा थी। बनैली राज के अधीश्वर कृत्यानन्द सिंह ने अंगरेजी में 'पूर्णिया-ए शिकार लैंड' नामक एक पुस्तक की रचना की थी, जिसका हिंदी अनुवाद श्रीलक्ष्मीनारायण सुधांशु ने गंगा में प्रकाशित कराया था।गंगा एक अल्पजीवी पत्रिका थी। महाकवि जयशंकर प्रसाद के कई बार अनुरोध करने पर शिवपूजन सहाय अक्टूबर 1930 में 'गंगा' के संपादक होकर सुल्तानगंज, जिला-भागलपुर आए। **(ये इनके निजी विचार हैं)**

कुमार कृष्णान

बोधि वृक्ष

हमें केवल इतना ही करना है कि हम अपनी जानकारी सुधारें। अपने मन को भीतर एकाग्र करें। आप- शरीर, मन एवं आत्मा में एक नवीन शक्ति, नवीन बल, एवं नवीन शांति का अनुभव करेंगे।

हमारी अनंत क्षमताएं

आत्मसाक्षात्कार - शरीर, मन एवं आत्मा में यह जानना है कि हम ईश्वर की सर्वव्यापकता के साथ एक हैं; कि हमें यह प्रार्थना नहीं करनी है कि वे हमारे पास आएँ, कि हम न केवल सदैव उनके समीप हैं, अपितु ईश्वर की सर्वव्यापकता हमारी सर्वव्यापकता है: यह कि हम उनके अब भी उतने ही अंश हैं जितने कि हम सदैव रहेंगे। हमें केवल इतना ही करना है कि हम अपनी जानकारी सुधारें। अपने मन को भीतर एकाग्र करें। आप- शरीर, मन एवं आत्मा में-एक नवीन शक्ति, नवीन बल, एवं नवीन शांति का अनुभव करेंगे।... ईश्वर के साथ सम्पर्क स्थापित करके आप अपनी स्थिति को नश्वर मानव से अमर मानव में बदल देते हैं। जब आप ऐसा करेंगे, तो आपको सीमित करने वाले समस्त बन्धन टूट जाएँगे। सिखाई जाती हैं। जो उनके व्याख्यानों एवं कक्षाओं से संकलित करके, घर में अध्ययन करने के लिए विस्तृत श्रृंखला के रूप में योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ इण्डिया, राँची से उपलब्ध हैं। शब्दावली में देखें 'आत्मन। और न ही वे लोग यह कहेंगे, देखो यहाँ है। या देखो वहाँ है। क्योंकि, देखो परमेश्वर का राज्य तुम्हारे भीतर में ह। आपके भीतर शक्ति के भण्डार हैं, जिन्हें खोजा नहीं गया है। आप इस शक्ति को सभी कार्यों में, अनजाने में प्रयोग करते हैं और आप कुछ परिणाम भी प्राप्त करते हैं, परन्तु यदि आप अपनी आन्तरिक शक्तियों को सचेत रूप से नियन्त्रित करना और प्रयोग करना सीख लें तो आप इससे भी बहुत अधिक उपलब्धि प्राप्त कर सकते हैं। **(क्रमशः)**

श्री श्री परमहंस योगानंद

सामयिक विश्लेषण

बांग्लादेश की अस्थिरता किसकी साजिश?

बांग्लादेश हिंसा की आग में जल रहा है। प्रधानमंत्री शेख हसीना अपात स्थिति में त्यागपत्र देकर भारत में शरण लिया है। बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है यह बांग्लादेश और उसके भविष्य के लिए ठीक नहीं है। सरकार विरोधी हिंसक और अराजक लोगों ने पूरे बांग्लादेश को अपने कब्जे में लें लिया है। इसके पीछे सिर्फ छात्र आंदोलन नहीं एक बड़ी साजिश है। यह साजिश बांग्लादेश के साथ -साथ सरकार को अस्थिर करने की थीं। क्योंकि हिंसक भीड़ प्रधानमंत्री आवास में घूस गई। गृहमंत्री का सरकारी आवास भी जला दिया गया। बांग्लादेश सरकार में कई हिंदू नेताओं का कत्ल कर दिया गया। पाकिस्तान से बांग्लादेश को मुक्त कराने वाले और मुक्ति आंदोलन के प्रणेता मुजीबुर रहमान जो शेख हसीना के पिता हैं उनकी आदमकद प्रतिमा को जहाँ तोड़ दिया गया। वहीं उनके संग्रहालय को आगे हवाले कर दिया गया। हिंसक भीड़ हिंदू मंदिरों को भी तोड़ दिया। बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है यह सब एक सोची समझी रणनीति है। शेख हसीना को अपदस्त करना छात्र आंदोलन के बस की बात नहीं थीं। पूरी हिंसा को नियोजित ढंग से अंजाम दिया गया है। इस साजिश को समय रहते शेख हसीना और उनकी सरकार समझ नहीं पायी। इस पूरी साजिश में सेना, विपक्ष बेगम खलिदा जिया, पाकिस्तान और चीन की आंतरिक सहमति हो सकती है। जिसकी साजिश का शिकार शेख हसीना बन गई। हिंसा के बीच खालिदा जिया की रिहाई का आदेश आखिर क्या कहता है। बंगलादेश में छात्र सरकार की उच्चश्रेणी की नौकरियों में आरक्षण को खत्म करना चाहते थे। हलांकि सरकार उनकी मांगो पर विचार भी कर रहीं थीं। **(ये इनके निजी विचार हैं)**

प्रभुनाथ शुक्ल

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

आदर्श स्थापित कर गए बुद्धदेब भट्टाचार्य

डॉ. प्रभात ओझा

वर्ष 2022 में पद्म पुरस्कारों की घोषणा हुई, तो उसमें पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेब भट्टाचार्य का नाम पद्मभूषण प्राप्तकर्ता के रूप में शामिल था। इसी सम्मान के लिए तब कांग्रेस में रहे गुलाम नबी आजाद के नाम की भी घोषणा हुई। भट्टाचार्य ने सम्मान लेने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि इसकी जानकारी उन्हें पहले से नहीं थी। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भट्टाचार्य के बहाने अपने साथी गुलाम नबी आजाद पर व्यंग्य कसा था। उन्होंने कहा कि बुद्धदेब भट्टाचार्य ऐसे नेता हैं, जो ह्यआजादह्न रहना चाहते हैं, गुलामनहीं। जयराम रमेश ने भले ही अपने साथी आजाद पर व्यंग्य किया हो, लेकिन आज लगता है कि उन्होंने जाने-अनजाने कम्युनिस्ट नेता बुद्धदेब भट्टाचार्य के व्यक्तित्व की सही प्रस्तुति कर दी थी। पश्चिम बंगाल में 34 साल तक वामपंथी शासन में से करीब 11 साल बुद्धदेब के नाम भी थे। उनके पहले 23 वर्षों

स्मृति शेष

तक ज्योति बसु राज्य के मुख्यमंत्री रहे। बुद्धदेब के आजाद ख्याली को इस रूप में देखा जाना चाहिए कि उन्होंने उद्योगीकरण के लिए राज्य में विदेशी पूंजी तक को आमंत्रित किया। सिंगूर में टाटा को लाने के लिए वे पहचाने ही जाते हैं। आमतौर पर वामपंथी उदारीकरण नीति के खिलाफ रहा करते हैं। इसके विरुद्ध बुद्धदेब ने टाटा के नैनो कार के लिए भी सिंगूर में जगह दी। अलग बात है कि सिंगूर में भूमि विवाद के चलते लंबा आंदोलन चला और माना जाता है कि लंबे कम्युनिस्ट शासन की समाप्ति और ममता राज के आने के कारणों में सिंगूर मसला भी बहुत अहम रहा।

कम्युनिस्ट नेताओं के पद पर रहते वेतन-भत्ता आदि पार्टी को समर्पित करना आम बात है। बुद्धदेब ने भी यही किया। मुख्यमंत्री को मिलने वाली धनराशि वे पार्टी फंड में जमा कर दिया करते थे। उनके अपने खर्च के लिए पार्टी उसी धनराशि का एक हिस्सा उन्हें दिया करती थी। बताया जाता है कि बाद में भी पार्टी बुद्धदेब के दैनिक खर्च और इलाज आदि की व्यवस्था कर रही थी। परिवार से अति समृद्ध उनके पूर्ववर्ती ज्योति बसु ने भी यही किया। केरल के पहले मुख्यमंत्री ईएमएस नंबूदरीपाद सीएम रहते साइकिल से कार्यालय जाया करते थे। उनका टाइप राइटर भी उनकी साइकिल के करियर पर ही बंधा होता था। मणिपुर के मुख्यमंत्री रहे माणिक सरकार के पास भी अपना कोई निजी आवास और वाहन नहीं था।

(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

पूर्व सीएम बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन सीएम ममता बनर्जी ने जताया दुख

कोलकाता। पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दुख व्यक्त किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर कहा, पूर्व मुख्यमंत्री श्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के आकस्मिक निधन से स्तब्ध और दुखी हूं। मैं पिछले कई दशकों से उन्हें जानती हूं और पिछले कुछ वर्षों में जब वह बीमार थे और प्रभावी रूप से घर पर ही थे, तब मैंने उनसे कई बार मुलाकात की थी।

बुद्धदेव भट्टाचार्य राज्य के सबसे लोकप्रिय राजनेताओं में थे : बंगाल भाजपा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री और वाम मोर्चा के वरिष्ठ नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन पर प्रदेश भाजपा इकाई ने शोक व्यक्त किया है। लंबी बीमारी के बाद गुरुवार सुबह 8:20 बजे उनका निधन हो गया।

फोगाट के मुद्दे पर राज्यसभा में हंगामा

विपक्ष के व्यवहार से दुखी होकर सभापति जगदीप धनखड़ ने छोड़ा आसन

डेरेक ओ ब्रॉयन को दी चेतावनी, बर्ताव में सुधार नहीं लाए तो अगली बार सदन से निकाल दिया जाएगा

एजेंसी। नई दिल्ली

गुरुवार को संसद में राज्यसभा की कार्रवाई शुरू होने के कुछ देर बाद ही सदन में जबरदस्त हंगामा शुरू हो गया। हंगामा इस कदर बढ़ा कि सभापति भावुक हो गए और अपने आसन से उठकर चले गए। आसन छोड़ने से पहले सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मेरे पास केवल एक ही विकल्प है, दुखी मन से, मैं अपनी शपथ से दूर नहीं जा रहा हूं, लेकिन जो आज मैंने देखा है जिस तरह का व्यवहार मेरे साथ किया गया है, शारीरिक रूप से किया गया है, मैं यहां बैठने में अपने आप को सक्षम नहीं पा रहा हूं। इसके बाद भावुक होकर सभापति सदन से चले गए। दरअसल कांग्रेस समेत विपक्ष के सांसद भारतीय रेसलर विनेश फोगाट का विषय राज्यसभा में उठाना चाहते थे। सदन में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इस विषय पर बोलने के लिए खड़े भी हुए लेकिन उन्हें इसकी इजाजत नहीं मिली। इसके बाद विपक्षी सांसदों ने सदन में हंगामा शुरू कर दिया। मल्लिकार्जुन खरगे का कहना था कि कल भी हमने यह विषय उठाया था, यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है। यह किसी एक खास समुदाय से जुड़ा विषय नहीं है। इस बीच तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ ब्रॉयन ने नाराजगी जताते हुए आसन की ओर काफी तेज आवाज में अपना विरोध दर्ज करना शुरू किया। इससे आसन पर मौजूद सभापति जगदीप धनखड़ नाराज हो गए। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ ब्रॉयन पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि आप चिल्ला रहे हैं। सभापति के आसन की ओर आप कैसे चिल्ला सकते हैं। सभापति जगदीप धनखड़ ने कड़ी नाराजगी जताई। सभापति ने उन्हें चेतावनी दी। सभापति ने कहा कि मैं आपके व्यवहार की निंदा करता हूं।

विपक्ष विषयहीन, सारा देश खड़ा है विनेश फोगाट के साथ : जेपी नड्डा

नई दिल्ली। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस और टीएमसी का व्यवहार जिस तरह से चेयर के प्रति रहा है, वह निंदनीय है। जहां तक विनेश फोगाट का सवाल है, यह कोई पक्ष और विपक्ष का सवाल नहीं है, यह देश का सवाल है। सारा देश उनके साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री ने विनेश के लिए कहा कि वह चैंपियन ऑफ चैंपियंस हैं। मुझे लगता है कि शायद विपक्ष विषयहीन हो चुका है। जब सारा देश विनेश फोगाट के साथ खड़ा है, जो सभी प्लेटफार्म थे और हैं, उन सब पर रिड्रेसल का प्रयास भारत सरकार, खेल मंत्रालय और भारतीय ओलंपिक संघ ने किया है।

नवादा पहुंची झारखंड पुलिस, ठगी करनेवाले मामा-भांजा गिरफ्तार

एजेंसी। नवादा

नवादा पहुंची झारखंड के कोडरमा जिले के सतगांव थाना पुलिस ने गुरुवार को नवादा-गया रोड स्थित स्वर्ण व्यवसायी टूटू राज ज्वेलर्स के मालिक विक्की कुमार के घर पर छापेमारी की। हालांकि, पुलिस के हाथ अब तक खाली हैं।

आरोपी स्वर्ण व्यवसायी फरार बताए जा रहे हैं। ठगी के मामले में 15 भर का जेवर ठगी करने वाला मामा भांजा को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। स्वर्ण व्यवसायी विक्की कुमार पर ठगी के करीब 15 भर सोने के जेवरात खरीदने का आरोप है। बताया जा रहा है कि कोडरमा जिले के मर्चोई गांव में साधु के वेश में रहे दो ठग एक दंपती से 15 भर सोने के जेवरात की ठगी की वारदात को अंजाम दिया था। वहीं, पीड़ित दंपती ने इस घटना की लिखित शिकायत स्थानीय पुलिस में की है। ठगी की इस वारदात के बाद झारखंड के कोडरमा जिले के सतगावा थाना की पुलिस ने आरोपी दो ठग को नवादा जिले के बुंदेलखंड थाना क्षेत्र के तकिया पर मोहल्ले से गिरफ्तार कर ठगी की गई सोने की बरामदगी में जुटी है। दोनों साधु के वेश में ठग रिश्ते में मामा-भांजा बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि पुलिस के हत्थे चढ़े शातिर दोनों ठग साधु के वेश में झारखंड के कोडरमा जिले के मर्चोई गांव के निवासी सुधीर सिंह के घर से 15 भर के सोने के गहने को लेकर रफूचक्कर हो गए थे।

न्यूज बॉक्स

केदारनाथ यात्रा मार्ग एक सप्ताह में खोलने का प्रयास : पीडब्ल्यूडी सचिव

देहरादून। उत्तराखंड की केदारघाटी में आई आपदा के बाद स्थिति अब नियंत्रण में आ रही है। केदारनाथ यात्रा मार्ग अगले एक सप्ताह में फिर से खोलने की कोशिश की जा रही है। इसे लेकर काफी तेजी से काम चल रहा है। पीडब्ल्यूडी के सचिव पंकज पांडेय ने गुरुवार को बताया कि केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग पर भारी बारिश के कारण लैंडस्लाइड हुआ था। सोनप्रयाग से गौरीकुंड का रास्ता क्षतिग्रस्त हो गया था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर हमारी टीम पर मौके पर पहुंची थी। वहां पर चार बड़े हिस्से क्षतिग्रस्त हुए हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग का 150 मीटर का एक हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। सोनप्रयाग से गौरीकुंड के बीच दो और सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं। इसके अलावा गौरीकुंड से केदारनाथ धाम की ओर जाने वाले रास्ते में कुल 29 जगहों पर सड़क खराब हुई थी।

बिहार में हर माह सम्मानित होंगे शिक्षक और प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएं

पटना। बिहार शिक्षा विभाग की ओर से सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने और विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए हरसंभव कोशिश की जा रही है। इसी कड़ी में शिक्षा विभाग ने हर महीने प्रत्येक प्रखंड से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले किसी एक शिक्षक और एक प्रतिभाशाली छात्र या छात्रा को सम्मानित करने का फैसला लिया है। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने गुरुवार को सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी को एक पत्र भेजकर स्कूलों में शिक्षकों के दायित्वों और भूमिका को लेकर निर्देश जारी किया। उन्होंने जहां शिक्षकों को उनके कर्तव्यों को बताया है, तो वहीं छात्रों की संख्या बढ़ाने को लेकर भी आवश्यक पहल करने की सलाह दी है। उन्होंने पत्र में कहा कि स्कूलों में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसमें शिक्षक ही बच्चों के समग्र विकास की सकारात्मक दिशा प्रदान करता है और छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि के साथ-साथ उन्हें सामाजिक एवं भावनात्मक व्यवहार सिखाकर श्रेष्ठ नागरिक बनाता है। यह आवश्यक है शिक्षक अपने स्कूल और छात्रों के हित में अपने कर्तव्यों का निर्वहन दृढ़तापूर्वक करें। पत्र में शिक्षकों की मार्गदर्शिका के जरिए एस सिद्धार्थ ने शिक्षकों की भूमिका और दायित्वों को छात्र स्वरूप, विद्यालय प्रबंधन, कक्षा प्रबंधन, छात्र प्रबंधन और अभिभावक प्रबंधन की बात कही है।

बांग्लादेश के हिन्दूओं को भारत में देना चाहिए शरण : शाह हसन

भागलपुर। बंग्लादेश में अराजकता थमने का नाम नहीं ले रहा। हर कोई खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। बंग्लादेश में हिन्दू भाई के साथ हो रहे घटना पर देश के प्रसिद्ध खानकाह-ए-पीर शाह के 15वें सज्जादानशीं सैयद शाह फखरे आलम हसन ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह चिंता का विषय है। बंग्लादेश में सत्ता परिवर्तन हुआ है और आम जनता का आक्रोश देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि जनता अपनी सरकार से संतुष्ट नहीं थी। इस लिए हफ्ते भर के अंदर बंग्लादेश सरकार धराशायी हो गई। नई सरकार का गठन होने जा रहा है। सज्जादानशीं शाह हसन ने कहा सबसे ज्यादा जिस बात से तकलीफ हो रही है कि बंग्लादेश के अल्पसंख्यकों के साथ जो जो हिन्दू धर्म के मानने वाले हैं।

पटना में गांधी और दीघा घाट पर गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर

एजेंसी। पटना

नगर के गांधी घाट पर गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। दीघा घाट पर भी जलस्तर में इजाफा हुआ है। गांधी घाट पर बुधवार सुबह नदी का जलस्तर 48.35 मीटर था, वह गुरुवार सुबह 48.70 मीटर पर पहुंच गया है। गंगा खतरे के निशान से 10 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। दीघा घाट पर भी गंगा नदी 49.54 मीटर से बढ़कर 49.92 मीटर पर पहुंच गई है। इस तरह से यहां 38 सेंटीमीटर पानी बढ़ा है।

अररिया में लोहंदरा नदी में उफान

फारबिसगंज। अररिया के कुसाकांटा प्रखंड क्षेत्र से होकर बहने वाली नदियों में शामिल लोहंदरा नदी में उफान आयी है जिससे काफी तेजी से बाढ़ का पानी ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवेश करने लगा। सोनामनी गोदाम वार्ड संख्या 03 निवासी संजय पंडित ने बताया कि पानी के दबाव से नया टोला सिकटिया के तरफ से सोनामनी गोदाम आने वाली सड़क क्षतिग्रस्त हो गया। सड़क क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीणों को आवागमन में भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अक्टूबर से पहले जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की हो सकती है घोषणा : केंद्रीय मंत्री

श्रीनगर। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री (एमओएस) रामदास अठावले ने गुरुवार को कहा कि इस साल अक्टूबर से पहले जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की घोषणा हो सकती है। यहां मीडिया को संबोधित करते हुए, एमओएस ने कहा, केंद्र इस साल अक्टूबर से पहले जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की घोषणा कर सकता है। अक्टूबर में विधानसभा चुनाव भी हो सकते हैं। अक्टूबर से पहले महाराष्ट्र, झारखंड और हरियाणा में चुनाव होने हैं। मंत्री ने कहा,मुझे लगता है कि अक्टूबर से पहले राज्य का दर्जा बहाल किया जा सकता है और अक्टूबर में चुनाव भी हो सकते हैं।

सीडीएस ने बांग्लादेश में अशांति और अस्थिरता पर चिंता जताई

एजेंसी। नई दिल्ली

शेख हसीना के खिलाफ शुरू हुए आरक्षण विरोधी आंदोलन के बाद बांग्लादेश में अस्थिरता पर भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने पहली बार चिंता जताई है। उन्होंने बांग्लादेश में अशांति, जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव और चीन के साथ चल रहे सीमा विवाद पर चिंताओं को उजागर किया है। सीडीएस चौहान ने कहा कि तीन साल से चीन के साथ गतिरोध के बावजूद हमारे पास पूर्व और उत्तर में जीवंत सीमाएं हैं। इसलिए पड़ोसी देश बांग्लादेश में अशांति होना निश्चय ही भारत के लिए भी चिंता का विषय है।

पाकिस्तान से बढ़ते तनाव और चीन के साथ सीमा विवाद पर भी खुलकर बोले जनरल चौहान

बांग्लादेश की करीब 4000 किमी. लंबी सीमा पर सेना और बीएसएफ हाई अलर्ट पर

सीडीएस जनरल अनिल चौहान गुरुवार को दिल्ली में सैन्य गोला-बारूद पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बांग्लादेश छोड़कर भारत आने के बाद वहां अराजकता का माहौल है, जिसने अब वहां सांप्रदायिक रंग ले लिया है। हिंदुओं के साथ ही वहां दूसरे अल्पसंख्यकों को चुन-चुनकर निशाना बनाया जा रहा है, जो अब पूर्वोत्तर की सीमा से भारत में पलायन करने की ताक में हैं लेकिन सीमा सुरक्षा बल उन्हें वापस बांग्लादेश भेजकर घुसपैठ को नाकाम कर रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृषभ आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं, अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-6-8-9

मकर धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

कुम्भ सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-9

मीन आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता है। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

व्यापार/लाइफ व साइंस

डिपॉजिट में धीमी वृद्धि चिंता का विषय, नए उत्पाद लाएं बैंक : दास

एजेंसी। नई दिल्ली

घरेलू बचत के वैकल्पिक निवेश विकल्पों की ओर बढ़ने से चिंतित भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने गुरुवार को बैंकों से कहा कि वे अपने विशाल शाखा नेटवर्क का लाभ उठाकर नवोन्मेषी उत्पादों तथा सेवाओं के जरिये जमा जुटाएं। उन्होंने कहा, बैंक बढ़ती ऋण मांग को पूरा करने के लिए अल्पकालिक गैर-खुदरा जमा और देयता के अन्य साधनों का अधिक सहारा ले रहे हैं। जैसा कि मैंने जोर दिया है, इससे बैंकिंग प्रणाली में संरचनात्मक नकदी संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

दास ने कहा कि वैकल्पिक निवेश के रास्ते खुदरा ग्राहकों के लिए अधिक आकर्षक होते जा रहे हैं। इसके चलते बैंकों को वित्तपोषण के मोर्चे पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि जमा वृद्धि कर्ज मे बढ़ोतरी से पीछे है।

दास ने पुराने गृह ऋण पर अतिरिक्त कर्ज लेने की बढ़ती प्रवृत्ति पर भी चिंता व्यक्त की। गवर्नर ने कहा कि इस संबंध में ऋण से मूल्य अनुपात, जोखिम भार और धन के अंतिम उपयोग की निगरानी से संबंधित नियामकीय निर्देशों का कुछ इकाइयों द्वारा कड़ाई से पालन नहीं किया जा रहा है। बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां भी स्वर्ण ऋण जैसे अन्य गारंटी वाले कर्जों मसलन गोल्ड लोन पर टॉप-अप ऋण की पेशकश कर रहे हैं।

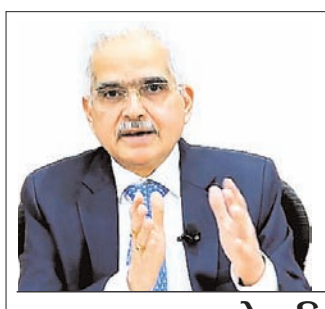

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 675 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर : शक्तिकांत दास

मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को बताया कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार दो अगस्त को 675 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इससे पहले 19 जुलाई को विदेशी मुद्रा भंडार का उच्चतम स्तर 670.85 अरब डॉलर रहा था, जबकि 26 जुलाई को यह 667.38 अरब डॉलर रहा था।

अब चेक क्लियर होने में नहीं लगेगा वक्त

मुंबई/नई दिल्ली। चेक के जरिए लेन-देन करने वालों के लिए अच्छी खबर है। अब चेक का निपटान (क्लियरिंग) कुछ ही घंटों में हो जाएगा। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चेक समाशोधन में लगने वाले समय को कुछ घंटे करने की घोषणा की है। फिलहाल चेक जमा करने से लेकर राशि के बैंक अकाउंट में आने में करीब दो दिन का समय लग जाता है। आरबीआई के गवर्नर ने गुरुवार को यह जानकारी दी। शक्तिकांत दास ने यहां वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति की समीक्षा बैठक की।

बीएसएनएल का जनवरी माह से 5-जी का देशी तड़का

एजेंसी। उज्जैन

बीएसएनएल एक बार फिर दूरसंचार सेवाओं में निजी कम्पनियों से मुकाबले के लिए मैदान में आ गया है। अभी कम्पनी द्वारा अपने उपभोक्ताओं को बाजार से कम दर पर 4-जी डाटा उपलब्ध करवाया जा रहा है। जनवरी माह से 5-जी सेवाएं भी शुरू हो जाएंगी। इसके लिए टीसीएस कम्पनी के देशी उपकरणों की तैनाती हो रही है। 3-जी तक चीनी कम्पनियों के उपकरणों पर निर्भरता थी, जिसकी आगे की सेवाओं तथा पूर्जों के अभाव में बीएसएनएल पिछड़ता चला गया।

यह जानकारी दी बीएसएनएल, उज्जैन के महाप्रबंधक बसंत गुप्ता ने। चर्चा में उन्होंने बताया कि इस समय बाजार में 4-जी डाटा प्लान सबसे अधिक सस्ते बीएसएनएल के ही हैं। चूंकि बैसिक इंफ्रा स्ट्रक्चर है। ऐसे में सेवाओं को कम खर्च कर उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि संभाग में इस समय प्रति माह 36 हजार नए ग्राहक बीएसएनएल से जुड़ रहे हैं, यह अपने में रिकार्ड है। पहले प्रति माह करीब 6 हजार उपभोक्ता जुड़ते थे। चूंकि निजी कम्पनियों के डाटा प्लान महंगे होने तथा अंचलों तक नेटवर्क की समस्या आने के कारण एक बार फिर आम जनता का रूझान बीएसएनएल की ओर है। बसंत गुप्ता ने बताया कि जिन मोबाइल उपभोक्ताओं के पास 3-जी सीम है,उन्हे बीएसएनएल की नई स्कीम के तहत 4-जी वाली सीम निःशुल्क दी जा रही है। उन्हे अपना मोबाइल फोन लेकर देवासगेट स्थित कार्यालय आना है। यहां हम 10 मिनिट में नई सीम दे देंगे, ताकि उपभोक्ताओं को वर्तमान दर पर ही 4-जी नेटवर्क प्राप्त हो जाए।

जुलाई में नियुक्तियों में 11 प्रतिशत वृद्धि

एजेंसी। नई दिल्ली

देश में जुलाई में नियुक्तियों में तेज वृद्धि देखने को मिली है और इसमें सालाना आधार पर 11 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। हालांकि, मासिक आधार पर नियुक्तियों में एक प्रतिशत की गिरावट हुई है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। फाउंडइट (पूर्व मॉनस्टर) की रिपोर्ट में बताया गया है कि आईटी सॉफ्टवेयर और सर्विस सेक्टर सबसे अच्छे पैकेज कर्मचारियों को ऑफर कर रहे हैं। इन सेक्टरों में फ्रेशर्स की सैलरी 4.1 लाख रुपये से लेकर 7.5 लाख रुपये तक की है। रिटेल और टेलीकम्युनिकेशन सेक्टर में भी सैलरी में इजाफा देखने को मिला है। इन सेक्टरों में फ्रेशर्स का औसत पैकेज 3.3 लाख रुपये से लेकर 5.2 लाख रुपये के बीच है। वहीं, विज्ञापन, मार्केट रिसर्च और पीआर में अनुभवी पेशेवरों का वेतन 11 लाख रुपये से लेकर 33 लाख रुपये के बीच है।

रियलमी 13 प्रो सीरीज 5 जी की प्री-बुकिंग एक लाख के पार

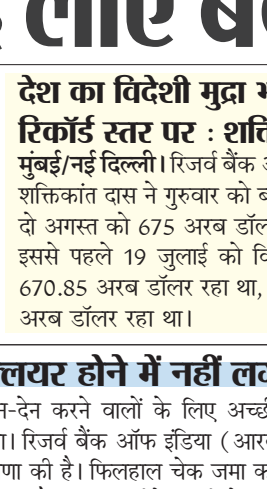

एजेंसी। नई दिल्ली

रियलमी ने 2024 में मिड-प्रीमियम सेगमेंट के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। कंपनी ने यूजर्स को बेहतरीन एक्सपीरियंस देने के लिए नए और एडवांस स्मार्टफोन लॉन्च किए हैं। रियलमी 13 प्रो सीरीज 5जी ने 6 महीने में दूसरी फ्लैगशिप लॉन्च होने के बावजूद काफी तरक्की की है। रियलमी 13 प्रो सीरीज 5जी की पहली बिक्री 6 अगस्त को दोपहर 12 बजे रियलमी डॉट कॉम, फ्लिपकार्ट और 12 घंटे बाद मेनलाइन चैनलों पर लाइव हुई।

शुरूआती संकेत बताते हैं कि उपभोक्ताओं ने मजबूत रुचि दिखाई है, जिनमें से कई लोग दुनिया के पहले मोनेट-इंस्पायर्ड स्मार्टफोन डिजाइन के एक्सपीरियंस के लिए उत्सुक दिखे। रियलमी 13 प्रो सीरीज 5जी ने 35 हजार से 40 हजार रुपये की कीमत वाले मिड-प्रीमियम सेगमेंट में मजबूत शुरूआत की है। सभी प्लेटफॉर्म पर इसकी एक लाख से ज्यादा प्री-बुकिंग हो चुकी है। मोनेट-इंस्पायर्ड डिजाइन और अल्ट्रा-क्लियर कैमरा जैसे यूनिक फीचर्स, जिसमें एआई भी शामिल है, रियलमी के उच्च-स्तरीय यूजर एक्सपीरियंस पर फोकस को दर्शाते हैं।

आदिवासी अपनी मेहनत से खेलों में विश्व स्तर पर स्थान बनाते हैं : असुंता लकड़ा

भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान असुंता लकड़ा सिमडेगा जिले के सुदूरवर्ती गांव में रहती हैं। असुंता लकड़ा रेलवे से जुड़ी हैं और भारतीय हॉकी की चयनकर्ता भी हैं। विश्व आदिवासी दिवस पर राष्ट्रीय नवीन मेल के संवाददाता रजनीश ने उनसे खास बात की।

Q प्रश्न- जब आप या कोई अन्य आदिवासी शुरूआती दौर में खेलता है तो उसे किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है?

उत्तर- जब मैं और कोई भी आदिवासी बच्चा अपनी शुरूआती दौर में खेलना शुरू करता है, तब उसे सबसे बड़ी जो चुनौती मिलती है वह है आर्थिक चुनौती। वह गरीब होता है, किसान परिवार से होता है। वह इतना संपन्न नहीं होता कि किट खरीद सके और अच्छे से प्रैक्टिस कर सके। अगर उनमें कुछ होता है तो वह जुनून और जज्बा होता है। मैं अपनी बात करूं तो मुझे खेलने के लिए अगर कहीं जाना होता था तो मेरे पास पैसा नहीं हुआ करता था। मेरा परिवार किसान परिवार से था, तो वह भी बहुत ज्यादा कुछ नहीं कर पाता था। या तो किसी से पैसा उधार लेता था या मेरे पिताजी जो धान उगाते थे उसको बेच कर जो पैसा आता था। उस पैसे से ही मैं खेलने बाहर जाती थी। लेकिन खेलने का विश्वास था तो मैं भारत के लिए 14 सालों तक खेली और भारतीय महिला हॉकी की मैं कप्तान भी रही। अभी मै सेलेक्टर हूं। आदिवासी अपनी मेहनत से अपनी पहचान बनाते हैं। ईमानदारी से मेहनत करते हैं और उससे ही वह मेडल लेते हैं। आदिवासियों को कोई मदद नहीं करता अपने से ही मेहनत करते हैं और विश्व स्तर पर नाम बनाते हैं।

Q प्रश्न- हॉकी की फैक्ट्री झारखंड में आदिवासी बच्चे कैसे हॉकी खेलना शुरू करते हैं ?

उत्तर- छोटे गांव में और सुदुरवर्ती इलाकों में रहने वाले आदिवासी बच्चे जब गाय-भैंस चराने के लिए निकलते हैं तब उसे अपने हॉकी स्टीक के लिए लकड़ी काटते हैं। जंगलों में कुछ ऐसी भी लड़कियां होती हैं जो टेढ़ा करने पर टूटती नहीं हैं तो उसे बांधकर छोड़ दिया जाता है और कई दिनों के बाद फिर उसे काट कर लाकर खेतों में या मैदान में प्रैक्टिस की जाती है। कई बार मैं अपने घर जाती हूं तो रास्ते में बच्चे जब खेल रहे होते हैं या प्रैक्टिस कर रहे होते हैं उस वक्त मैं अपनी गाड़ी रोक के उन लोगों से मिलती हूं और उन्हें बताती हूं कैसे खेलना है और उन्हें हौसला देती हूं।

Q प्रश्न- हॉकी के विकास के लिए क्या होना चाहिए?

उत्तर- सभी ट्रेनिंग सेंटर में अच्छे कोच होने चाहिए, अच्छी ट्रेनिंग होनी चाहिए, डाइट का खास ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। बच्चों को ठीक से प्रैक्टिस करनी चाहिए। उसे पूरा किट देना चाहिए। झारखंड के बच्चों में बहुत पोटेंशियल है। वह बहुत कुछ कर सकते हैं। वह झारखंड ही नहीं देश ही नहीं पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना सकते हैं।

विनेश के संन्यास पर बोले बजरंग और साक्षी, 'तुम हारी नहीं हो'

एजेंसी। नई दिल्ली

पहलवान विनेश फोगाट के पेरिस ओलंपिक में अयोग्य ठहराए जाने के बाद कुश्ती से संन्यास लेने के फैसले पर पूरे खेल जगत ने उनका समर्थन किया. इस 29 साल की रेसलर को बुधवार को महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग के फाइनल से पहले 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य ठहराया गया था। उन्होंने एक्स पर संन्यास की घोषणा की। जिसके बाद कई रेसलर्स ने उनका हौसला बढ़ाया टोक्यो ओलंपिक के ब्रॉन्ज मेडल विजेता पहलवान बजरंग पूनिया ने कहा कि विनेश हारी नहीं बल्कि उनको हराया गया है। बजरंग ने पोस्ट किया,ह्यह्यविनेश आप हारी नहीं (आपको) हराया गया है। हमारे लिए सदैव आप विजेता ही रहोगी। आप भारत की बेटी के साथ साथ भारत का अभिमान भी हो। रियो 2016 में ब्रॉन्ज मेडल जीत कर ओलंपिक खेलों में मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान साक्षी मलिक ने कहा कि विनेश के साथ जो कुछ हुआ वह ह्यहमारे देश की हर बेटी की हार है। विनेश तुम हारने वाली नहीं हो। यह हमारे देश की हर बेटी की हार है जिसके लिए आपने लड़ाई लड़ी। यह पूरे देश की हार है। देश आपके साथ है। एक एथलीट के तौर पर मैं आपके संघर्ष और जुनून को सलाम करती हूं। पूर्व खेल मंत्री और एथेंस ओलंपिक के रजत पदक विजेता निशानेबाज राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने इस घटना को दुखद और दिल तोड़ने वाला बताया। उन्होंने कहा,ह्यह्य एक खिलाड़ी के जीवन में वर्षों का संघर्ष, उतार-चढ़ाव होता है, फिर कौशल दिखाने और जीतने के लिए वह महत्वपूर्ण दिन आता है।

कप्तान हरमनप्रीत के दो गोलों की बदौलत भारत ने स्पेन को 2-1 से हराकर जीता कांस्य

एजेंसी। पेरिस

कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल और पीआर श्रीजेश के दो बेहतरीन बचाव की बदौलत भारत ने शुक्रवार को यवेस डु मैनोइर स्टेडियम में स्पेन को 2-1 से हराकर पेरिस ओलंपिक में लगातार दूसरी बार कांस्य पदक हासिल किया। रोमांचक माहौल में खेलते हुए, पहले क्वार्टर के बाद 0-1 से पिछड़ने के बाद भारतीय टीम ने बेहतरीन वापसी करते हुए पेरिस ओलंपिक में अपनी तालिका में चौथा पदक जोड़ा। श्रीजेश, जो भारत के लिए अपना आखिरी गेम खेल रहे थे, भावनाओं से भरे हुए मैदान पर गए और टीम के बाकी सदस्य भारत के हॉकी इतिहास के इस महत्वपूर्ण अवसर का जश्न मनाने के लिए उनके साथ शामिल हो गए।

भारत ने 1972 म्यूनिख खेलों के बाद 52 वर्षों में पहली बार लगातार कांस्य हॉकी पदक जीते।

कोच क्रेग फुल्टन के नेतृत्व में भारत ने इतिहास रचा और ओलंपिक में लगातार कांस्य पदक हासिल किए। भारत के लिए हरमनप्रीत सिंह (30', 33') के गोल उन्हें फिनिश लाइन तक पहुंचाने के लिए पर्याप्त थे। स्पेन के लिए, मार्क मिरालेस (18') एकमात्र गोल स्कोरर थे।

ओलंपिक में स्पेन के खिलाफ आमने-सामने के रिकॉर्ड में भारत का पलड़ा भारी था। अपनी दस मुलाकातों में, उन्होंने स्पेनिश पक्ष को सात बार हराया था। मैच में स्पेन ने अच्छी शुरूआत की। दूसरे क्वार्टर में खेल की शुरूआत तब हुई जब मनप्रीत ने डी के अंदर जेरार्ड क्लैप्स का सामना किया, जिसके कारण स्पेन को पेनल्टी स्ट्रोक मिला। स्पैनिश कप्तान मार्क मिरालेस इस अवसर को गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। 1-0 की बढ़त के साथ स्पेन ने दूसरे क्वार्टर में भी कब्जे के खेल से भारत पर दबदबा बनाए रखा। बास्टरा के पास स्पेन की बढ़त को दोगुना करने का मौका था, लेकिन वह पेनल्टी कॉर्नर के दो मौकों को भुनाने में नाकाम रहे। मैच के 30वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने अपने ट्रेडमार्क ड्रैग फ्लिक से पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला और भारत को 1-1 की बराबरी दिला दी।

भारत के ऐतिहासिक कांस्य के बाद अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने लिया संन्यास

एजेंसी। नई दिल्ली

गुरुवार को पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में भारत के कांस्य पदक जीतने के बाद भारतीय फील्ड हॉकी टीम के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने संन्यास ले लिया है। 36 वर्षीय खिलाड़ी ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि यह मैच उनका आखिरी खेल होगा लेकिन उनके और भारत के लिए लगातार दो कांस्य पदक ने उनके कार्यकाल को और उल्लेखनीय बना दिया है। श्रीजेश ने सोशल नेटवर्किंग साइट 'एक्स' पर लिखा, जैसे ही मैं अंतिम बार पोस्टों के बीच खड़ा हुआ, मेरा दिल कृतज्ञता और गर्व से भर गया। एक सपने देखने वाले युवा लड़के से भारत के सम्मान की रक्षा करने वाले व्यक्ति तक की यह यात्रा असाधारण से कम नहीं है। आज, मैं भारत के लिए अपना आखिरी मैच खेल रहा हूँ। हर बचाव, हर गोता, भीड़ की हर दहाड़ हमेशा मेरी आत्मा में गूंजती रहेगी। भारत, मुझ पर विश्वास करने के लिए, मेरे साथ खड़े रहने के लिए धन्यवाद। यह अंत नहीं है, बल्कि यादगार यादों की शुरूआत है। सदैव सपनों का संरक्षक। जय हिंद। श्रीजेश ने 2006 में दक्षिण एशियाई खेलों में सीनियर टीम के लिए पदार्पण किया और 2011 से टीम में नियमित हैं। वह 2014 एशियाई खेलों में भारत की स्वर्ण पदक जीत और भारत के ऐतिहासिक टोक्यो ओलंपिक अभियान में भी महत्वपूर्ण थे।

'मंच पर कमजोरी महसूस हुई, यह मेरे पीरियड का तीसरा दिन था : मीराबाई चानू

एजेंसी। पेरिस

पेरिस खेलों में टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता सैखोम मीराबाई चानू के लिए यह दुखद था क्योंकि वह बुधवार को यहां महिलाओं के 49 किलोग्राम भारोत्तोलन फाइनल में चौथे स्थान पर रहीं। फाइनल के बाद, मणिपुरी भारोत्तोलक ने खुलासा किया कि उन्हें मंच पर कमजोरी महसूस हुई क्योंकि यह उनके मासिक धर्म का तीसरा दिन था। प्रतियोगिता के दो चरणों के समापन के बाद मीराबाई ने 199 किग्रा के स्कोर के साथ समापन किया, जो टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक के लिए उनके कुल वजन (202 किग्रा) से 3 किग्रा कम है। उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 205 किग्रा है जिसे उन्होंने 2020 एशियाई चैम्पियनशिप में उठाया था। मीराबाई ने संवाददाताओं से कहा, मैं प्रदर्शन से खुश हूं...मैंने भारत को पदक दिलाने के लिए अपना 100 प्रतिशत देने की पूरी कोशिश की लेकिन चोट के बाद ठीक होने के लिए बहुत कम समय होने के बावजूद मैं इसमें कामयाब रही। मैंने भारत के लिए पदक लाने की पूरी कोशिश की लेकिन यह नियति में नहीं था। यह मेरे मासिक धर्म का तीसरा दिन था, इसलिए इसका आपके शरीर पर भी थोड़ा असर पड़ता है। मीराबाई ने अपने पहले प्रयास में 85 किग्रा भार उठाकर स्नैच राउंड की शुरूआत की। हालाँकि, 88 किग्रा में उनका दूसरा प्रयास असफल साबित हुआ। मीराबाई ने शुरूआत में अपने दूसरे प्रयास में 86 किग्रा का लक्ष्य रखा था लेकिन कुछ मिनट बाद उन्होंने 88 किग्रा में बदलाव किया। उन्होंने स्नैच राउंड में अंतिम प्रयास में 88 किग्रा के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ, एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी की। हालाँकि, उनके प्रयास की बराबरी थाई भारोत्तोलक सुरोडचाना खंबाओ ने की और स्नैच राउंड के अंत तक दोनों संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं। वॉर्म अप में मेरे लिए सब कुछ अच्छा चल रहा था। मैंने स्नैच (88 किग्रा) में अपना सर्वश्रेष्ठ दिया।

पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज में अविनाश साबले 11वें स्थान पर रहे

एजेंसी। पेरिस

भारत के शीर्ष दूरी के धावक अविनाश साबले गति बरकरार नहीं रख सके और पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज में बुधवार को यहां 11वें स्थान पर रहे, जिसे पेरिस ओलंपिक में मोरक्को के सूफियान एल बक्कली ने सीजन के सर्वश्रेष्ठ 8 मिनट 06.05 सेकंड के साथ जीता था। संयुक्त राज्य अमेरिका के केनेथ रूक्स ने आमतौर पर अफ्रीकी धावकों के प्रभुत्व वाली दौड़ में 8:06.41 के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ दूसरे स्थान पर रहकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया, जबकि केन्या के अब्राहम किबिनोई ने 8:06.47 के साथ कांस्य पदक जीता, क्योंकि अमेरिकी धावक ने उन्हें पछाड़ दिया।

साबले ने 8:14.18 का समय निकाला, जो 2022 में बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने के दौरान लिए गए 8:11.20 की तुलना में काफी धीमा था। 39 वर्षीय सेना के जवान ने हीट्स में 8:15.43 का समय निकाला था जिसने उनकी फाइनल में जगह पक्की कर दी, जिससे वह ओलंपिक में 3000 मीटर स्टीपलचेज के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए।

अमन सहरावत पुरुषों की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती के सेमीफाइनल में

एजेंसी। पेरिस

2024 खेलों में भारत के एकमात्र पुरुष पहलवान अमन सहरावत ने गुरुवार को यहां पेरिस ओलंपिक में 2022 विश्व चैंपियन अल्बानिया के जेलिमखान अबकारोव को तकनीकी श्रेष्ठता (12-0) के आधार पर हराकर पुरुषों की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर अमन की यह लगातार दूसरी जीत थी। इससे पहले, उन्होंने उत्तरी मैसेडोनिया के यूरोपीय चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता व्लादिमीर एगोरोव को हराकर अंतिम-आठ चरण में जगह बनाई थी। बाद में शाम को सेमीफाइनल में अमन का मुकाबला नंबर एक वरीय जापान के री हिगुची से होगा। क्वालीफायर में, अमन ने कोटा मैच में चोंगसोंग हान पर तकनीकी श्रेष्ठता (12-2) से जीत हासिल की। उन्होंने पूरे क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन किया और बुल्गारिया के ओलंपियन जॉर्जी वांगेलोव को 10-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, जहां उन्होंने यूक्रेन के एंड्री यात्सेंको को 12-2 से हराया। इस बीच, महिलाओं की स्पर्धा में, अंशू मलिक, जो अपने दूसरे ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा कर रही हैं, 57 किग्रा प्री-क्वार्टर फाइनल मैच में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता, यूएसए की हेलेन लुईस मारौलिस से अपना पहला मुकाबला 2-7 से हार गईं। हालांकि, विश्व चैंपियनशिप (2021) में रजत पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान अंशू के पास अभी भी रेपेचेज के माध्यम से पदक का मौका है, अगर अमेरिकी पहलवान फाइनल में पहुंचती है।

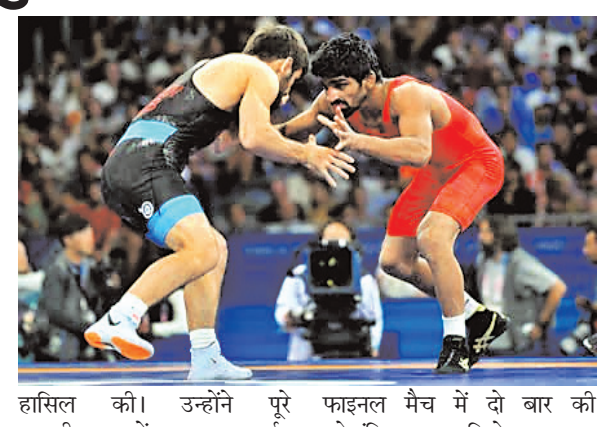

भारतीय हॉकी टीम के कांस्य पदक जीतने पर खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने दी बधाई

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक मैच में स्पेन को 2-1 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने यह लगातार दूसरा ओलंपिक मेडल जीता है। इससे पहले भारतीय हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक में जर्मनी को मात देकर कांस्य पदक जीता था। यह ओलंपिक में भारतीय हॉकी के लिए 13वां मेडल है। इस मैच में भारत की जीत को लेकर प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है। पुरुष हॉकी टीम के कांस्य पदक जीतने पर केंद्रीय श्रम, रोजगार, युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा, ₹मैं हॉकी टीम की कांस्य पदक जीत के लिए सभी को बधाई देता हूं और धन्यवाद व्यक्त करता हूं। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कांस्य पदक जीतने पर केंद्रीय रेलवे एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू का कहना है, ₹मैं हॉकी टीम की कांस्य पदक जीत के लिए सभी को बधाई देता हूं। इस बार पंजाब के ज्यादा खिलाड़ी थे। हम गोल्ड मेडल जीतेंगे। पंजाब और देश की तरफ से खिलाड़ियों को ढेर सारी बधाईयां। भारतीय हॉकी टीम का पेरिस ओलंपिक का अभियान अच्छा रहा।

इंग्लैंड में दंगों के बीच श्रीलंका ने जताई सुरक्षा संबंधी चिंता

एजेंसी। लंदन

इंग्लैंड में कई शहरों में भड़के अप्रवासी विरोधी दंगों के बीच श्रीलंका की पुरुष टीम ने सुरक्षा संबंधी चिंता जताई है। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) और टीम को सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाने का आश्वासन दिया है। इंग्लैंड में श्रृंखला से पहले अभ्यास कर रहे खिलाड़ियों ने भी इस असंतोष को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की है। श्रीलंकाई दल के नौ लोगों के समूह जिसमें सात खिलाड़ी और दो कोचिंग स्टाफ के सदस्य शामिल हैं, उन्होंने एसएलसी से अगले कुछ दिनों तक

के लिए सुरक्षा के बेहतर इंतजाम सुनिश्चित किए जाने की मांग की है। इंग्लैंड के एक खिलाड़ी ने ईएसपीएन क्रिकइंफो से कहा, हम इस समय जहां हैं वहां ऐसी स्थिति नहीं पनपी है लेकिन फिर भी लोग चिंतित तो हैं ही। हम बाहर डिनर करने नहीं जा सकते। ज्यादातर समय हम होटल में ही रह रहे हैं। कोई भी मुश्किल में नहीं पड़ना चाहता। हमने बोर्ड से मुख्य टीम के यहां पहुंचने से पहले सुरक्षा की व्यवस्था और कड़ी करने की मांग की है। इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैच सीरीज के लिए टीम के अधिकतर खिलाड़ी रविवार को इंग्लैंड पहुंचेंगे। इस समय श्रीलंका में ही मौजूद श्रीलंकाई टीम के मैनेजर महिंदा हालागोंडा ने क्रिकइंफो से कहा कि मैनचेस्टर के समाचारों को देखने के बाद उन्होंने ईसीबी के समक्ष अपनी चिंता व्यक्त की थी। पहला टेस्ट मैच 21 अगस्त से मैनचेस्टर में ही खेला जाएगा। इसके बाद लॉर्ड्स में 29 अगस्त से दूसरा टेस्ट खेला जाएगा जबकि 6 सितंबर से ओवल में तीसरा टेस्ट खेला जाएगा। हालगोंडा ने कहा, मैंने उनके समक्ष (ईसीबी) यह मुद्दा उठाया था। ईसीबी ने भी बेहद जल्दी प्रतिक्रिया दी और उन्होंने हमें सुरक्षा मुहैया कराई।

पेरिस में हॉकी टीम को कांस्य मिलने पर सोनीपत में अभिषेक और सुमित के घर जश्न का माहौल

सोनीपत। पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम ने इतिहास रच दिया है। भारतीय टीम ने स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम कर लिया है। सोनीपत के अभिषेक नैन और सुमित ने भी भारतीय टीम की जीत में अपना योगदान दिया। भारतीय हॉकी टीम के कांस्य पदक जीतने के बाद अभिषेक और सुमित के परिवार में जश्न का माहौल है। उनके परिजनों ने कहा कि, हमें अपने बेटों पर गर्व है। उन्होंने अच्छा खेल दिखाया और इस पदक से देश की हॉकी को एक बार फिर संजीवनी मिली है। अभिषेक और सुमित के घर आने पर उनका जोरदार स्वागत किया जाएगा। सोनीपत के लोगों ने दोनों खिलाड़ियों की जीत का जश्न मनाया और उन्हें बधाई दी। मालूम हो कि, भारतीय हॉकी टीम ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक मैच में स्पेन को 2-1 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने यह लगातार दूसरा ओलंपिक मेडल जीता है। इससे पहले भारतीय हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक में जर्मनी को मात देकर कांस्य पदक जीता था। यह ओलंपिक में भारतीय हॉकी के लिए 13वां मेडल है। इस मैच में भारत की जीत के स्टार एक बार फिर कप्तान हरमनप्रीत सिंह रहे, जिन्होंने भारत के दोनों गोल किए। भारतीय हॉकी टीम की इस जीत पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री मोदी समेत कई नेताओं ने भारतीय टीम को बधाई दी है।

एक नजर

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस को लेकर बैठक 10 को

बारियातू। प्रखंड मुख्यालय सभागार परिसर मे 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस मनाने को लेकर बीडीओ सह सीओ नंद कुमार राम ने 10 अगस्त को 11 बजे बैठक बुलाई है. जानकारी देते हुए बीडीओ सह सीओ नंद कुमार राम ने बताया की पूरा शशक्त विधि व्यवस्था के साथ 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झंडोतोलन किया जायेगा जिसको लेकर सभी पंचायत प्रतिनिधि, सभी राजनीतिक दल अध्यक्ष सचिव, प्रखंड कर्मी, अंचल कर्मी,पत्रकारों और कई संस्थानो के संचालक व अध्यक्ष सचिव सहित अन्य प्रतिनिधियों को समय पर विचार विमर्श हेतु बैठक में शामिल होने की अपील की है। वहीं बताया की बैठक मे सभी की सहमति और सहभागिता से समय सारणी का भी निर्धारित किया जायेगा. इस महत्वपूर्ण बैठक मे सभी कर्मियों को अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया।

आर्म्स एक्ट मामले में आरोपी को न्यायिक हिरासत भेज गया

सतबरवा। सतबरवा थाना क्षेत्र मुरमा मलय डैम के पास विकास कुमार सिंह 21 वर्ष पिता अखिलेश सिंह दुलसुलमा गांव निवासी को आर्म्स एक्ट में गुरुवार को न्यायिक हिरासत भेज दिया गया। इस बात की जानकारी थाना प्रभारी अंचित कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी। थाना प्रभारी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि चैटदार शर्ट पहने एक व्यक्ति के पास हथियार देखा गया। मैंने तत्वरित कार्रवाई करते हुए एक देसी कट्टा, एक 8 एम एम का जिंदा कारतूस के साथ विकास कुमार 21 वर्ष पिता अखिलेश सिंह को गिरफ्तार कर आर्म्स एक्ट के तहत न्यायिक हिरासत भेज दिया।

सुशील ठाकुर बने दूसरे बार उंटारी रोड मंडल अध्यक्ष

उंटारी रोड। ऊंटारी रोड प्रखंड के भाजपा कार्यालय उंटारी रोड में भाजपा मंडल अध्यक्ष सुशील ठाकुर को दूसरी बार मंडल अध्यक्ष बनने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने बधाईयां दी है वहीं दूसरी बार मंडल अध्यक्ष बनने पर स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महामंत्री रघुवीर सिंह चंद्रवंशी एवं संचालन सुनील तिवारी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम समारोह में उपस्थित पूर्व जिला परिषद सह विधायक प्रतिनिधि मनोज सिंह, महामंत्री रघुवीर सिंह चंद्रवंशी ,मंडल महिला मोर्चा अध्यक्ष रेखा सिंह सभी के द्वारा नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष सुशील ठाकुर को गुलदस्ता एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

पलामू : मुरमा कलां के 36 किसानों को मिला बीज

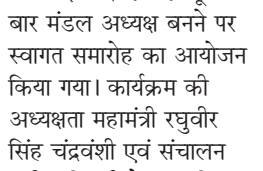

उंटारी रोड। पलामू जिले के उंटारी रोड प्रखंड सह अंचल कार्यालय में गुरुवार को मुरमा कला पंचायत के 21 किसान को मक्का का बीज व 15 किसान को बादाम का बीज का वितरण बीडीओ आशा साहु, जिला पार्षद अरबिंद सिंह, प्रखंड कृषि पदाधिकारी अनुज पासवान, एटीएम अनिल मेहता ने संयुक्त रूप से किया। वहीं ज़िला पार्षद अरविंद सिंह ने कहा कि गरीब परिवार के उत्थान के लिए निः शुल्क बीज वितरण किया जा रहा है, वहीं बीज पाकर किसान खुश नजर आए।

'चौतरफा विकास के परिणाम स्वरूप प्रतिदिन बढ़ रहा है झामुमो परिवार'

गिरिनाथ सिंह के करीबी संजय और शाकिर झामुमो में हुए शामिल

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। पूर्व विधायक गिरिनाथ सिंह के दायां हाथ माने जाने वाले उनके निकटतम सहयोगी राजद के पूर्व कोषाध्यक्ष समाजसेवी संजय कांस्यकार व राजद के पूर्व जिला प्रवक्ता समाजसेवी शाकिर खान झारखंड मुक्ति मोर्चा में शामिल हो गए हैं। गुरुवार को गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के गढ़वा स्थित आवास पर इन्होंने झामुमो की सदस्यता ग्रहण की। मंत्री श्री ठाकुर ने दोनों को माला एवं पार्टी का पट्टा पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर झामुमो में शामिल कराया।

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि गढ़वा में चौतरफा विकास हो रहा है। जिसके परिणाम स्वरूप झामुमो परिवार का दायरा हर दिन बढ़ रहा है। दोनों नेताओं का झारखंड मुक्ति मोर्चा परिवार में स्वागत एवं अभिनंदन है। इनके झामुमो में आने से पार्टी और भी मजबूत होगी। इनके अनुभव का लाभ पार्टी को मिलेगा। संजय कांस्यकार ने कहा कि वे लोग मंत्री श्री ठाकुर के विकास कार्यों से प्रभावित होकर झामुमो में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि गढ़वा के इतिहास में अब तक ऐसा विकास कार्य नहीं हुआ था, जैसा कि मंत्री श्री ठाकुर ने अपने कार्यकाल में किया। गढ़वा को ऐसे ही विकास पुरुष की जरूरत है। मौके पर मुख्य रूप से झामुमो जिला अध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, शरीफ अंसारी, फरीद खान, दिलीप गुप्ता, अंकित पांडेय सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

निर्मल महतो को पुण्यतिथि पर मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने दी श्रद्धांजलि

झामुमो जिला कमेटी के तत्वावधान में गुरुवार को मंत्री मिथिलेश ठाकुर के गढ़वा स्थित आवास पर वीर शहीद निर्मल महतो की शहादत दिवस मनाई गई। पुण्यतिथि पर मंत्री ने स्व. निर्मल महतो की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मौके पर मंत्री ने कहा कि झारखंड की माटी के वीर सपूत निर्मल महतो ने अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध जीवन भर संघर्ष किया। उन्होंने समाज के लोगों के दुःख-दर्द को अपना माना। अलग झारखंड राज्य के लिए निर्मल दा ने अंतिम सांस तक संघर्ष किया। राज्य की हेमंत सरकार निर्मल दा के विचारों को आत्मसात कर समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए निरंतर काम कर रही है। झारखंड को प्रगति पथ पर आगे ले जाना ही निर्मल महतो को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मंत्री ने कहा कि 8 अगस्त 1987 को गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई थी। झारखंड आंदोलन का एक उभरता नेता शहीद हो गये। मौके पर मुख्य रूप से झामुमो जिलाध्यक्ष तनवीर आलम खान, सचिव मनोज ठाकुर, केन्द्रीय समिति सदस्य शरीफ अंसारी, आशीक अंसारी, निलेश पाण्डेय, सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

झारखंड हाइकोर्ट

जब घुसपैठिए देश में घुस जाएंगे तब क्या केंद्र सरकार कार्रवाई करेगी

रांची। झारखंड हाई कोर्ट में बांग्लादेशी मूल के व्यक्तियों ने झारखंड में घुसपैठ कर संथाल परगना इलाके में लैंड जिहाद किये जाने की जांच की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर गुरुवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने केंद्र सरकार के शपथ पत्र दाखिल न करने पर कड़ी टिप्पणी की। अब इस मामले में अगली सुनवाई 22 अगस्त को होगी। गुरुवार को हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की खंडपीठ में इस मामले की सुनवाई हुई। झारखंड हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार के शपथ पत्र दाखिल नहीं किए जाने पर कड़ी टिप्पणी की और कहा कि देश में घुसपैठ करने वालों के घुस जाने के बाद क्या केंद्र सरकार कार्रवाई करेगी। अभी बांग्लादेश में उथल-पुथल की स्थिति है, वहां राजनीतिक अस्थिरता है। ऐसे में भारत में बांग्लादेशी घुसपैठियों को रोकने के लिए बॉर्डर में बीएसएफ को कड़ी निगरानी करनी पड़ेगी। कोर्ट ने कहा कि जरूरत पड़ने पर गृह सचिव से भी जवाब मांगा जा सकता है और उन्हें कोर्ट में बुलाया जा सकता है, यह देश की सुरक्षा का सवाल है। कोर्ट ने केन्द्र सरकार के इंटेलिजेंस ब्यूरो के डायरेक्टर, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के डायरेक्टर जनरल, चीफ इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया और डायरेक्टर जनरल यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया को प्रतिवादी बनाया है, उन्हें नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट ने इंटेलिजेंस ब्यूरो से सीलबंद रिपोर्ट मांगी है। सुनवाई के दौरान कोर्ट के आदेश के क्रम में छह जिलों के उपायुक्त ने जवाब दाखिल नहीं किए जाने पर कोर्ट ने राज्य सरकार पर कड़ी नाराजगी जताई। कोर्ट ने मौखिक कहा कि जब संथालपरगना में बांग्लादेशी घुसपैठियों के आने की बात हो रही है ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर अब तक जवाब क्यों नहीं आया है।

फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर 10 से अभियान, 2250 बूथ बनाए गए

नवीन मेल संवाददाता

पलामू। फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर पलामू जिले में 10 से 25 अगस्त तक अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत 19 लाख 91 हजार 297 लोगों को फाइलेरिया की गोली खिलाने का लक्ष्य रखा गया है। यह जानकारी जिले के सिविल सर्जन डा। अनिल कुमार ने गुरुवार को एमआरएमसीएच के गोलघर में प्रेस कांफ्रेंस करते हुए दी। सीएस ने कहा कि फाइलेरिया एक गंभीर बीमारी है, जिसकी वजह से प्रभावित अंग जैसे हाथ, पांव का फूलना और हाइड्रोसिल का बड़ा होना होता है। हाइड्रोसिल के रोगियों का उपचार ऑपरेशन द्वारा संभव है, परन्तु फाइलेरिया ग्रसित रोगी अपने पूरे जीवनकाल इस बीमारी से ग्रसित रहते हैं एवं सामाजिक उपेक्षा का सामना करते हैं। फाइलेरिया उन्मूलन हेतु इस वर्ष जिला अंतर्गत शत-प्रतिशत लक्षित जनसंख्या को फाइलेरिया रोधी दवा की एकल खुराक खिलाई जानी है। दो वर्ष से कम उम्र के बच्चे, गर्भवती महिला एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति को छोड़कर को उम्र के अनुसार डीईसी एवं अल्वेंडाजोल गोली एवं ऊंचाई अनुसार आइवरमेक्टिन की एकल खुराक देनी है।

फाइलेरिया उन्मूलन 10 से 25 अगस्त तक जिलेभर में दवा खिलाने का लक्ष्य

लातेहार। फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर जिला स्वास्थ्य विभाग के द्वारा जिले में 10 अगस्त से लेकर 25अगस्त तक जिलेभर में दवा खिलाने की कार्यक्रम आयोजन किया जाएगा जिसमें जिले के सभी लोगों को दवा खाना आवश्यक है जिससे फाइलेरिया की रोकथाम किया जा सके वही लातेहार सिविल सर्जन अवधेश सिंह ने बताया कि फाइलेरिया उन्मूलन के लिए पूरे लातेहार जिले में कार्यक्रम चलाए जा रहा हैं जिसमे 10 अगस्त से लेकर 25 अगस्त तक पूरे जिले में जिसमे तीन तरह की दवा लोगो को खिलाया जाएगा उन लोगो को इस कि दवा नही खिलाई जाएगी जो गर्भवती महिला और दो वर्ष के बच्चों को छोड़कर सभी लोगों को उम्र के अनुसार डीईसी और अलबेंडाजोल टेबलेट्स की निर्धारित खुराक प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा घर-घर जाकर मुफ़्त खिलाई जाएगी।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारी को लेकर बैठक

महापुरुषों के प्रतिमा स्थलों पर साफ-सफाई का दिया निर्देश

स्वतंत्रता दिवस समारोह को भव्य रूप से मनाने का लिया गया निर्णय

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। अनुमंडल कार्यालय हुसैनाबाद के सभागार में स्वतंत्रता दिवस समारोह व झंडोत्तोलन को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी पीयूष सिन्हा की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में सभी विभागों, सरकारी कार्यालयों व प्रतिमा स्थलों पर झंडोत्तोलन का समय निर्धारित किया गया। स्वतंत्रता दिवस समारोह को भव्य रूप से मनाने की बात कही गयी। एसडीओ पीयूष सिंहा ने कहा कि नगर पंचायत के सभी चौराहों पर स्थापित प्रतिमा स्थलों की साफ-सफाई का निर्देश नगर पंचायत को दिया गया। उन्होंने पूर्व की तरह प्रभात फेरी का भी निर्देश दिया। वही सुबह से 12 बजे तक शहर में बड़े वाहनों के प्रवेश न हो, इसके लिये पुलिस बल को निर्देश दिया गया।

उक्त तिथि को 3:30 बजे से प्रशाशन बनाम मीडिया फुटबॉल फैंसी मैच खेला जाएगा। इस मौके पर मुख्य रूप से एसडीपीओ मुकेश कुमार महतो, एलआरडीसी गौरांग महतो, सीओ पंकज कुमार, बीडीओ रौशन कुमार, थाना प्रभारी संजय कुमार यादव, वरिष्ठ अधिवक्ता चन्द्रेश्वर प्रसाद, एजाज हुसैन उर्फ छेदी खान, बीससूत्री अध्यक्ष योगेंद्र सिंह, स्वास्थ्य प्रबंधक बिभूति कुमार गुप्ता,सुधीर कुमार सिंह, बीटीएम जय गोबिंद यादव, अजय भारती, राजेश सिंह, प्रो. संजय सिंह, वार्डेन किरण सिंह, दंगवार ओपी प्रभारी शोनु गुप्ता,सुधीर सिंह, कन्हैया प्रसाद, राजेश कर्ण, राकेश कुमार सिंह, कुश पांडेय, अखिलेश विश्वकर्मा समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

45 वर्षीय महिला का शव तालाब में तैरता हुआ पाया गया, जांच

नवीन मेल संवाददाता

चिनिया। चिनिया थाना क्षेत्र के राजबास गाँव के पिपरवा टोला वार्ड नंबर एक में गुरुवार की सुबह दशरथ सिंह की 45 वर्षीय पत्नी केरवा देवी का शव पुआ बांध की तलाब में तैरता हुआ पाया गया। जिसकी जानकारी लोगों ने चिनिया पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी अमित कुमार अपने दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली तथा शव को तालाब से निकलवा कर अंत परीक्षण के लिए गढ़वा भेज भेज दिया है । मिली जानकारी के अनुसार मृतक महिला हमेशा शराब का सेवन किया करती थी वह अपने घर से 3 दिन पूर्व बकरी चराने को लेकर निकली थी जिसका शव अपने घर से महज आधा किलोमीटर दूर पुआ बांध तालाब मे तैरते हुए उसके छोटे बेटे ने गुरुवार की सुबह लगभग 7:00 घूमने गया तो अपनी मां के रूप में देखा। जिसकी जानकारी आसपास के ग्रामीणों को दी । ग्रामीणों ने इसकी सूचना चिनिया थाना को दी सूचना मिलते ही त्वरित थाना प्रभारी ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है व शव को अपने कब्जे में लेकर अंत परीक्षण के लिए गाना भेजा। थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि 45 वर्षीय महिला का शव राजबाश गाँव के तालाब में तैरता हुआ मिला है मामले की जांच की जा रही है। पुलिस हर पहलुओं की घटा से जांच करेगी।

1970 के बाद पहली बार हो रहा भेड़ियों का सर्वे

अभी 70 दुर्लभ प्रजाति के इंडियन ग्रे वुल्फ

नवीन मेल संवाददाता

पलामू। 1970 के बाद भारत में पहली बार भेड़ियों का सर्वे हो रहा है। यह सर्वे देश के एक मात्र वुल्फ सेंचुरी महुआडांड़ के इलाके में हो रहा है। महुआडांड़ वुल्फ सेंचुरी में दुर्लभ प्रजाति के इंडियन ग्रे वुल्फ (भेड़िया) हैं। ग्रे वुल्फ की संख्या पूरे विश्व में मात्र दो हजार के करीब है। नेशनल वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट की एक टीम पलामू टाइगर रिजर्व के अंतर्गत आने वाले महुआडांड़ वुल्फ सेंचुरी में सर्वे कर रही है। वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट की टीम महुआडांड़ के इलाके में चार महीने तक रही। भेड़ियों से जुड़े डाटा का वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट देहरादून में आकलन किया जा रहा है। महुआडांड़ वुल्फ सेंचुरी का कॉरिडोर झारखंड और छत्तीसगढ़ के बीच जुड़ा हुआ है।

वुल्फ सेंचुरी में सर्वे हो रहा है, कुछ फैक्ट निकले हैं। जिसका आकलन वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट कर रही है। - कुमार आशुतोष, निदेशक, पीटीआर

ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। पीटीआर प्रबंधन ने यह पहल की है कि भेड़िया द्वारा शिकार किए जाने के बाद बकरी या मवेशी मालिक को अविलंब मुआवजा का भुगतान किया जाएगा। ग्रामीणों के नुकसान की भरपाई तुरंत की जाएगी। ग्रामीणों को जागरूकता अभियान से जोड़ा जा रहा है ताकि भेड़ियों की संख्या बढ़ सके। - प्रजेशकांत जेना, उपनिदेशक, पीटीआर

महुआडांड़ वुल्फ सेंचुरी 70 की संख्या में हैं भेड़िया : वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट के सर्वे में महुआडांड़ वुल्फ सेंचुरी के इलाके में 70 भेड़िया के होने के सबूत मिले हैं। यह भेड़िया चार झुंडों में बंटे हुए हैं। भेड़ियों का यह झुंड छत्तीसगढ़ और झारखंड के बीच घूम रहा है। दरअसल महुआडांड़ वुल्फ सेंचुरी करीब 63 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है और पलामू टाइगर रिजर्व के एक हिस्से में मौजूद है। कहा जाता है कि यह एशिया का एकमात्र वुल्फ सेंचुरी है जहां दुर्लभ प्रजाति के इंडियन ग्रे वुल्फ पाए जाते हैं।

खतरा होने के बाद जीवन भर मांद में वापस नहीं लौटते हैं भेड़िया : वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट के सर्वे में यह बात निकाल कर सामने आई है कि एक बार खतरा महसूस होने के बाद जीवन भर भेड़िया मांद में वापस नहीं लौटते हैं। भेड़िया आमतौर पर बकरी का शिकार करते हैं जिससे ग्रामीणों को नुकसान होता है। ग्रामीण भेड़ियों के मांद में जाल लगा देते हैं। एक बार भेड़िया को इसका एहसास होता है तो दोबारा उस इलाके में भेड़िया नहीं जाते हैं। यही कारण है कि झारखंड से निकलकर भेड़िया छत्तीसगढ़ के इलाके में चले जाते हैं। भेड़िया की याददाश्त काफी मजबूत होती है।

महुआडांड़ वुल्फ सेंचुरी : महुआडांड़ वुल्फ सेंचुरी देश का पहला वुल्फ सेंचुरी है, जिसका गठन 1976 में हुआ था। गठन से पहले 1970 में सर्वे हुआ था। 1979 में महुआडांड़ वुल्फ सेंचुरी में भेड़ियों की गिनती हुई थी, उस समय 49 भेड़िया मिले थे। पलामू टाइगर रिजर्व करीब 1129 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है जिसमें से 63 वर्ग किलोमीटर में वुल्फ सेंचुरी है। यह सीमा छत्तीसगढ़ से सटी हुई है। यहां पर दुर्लभ प्रजाति के इंडियन ग्रे वुल्फ हैं।

न्यूज बॉक्स

एससी-एसटी एक्ट के दो प्राथमिक अभियुक्त को नावाबाजार पुलिस ने किया गिरफ्तार

नावाबाजार पलामू : नवाबाजार थाना पुलिस ने गुरुवार को एससी एसटी केस के दो प्राथमिक अभियुक्त सत्येंद्र कुमार उर्फ सकेंद्र कुमार गुप्ता व मंटू कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया। इनके उपर नवाबाजार में थाना कांड संख्या 46/23 दर्ज था। जानकारी देते हुए नावाबाजार थाना प्रभारी चिंटू कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के रबदा गांव निवासी रामाधार राम के द्वारा 8 मई 2023 को धारा 147/149/323/364/365/420 भादबि सहित 3(1)(आर)(एस) एससी-एसटी के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। आरोपी रामाधार राम के घर में घूस कर मारपीट करते हुए जातिसूचक शब्द बोलते हुए गाली-गलौज किया गया था। दोनों प्राथमिक अभियुक्त सत्येंद्र कुमार उर्फ सकेंद्र कुमार गुप्ता व मंटू कुमार छतरपुर थाना क्षेत्र के खाटिन गांव के रहने वाले हैं।

पेज एक का शेष

राम जी कर...

क्योंकि 1949 में फैजाबाद (अब अयोध्या) के डीएम रहे केके नायर ने तबके प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के आदेश की अवहेलना करते हुए, विवादित स्थल पर रखी रामलला की मूर्तियां हटाने में असमर्थता जाहिर कर दी थी। ऐसा उन्होंने एक बार नहीं बल्कि दो-दो बार किया। नेहरू ने तब के उप्र के मुख्यमंत्री रहे गोविंद बल्लंभ पंत को मूर्तियां हटवाने का निर्देश दिया था। इस पर उप्र सरकार ने फैजाबाद के डीएम केके नायर को आदेश दिया, लेकिन केके नायर ने दंगों और हिंदुओं की भावनाओं के भड़कने के डर से आदेश पूरा करने में असमर्थता जता दी थी।यही नहीं बल्कि केके नायर ने उप्र सरकार को पत्र भी लिखा था कि विवादित स्थल से रामलला की मूर्तियां हटाने से पहले उनको हटा दिया जाए। तब देश के सांप्रदायिक माहौल को देखते हुए सरकार पीछे हट गई। विवादित स्थल से रामलला की मूर्तियां न हटाए जाने पर मुस्लिम समाज ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। दोनों पक्षों ने इसको लेकर अदालत में मुकदमा दायर किया। इसके बाद उप्र सरकार ने इस स्थल को विवादित घोषित करके ताला लगा लगा दिया था। लेकिन दो साल बाद 1952 में आईएएस केके नायर ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली । और बहराइच लोकसभा से जनसंघ के टिकट पर चुनाव लड़े तथा जीतकर संसद पहुंचे। उनकी पत्नी शकुंतला नायर भी कैसरगंज से चुनाव लड़ी और जीत गईं। पति और पत्नी दोनों ने जनसंघ के टिकट पर चुनाव लड़ा था। शकुंतला नायर तो तीन बार लोकसभा चुनाव जीती थीं। जनसंघ का विधायक भी उप्र विधान परिषद का सदस्य बनने में कामयाब रहा था। यह तो बात रही नेहरू राज के समय की। उसके बाद भी हिन्दू महासभा व आरएसएस ने रामलला मुद्दा गरमाने की कोशिश जारी रखी।बाद में जनसंघ ने लोहिया व अन्य के साथ तालमेल कर कांग्रेस के विरूद्ध आंदोलन चलाने, चुनाव लड़ने का प्रयोग चलाते रहे। इसके चलते कई बार कुछ जगह सफलता भी मिली। बाद में जयप्रकाश नारायण की अगुवाई में हुई इंदिरा गांधी के विरुद्ध आंदोलन में संघ, जनसंघ व अन्य तमाम दलों के साथ आ जाने से जो माहौल बना उससे लोकसभा चुनाव में इंदिरा गांधी हार गईं। जनता पार्टी की सरकार बनी। लेकिन आपसी कलह से कुछ साल बाद ही गिर गई।चुनाव हुआ तो इंदिरा गांधी जीत गईं। संघ ने जनसंघ को खत्म करके अटल बिहारी वाजपेई की अगुवाई में भारतीय जनता पार्टी का गठन किया।इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजीव गांधी को पीएम बनाया गया। लोकसभा चुनाव हुआ तो भारी बहुमत से कांग्रेस जीती । भाजपा को केवल दो सीटें मिली।राजीव गांधी की सरकार में रक्षा व वित्त मंत्री रहे वीपी सिंह ने अमिताभ बच्चन व अरुण नेहरू जैसों के रवैये, सत्ता में बढ़ते दखल व तुम तड़ाक करके बात करने से बेइज्जत होने से बोफोर्स का मुद्दा उठाते हुए बगावत कर दिया। अलग पार्टी बना ली। चुनाव हुआ तो जनता दल की सरकार बनी, जिसको भाजपा का समर्थन भी था। वीपी सिंह ने मंडल कमीशन लागू करके पिछड़ों के लिए आरक्षण लागू कर दिया।मंडल की काट करने और भाजपा का हिन्दू वोट एकजुट करने के लिए, तब भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी ने गांधी नगर से अयोध्या तक रथ यात्रा निकाली। जिसको बिहार में तबके मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने रोक दिया, और लालकृष्ण आडवाणी को गिरफ्तार करा दिया।उसके बाद भाजपा ने समर्थन वापस लेकर वीपी सिंह की सरकार गिरा दी। उसी के बाद अयोध्या व रामलला मुद्दा और गरमा गया। और कांग्रेस की पीवी नरसिंह राव सरकार के दौरान संघ, विहिप भाजपा नेताओं द्वारा चलाये जा रहे अयोध्या के रामलला मंदिर आंदोलन में बाबरी मस्जिद ढांचा गिराए जाने की घटना हुई। मंदिर के लिए पत्थर तराशी,चंदा जुटाने का काम तेज होता चला गया। और बाद में भाजपा राज में सर्वोच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस रंजन गोगोई की अगुवाई वाली पांच जजों की बेंच ने 2019 में ढाँचा वाली विवादित जगह सहित 2.77 एकड़ की जमीन को हिंदुओं को सौंपने का फैसला सुनाया था।।मस्जिद के लिए अलग जगह देने का फैसला दे दिया। इस पांच सदस्यीय पीठ में तबके भारत के प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई, न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायाधीश एस ए बोबडे, न्यायाधीश अशोक भूषण, न्यायाधीश एस अब्दुल नजीर थे। इन पांचों को जनवरी 2024 में जब पीएम मोदी की यजमानी में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई, उसमें शामिल होने का निमंत्रण दिया गया था और ये उसमें गये भी थे। रंजन गोगोई को तो मोदी सरकार ने सेवानिवृत्त होने के बाद राज्यसभा सांसद भी बना दिया।इसी सब की तरफ लोकसभा में अखिलेश यादव व अन्य विपक्षी नेता संकेत कर रहे थे। लेकिन यहाँ यह भी जान लेना जरूरी है कि मंडल के अलावा रामजी के कारण उप्र में सपा , बिहार में राजद की राजनीति चमकी, इसी कारण अन्य कई राज्यों में कांग्रेस के साथ मुस्लिम बने रहे। पश्चिम बंगाल में ममता ने वामपंथियों व भाजपा के विरूद्ध मुहिम चलाकर मुस्लिमों का वोट लिया। दक्षिण के राज्यों में राज्य स्तरीय पार्टियां राम के विरोध का राजनीतिक लाभ लेती रही हैं। इस तरह राम जी अपने भक्तों - समर्थकों व विरोधियों सबका ही कल्याण कर रहे हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक...

चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी विकास दर का अनुमान 7.2 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है। वहीं, वित्त वर्ष 2024-25 के लिए महंगाई दर का अनुमान 4.5 प्रतिशत तय किया गया है। आरबीआई ने पॉलिसी का रुख ह्यविड्रॉल ऑफ अकोमोडेशनह्ल रखने का फैसला किया है। बता दें, मॉनेटरी पॉलिसी का रुख अकोमोडेटिव तब रखा जाता है, जब बैंकिंग सिस्टम में अधिक पैसा उपलब्ध कराना हो और अधिक नौकरियां पैदा करनी हो। गवर्नर ने आगे कहा कि महंगाई धीरे-धीरे सभी अर्थव्यवस्थाओं में कम हो रही है। हालांकि मध्यम अवधि में कुछ चुनौतियां बनी हुई हैं। मांग बढ़ने के कारण देश में मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियां बढ़ रही हैं। आरबीआई द्वारा आखिरी बार रेपो रेट में बदलाव फरवरी 2023 में किया गया था। उस समय रेपो रेट को बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया गया था। इसकी वजह महंगाई को काबू में लाना था।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC
Dr. Vaibhav Kashyap
Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist &
Implantologist Certified Orthodontist, MIDA
" Smiles & More"
छात्र-छात्राओं के लिए
50% की छूट

Facilities
आरसीटी
पायरिया का ईलाज
टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
स्माईल डिजाइन
इनविजिवल क्लिप
दंत रोपण
फिक्स दाँत लगाना
अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज
CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

ब्रिफ न्यूज

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना हिंडन एयरबेस पर गरुड़ कमांडो और एनएसजी के कड़े पहरे में

नई दिल्ली । बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री फिलहाल हिंडन एयरबेस पर वायु सेना के गरुड़ कमांडो और नेशनल सिक्युरिटी गार्ड (एनएसजी) के कड़े पहरे में हैं। उनकी सुरक्षा के साथ-साथ भारत शेख हसीना को यूरोपीय देश में राजनीतिक शरण दिलाने में मदद कर रहा है। जल्दबाजी में बांग्लादेश से निकलते वक्त पूर्व पीएम के साथ भारत आई उनकी टीम भी दैनिक जरूरत का सामान नहीं ला पाई थी, इसलिए भारतीय अधिकारियों ने हसीना की टीम के सदस्यों को कपड़े और अन्य सामान खरीदने में मदद की है। भारत से लगी बांग्लादेश सीमा पर घुसपैठ की आशंका के चलते सेना के साथ बीएसएफ को हाई अलर्ट पर रखा गया है। बांग्लादेश में 05 अगस्त को अचानक बगावत होने के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना इस्तीफा देने के बाद अपनी बहन और टीम के साथ भारतीय वायु सेना के हिंडन एयरबेस पर शाम करीब 5:36 बजे अपने देश के सी-130जे हरक्युलिस विमान से उतरी थीं।

हिंदुओं की सुरक्षा के लिए बार काउंसिल ने बांग्लादेश बार एसोसिएशन को लिखा पत्र

नई दिल्ली। बांग्लादेश में राजनीतिक संकट के बीच अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय और उनके धार्मिक स्थलों को निशाना बनाए जाने पर चिंता प्रकट करते हुए ऑल इंडिया बार एसोसिएशन के अध्यक्ष व सुप्रीम कोर्ट बार काउंसिल के निवर्तमान अध्यक्ष डाक्टर आदिश अग्रवाल ने बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एएम महबूबउद्दीन खोकों को पत्र लिखकर हिंदुओं की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया है। अग्रवाल ने कहा कि दक्षिण एशियाई देशों के बार हमेशा से ही मानवाधिकारों की रक्षा के लिए खड़े हुए हैं। मीडिया में यह खबरें आ रही हैं कि हिंदुओं के घर और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के साथ ही मंदिरों को निशाना बनाया जा रहा है।

आप इस तरह की गोलमोल बातें नहीं कर सकते
लोकसभा में अखिलेश पर भड़के अमित शाह

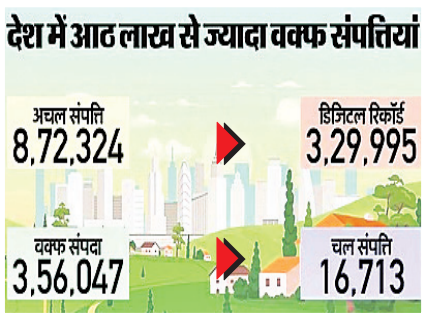

वक्फ बोर्ड को बनाया गया निजी जागीर कोई पारदर्शिता नहीं : शाजिया इल्मी

नई दिल्ली। भाजपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता शाजिया इल्मी ने कहा कि मुसलमान के साथ भेदभाव की दुहाई देने वाले सभी राजनीतिक दलों से मैं पूछना चाहती हूं कि जिस तरीके से मुसलमान के पास वक्फ बोर्ड की जमीन है, सेंटर का वक्फ बोर्ड हो या फिर स्टेट का वक्फ बोर्ड हो, इतनी ज्यादा संपत्ति और लैंड होने के बावजूद उस समुदाय में इतनी ज्यादा बदहाली क्यों है।

इस बिल का स्वागत, पुराना वक्फ कानून कांग्रेस का पाप : मोहसिन रजा

नई दिल्ली। वक्फ बोर्ड संशोधन बिल को लेकर यूपी सरकार में मंत्री रहे, और भाजपा के मुस्लिम चेहरे मोहसिन रजा ने कहा कि हम इस बिल का स्वागत करते हैं, पुराना वक्फ कानून कांग्रेस का पाप था। उन्होंने कहा कि, वक्फ बोर्ड को वक्फ की संपत्तियों का संरक्षण करने के लिए बनाया गया था, लेकिन देश में जहां-जहां कांग्रेस की सरकारें बनीं, उन्होंने इसे वक्फ माफिया और भू माफिया बना दिया।

एजेंसी। नई दिल्ली

संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को लोकसभा में 'वक्फ (संशोधन) विधेयक-2024' पेश किया। इस दौरान सदन में विपक्षी पार्टियों ने एक सुर में इस बिल का विरोध करते हुए हंगामा किया। सदन की कार्यवाही के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली। इस दौरान अमित शाह सपा मुखिया पर भी भड़कते हुए नजर आए। अखिलेश यादव ने वक्फ (संशोधन) विधेयक का विरोध करते हुए बोला, "यह विधेयक बहुत सोची-समझी राजनीति के तहत हो रहा है। अगर आप एक जिलाधिकारी को सब ताकत दे देंगे, आपको पता है कि एक जगह पर जिलाधिकारी ने क्या किया था, उसकी वजह से आज और आने वाली पीढ़ी तक को सामना करना पड़ा। सच्चाई ये है कि भाजपा अपने हताश, निराश और चंद कट्टर समर्थकों के तुष्टिकरण के लिए ये बिल लाने का काम कर रही है। आज तो आपके हमारे अधिकार कट रहे हैं, याद कीजिए मैंने आपसे कहा था कि, आप लोकतंत्र के न्यायधीश हैं, मैंने सुना है इस लॉबी में कि कुछ अधिकार आपके भी छीनने जा रहे हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने न्यूजीलैंड के गवर्नर जनरल व उप प्रधानमंत्री के साथ की द्विपक्षीय वार्ता

वेलिंगटन । भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू न्यूजीलैंड की यात्रा पर हैं। उन्होंने गुरुवार को न्यूजीलैंड के गवर्नर जनरल डेम सिंडी किरो और उप प्रधानमंत्री विंस्टन पीटर्स से मुलाकात की। उन्होंने दोनों देशों के बीच बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों और उन्हें मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। मुलाकात के दौरान, राष्ट्रपति मुर्मू और गवर्नर जनरल किरो ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंधों की सराहना की और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। उप प्रधानमंत्री और न्यूजीलैंड के विदेश मामलों के मंत्री विंस्टन पीटर्स ने भी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की।

आखिर क्यों होती है नाग पंचमी पर शिव के साथ सर्पों की पूजा

काल सर्प दोष से मुक्ति के लिए इस दिन क्या करें?

एजेंसी। नई दिल्ली

सावन के महीने में एक और हिंदू त्योहार बहुत ही श्रद्धा भाव के साथ मनाया जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर नाग पंचमी मनाई जाती है। इस बार यह 09 अगस्त (शुक्रवार) को पड़ रहा है। वैसे तो पूरे माह भक्त भगवान शिव की आराधना करते हैं मगर इस खास दिन पर भोले के साथ सर्पों की पूजा का खास विधान है। इस दिन भक्त विशेष पूजा-अर्चना के साथ भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। शास्त्रों के अनुसार नाग पंचमी को शिव के साथ सर्पों की पूजा करने से कुछ खास तरह के फल मिलते है। कई धर्म ग्रंथों में भी इसका वर्णन किया गया है। ऐसी मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन कुछ उपाय करने से पितृदोष से मुक्ति मिलती है। गरुड़ पुराण में कहा गया है कि जो लोग नाग पंचमी के दिन सांपों की पूजा करते हैं और ब्राह्मणों को भोजन कराते हैं तो उन्हें कई तरह के फल मिलते हैं। ऐसी भी मान्यता है कि इस दिन सांपों का पूजन करने से लोगों को सांप के काटने से सुरक्षा मिलती है। पंडितों की मानें तो इस दिन काल सर्प दोष से मुक्ति पाने के लिए नाग-नागिन के जोड़े को शिवलिंग पर अर्पित करने का भी विशेष महत्व है।

शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने कहा- मां ने प्रदर्शनकारियों पर गोली नहीं चलाने का दिया था आदेश

एजेंसी। नई दिल्ली

बांग्लादेश में स्वतंत्रता सेनानियों को दिए जा रहे 30 फीसद आरक्षण के मुद्दे पर हिंसक भीड़ की तोड़फोड़, आगजनी के बाद फैली हिंसा से घबराई बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना इस्तीफा देकर भारत आ गईं। वाजेद ने पश्चिमी देशों में सक्रिय बांग्लादेश के विरोधी समूहों पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, कुछ पश्चिमी समूह विरोध को भड़काते रहे, प्रदर्शनकारी पीएम आवास पर मार्च कर रहे थे और मेरी मां देश नहीं छोड़ना चाहती थी। मैंने उनसे बात की और उन्हें देश छोड़ने के लिए मनाया। अगर वह ऐसा नहीं करतीं तो प्रदर्शनकारी उन्हें मार डालते। साथ ही उन्होंने साफ कर दिया कि बांग्लादेश में फैली हिंसा के बावजूद उनकी मां ने आदेश दिया था कि प्रदर्शनकारियों पर गोली नहीं चलाई जानी चाहिए। वह आगे कहते हैं, मेरी मां ने पुलिस और सेना को आदेश दिया था कि प्रदर्शनकारियों को नहीं मारना है। इसलिए जब प्रदर्शनकारियों ने पीएम आवास पर मार्च किया, तो सेना ने ढाका की सीमाओं पर बैरिकेड लगाए, सेना ने हवा में गोलीबारी की।

बांग्लादेश में अशांति को लेकर शेख हसीना की बेटी का टूटा दिल

नई दिल्ली। बांग्लादेश में फैली अशांति को लेकर बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की बेटी साइमा वाजेद का एक बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि 'दिल टूटा हुआ' है। देश में अशांति के बाद वह अपनी मां को गले नहीं लगा सकती। दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए डब्ल्यूएचओ की क्षेत्रीय निदेशक शेख हसीना की बेटी साइमा वाजेद ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, अपने देश में लोगों की जान जाने से दिल टूट गया है, मैं उन्हें बहुत प्यार करती हूं।" अपने देश की स्थिति पर दुख व्यक्त करते हुए क्षेत्रीय निदेशक ने कहा, "वह भी बहुत दुखी हैं। इस कठिन समय में वह अपनी मां को देख नहीं सकती, गले नहीं लगा सकती।" हालांकि, वाजेद ने कहा कि वह डब्ल्यूएचओ में क्षेत्रीय निदेशक की अपनी भूमिका जारी रखेंगी। वाजेद ने इस साल 1 फरवरी को दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र के लिए डब्ल्यूएचओ क्षेत्रीय निदेशक के रूप में पदभार संभाला था।

एजुकेशन/करियर

रजनीश । भारतीय ट्रेडिशन में गहनों को पवित्र और कीमती माना जाता है। आभूषण महिलाओं के श्रृंगार का महत्वपूर्ण हिस्सा है, हालाँकि प्राचीन काल में इनका स्वरूप मोती मणियों के आभूषण के रूप में था, जो अब बदल कर सोने-चांदी के आभूषण बन गए हैं। इन आभूषणों को बनाने का तरीका ही ज्वेलरी डिजाइनिंग कहलाता है। 20वीं सदी के दौरान ज्वेलरी की डिजाइनिंग फॉर्मेट में लगातार बदलाव हुए हैं।

ज्वेलरी डिजाइनिंग : क्रिएटिविटी के साथ करियर भी

ज्वेलरी डिजाइनिंग कोर्स क्यों करें?

- ज्वेलरी डिजाइन में छात्रों को ज्वैलरी क्रिएशन और डिज़ाइनिंग और ज्वैलरी डिजाइनिंग में महत्वपूर्ण सभी पहलुओं का ज्ञान प्राप्त होता है।
- ज्वेलरी डिजाइन कोर्स में मेटलर्जी, आभूषण डिजाइनिंग, डायमंड ग्रेडिंग और सॉर्टिंग, सीएडी, पोर्टफोलियो डेवलपमेंट, जेमोलॉजी, बीडिंग आर्ट आदि विषयों और विषयों के व्यापक क्षेत्र शामिल हैं।
- ज्वेलरी डिजाइन कोर्स पूरा करने के बाद, किसी ब्रांड या कंपनी में नौकरी करने के बजाय, कोई भी अपना खुद का एक ब्रांड लॉन्च करके उद्यमिता शुरू कर सकता है, जिसमें उनकी खुद की ज्वेलरी डिजाइनिंग होगी।
- ज्वेलरी डिजाइन कोर्स ज्वेलरी डिजाइन उद्योग जैसे उत्पाद विकास, ग्राफिक डिजाइन, मार्किट रिसर्च, रचनात्मकता आदि में प्रोफेशनल करियर बनाने के लिए नए कौशल सीखने में मदद करता है।

स्किल्स

- ग्राफिक डिजाइन
- नेकलेस
- इंजीनियरिंग ड्राइंग
- खुदरा बिक्री
- सीएडी
- उत्पादन रूप
- कला शो
- डिजाइन प्रक्रिया
- उत्पाद विकास
- राइनो
- रुझान अनुसंधान
- बाजार अनुसंधान
- व्यापार की शो

ज्वेलरी डिजाइनिंग के लिए टॉप भारतीय यूनिवर्सिटीज़

- आर्क एकेडमी ऑफ डिजाइन, जयपुर
- महात्मा ज्योति राव फूल विश्वविद्यालय, जयपुर
- आरटीएमएनयू नागपुर
- सेंट्रल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन, नागपुर
- जेईसीआरसी विश्वविद्यालय, जयपुर
- एएएफटी मीडिया और कला विश्वविद्यालय, रायपुर
- जेडी इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, गुड़गांव
- भारतीय रत्न और आभूषण संस्थान- नई दिल्ली और मुंबई
- जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया- मुंबई
- भारतीय आभूषण संस्थान- मुंबई
- पर्ल एकेडमी ऑफ फैशन- दिल्ली, जयपुर, मुंबई और नोएडा
- वोग इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी- बैंगलोर में कला और डिजाइन कॉलेज

कोर्स

सर्टिफिकेट कोर्स
1. बेसिक ज्वेलरी डिज़ाइन
2. कैड फॉर जेम्स एंड ज्वेलरी
3. बेसिक ज्वेलरी डिज़ाइन

ज्वेलरी डिज़ाइन में बीएससी
1. बीएससी इन ज्वेलरी डिज़ाइन
2. बैचलर ऑफ ज्वेलरी डिज़ाइन
3. बैचलर ऑफ एक्सेसरीज़ डिज़ाइन

डिप्लोमा कोर्सेस
1. डिप्लोमा इन ज्वेलरी डिज़ाइन एंड जैमोलॉजी
2. एडवांस ज्वेलरी डिज़ाइन विद कैड
3. ज्वेलरी मैनुफैक्चरिंग

अन्य कोर्स

- बीएससी – ज्वैलरी डिजाइनिंग एंड मैनेजमेंट (बीएससी जेडी एंड एम)
- ज्वैलरी डिजाइनिंग एंड मैन्युफैक्चरिंग में ग्रेजुएट डिप्लोमा - जीडीजेडीएम
- सीएडी के साथ ज्वैलरी डिजाइनिंग में डिप्लोमा (डीजेडी- सीएडी)
- ज्वैलरी डिजाइनिंग में डिप्लोमा
- ज्वैलरी डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी में सर्टिफिकेट प्रोग्राम
- ज्वैलरी डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा प्रोग्राम

रोज़गार के अवसर

1. ज्वेलरी डिज़ाइन का कोर्स करने के बाद इसमें करियर बनाने का स्कोप काफी है. कोर्स खत्म करने के बाद प्लेसमेंट ले सकते हैं. ज्वेलरी डिज़ाइनर की तौर पर एक्सपोर्ट हाउस, मैन्युफैक्चरिंग हाउस, फैशन हॉउस, ज्वेलरी शो रूम्स जैसी जगहों पर काम करने योग्य हो जाते हैं.

2. नौकरी नहीं करना चाहते तो बिज़नेस की अपार संभावनाएं इस फील्ड में हैं. खुद की फर्म शुरू करके अपना बिज़नेस या स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं . अपने बिज़नेस से एक्सपोर्ट और मैन्युफैक्चरिंग यूनिट को जोड़कर काफी आगे जा सकते हैं.

3. फ्रीलान्स के तौर पर भी इस फील्ड में करियर को नयी दिशा दी जा सकती है. फ्रीलांसर के तौर पर फुल टाइम और पार्ट टाइम जुड़ कर पैसा कमा सकते हैं.